जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 298 प्रभात उदयपुर, बुधवार 31 अगस्त, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

अगर गहलोत ने मु.मंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया, पर्चा भरने से पहले तो...

...अध्यक्ष बनने के बाद गहलोत सचिन पायलट के मु.मंत्री बनने पर ''वीटो'' लगा सकते हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। इस समय सभी लोगों की नजरें राजस्थान पर लगी हुई हैं कि राज्य कांग्रेस में नेतृत्व-परिवर्तन किस तरह से होगा।

सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी इस बिन्दु पर सुनिश्चित होना चाहेंगी कि अध्यक्ष पद के नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र दें।

ऐसा होने से, राज्य में नये नेता के चुनाव की निर्धारित प्रक्रिया शुरु हो जायेगी। राज्य में पर्यवेक्षक भेजे जायेंगे तथा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि नेतृत्व तथा विधायक इस पद के लिये सही व्यक्ति का चयन करें।

एक वरिष्ठ नेता, जिन्हें राजनैतिक लोगों एवं मामलों का काफी अनुभव है, का कहना है कि अगर अशोक गहलोत के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद तक, सचिन पायलट के चयन की प्रक्रिया सम्पन्न नहीं होती, तो यह पूरी तरह संभावित एवं संभव है कि गहलोत, पायलट के खिलाफ अध्यक्षीय वीटो लगा देंगे तथा गर्व सहित यह घोषणा कर देंगे कि उन्हें अपने पूर्व पद के लिये एक बेहतर व्यक्ति मिल गया है।

- उनका तर्क होगा, उन्होंने राजस्थान के मु. मंत्री पद के लिये सचिन से बेहतर एक उम्मीदवार ढूंढ लिया है, जो कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में शर्तिया जीत हासिल करायेगा।
- ''वीटो'' के खिलाफ नये अध्यक्ष से दो-दो हाथ करना, गांधी परिवार के लिये काफी अटपटी स्थिति बना देगा।
- जैसा कि सर्व विदित ही है, गहलोत का पहला लक्ष्य तो यह है कि, सचिन किसी भी सूरत में मु.मंत्री न बनें तथा गहलोत के बाद राज्य की बागडोर वसुंधरा राजे संभालें, क्योंकि राजस्थान में उनकी सबसे नजदीकी मित्र भाजपा की पूर्व मु.मंत्री राजे ही हैं।
- अगर गांधी परिवार गहलोत के पार्टी अध्यक्ष बनने से पहले, गहलोत से मु.मंत्री पद का इस्तीफा प्राप्त कर लेता है तो, शायद एक बार तो जादूगर को मात मिल ही जायेगी।

ऐसी स्थिति में गांधी परिवार क्या करेगा?

क्या वे नवनिर्वाचित अध्यक्ष का सामना करने का रास्ता अपनाना चाहेंगे?

यही कारण है कि कांग्रेस के बुद्धिमान लोग कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस स्वयं को राजस्थान के 2023 के विधानसभा चुनाव जीतने का अवसर देना चाहती है तो सचिन पायलट को यथाशीघ्र राज्य का मुख्यमंत्री बनाना होगा ताकि वे पार्टी कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर सकें, राज्य के दौरे शुरु कर सकें तथा यह सुनिश्चित कर सकें कि बुरी तरह बँटी हुई भाजपा के खिलाफ कांग्रेस की जीत के अच्छे अवसर हैं।

पार्टी नेताओं का कहना है कि अशोक गहलोत के दिल्ली जाते ही गांधी परिवार चतुर गहलोत की युक्तियों को पहले से भाँप कर, उन्हें नाकाम करते हुये, पूर्व व्यवस्थित होकर काम करने की स्थिति में आ जायेगा। ज्ञातव्य है कि इस समय गहलोत के दिमाग में दो एजेंडा हैं, एक तो सचिन पायलट मुख्यमंत्री न बनाये जायें तथा दूसरा राजस्थान की सत्ता कुल मिलाकर वसुंधरा राजे के पास पहुँच जाये।

अब यह बात सर्वविदित ही है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गरीब सवर्णों को आरक्षण

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। मुख्य

- आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को उच्च शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिए जाने की संवैधानिक वैधता पर 5 जजों की संविधान बैंच 13 सितम्बर से अंतिम सुनवाई शुरू करेगी।

न्यायाधीश उदय उमेश ललित की अध्यक्षता वाली 5 जजों की संविधान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

माइक्रोचिप संकट?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। ताईवान

- ताईवान पर मंडरा रहे युद्ध संकट को देखते हुए विश्व में माइक्रोचिप संकट पैदा होने की आशंका है, जो कि फोन व ड्रोन का प्रमुख उपकरण है।

के मुद्दे पर छिड़ा संघर्ष विश्व की इलैक्ट्रॉनिक सप्लायी चेन के लिए खतरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने राजस्थान व बिहार की रणनीति तैयार की

राजस्थान यात्रा का एक प्रमुख ध्येय है, पूर्वमु.मंत्री वसुंधरा राजे के ''महत्व'' को ''न्युट्रलाइज़'' करना

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। भाजपा के ''चाणक्य'' तथा देश के गृह मंत्री अमित शाह तय कर चुके हैं कि वे इस महीने दो विपक्ष-शासित राज्यों- बिहार एवं राजस्थान का दौरा करेंगे तथा शेरों की माँद में जाकर उनको ललकारेंगे।

नीतीश कुमार, जो भाजपा के समर्थन के बिना ही, इस समय भी मुख्यमंत्री हैं, द्वारा भाजपा को धूल चटा दिये जाने के बाद, शाह बिहार में अपनी पार्टी को नई ऊर्जा से भरने की चुनौती स्वीकार करते हुये, 2025 के विधानसभा चुनावों के लिये पार्टी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में किसी विश्वसनीय तथा गतिशील चेहरे को प्रोजैक्ट करेंगे। राजस्थान द्वारा प्रस्तुत चुनौती अपेक्षाकृत बहुत जल्दी सामने आनी है क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव अगले वर्ष ही, 2024 के लोकसभा चुनाव से सिर्फ छः माह पहले ही होने हैं।

शाह 24 तथा 24 सितम्बर को ''सीमांचल'' क्षेत्र के पूर्णिया तथा किशनगंज में जायेंगे, जो बिहार के मुस्लिम-बहुल तथा सीमावर्ती जिले हैं। 10 से 12 सितम्बर तक गृह मंत्री राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह जिले जोधपुर में होंगे, जहाँ भाजपा ओ.बी.सी. मोर्चा की एक मीटिंग भी आयोजित की जायेगी।

ऐसी रिपोर्टों के बीच कि गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में अक्टूबर में दिल्ली चले जायेंगे, इसलिये भाजपा की मीटिंग के लिये जोधपुर का चयन रोचक रहेगा। मेवाड़ तथा मारवाड़ क्षेत्रों के साथ ही, शेखावाटी बैल्ट में भी ओ.बी.सी. तथा आदिवासी समुदाय के मतदाता बहुतायत में हैं। हाल ही में हुये चुनावों में, भाजपा को इस क्षेत्र में बहुत बड़ा चुनावी लाभ हुआ है। शाह राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों, जहाँ पिछले चुनावों में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण हुआ है, में भाजपा की पकड़ को मजबूती देने की रणनीतियाँ तैयार करेंगे। शाह की राजस्थान-यात्रा का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण और भी है- यह है, राज्य में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के महत्व को निष्प्रभावी करना। ज्ञातव्य है कि वसुंधरा राजे की ''अखिल भारतीय'' छवि है तथा उन्हें जाट एवं राजपूत मतदाताओं के साथ ही, मेवाड़ बैल्ट के आदिवासी मतदाताओं की स्वीकार्यता हासिल है।

गजेन्द्र सिंह शेखावत जैसे नेताओं को प्रोजैक्ट करके राजे को दरकिनार करने की भाजपा हाईकमान की कोशिशें पूरी तरह फलदायक नहीं हुई हैं।

- बिहार में भी नीतीश को चुनौती देने के लिये शाह मु.मंत्री पद के एक सशक्त उम्मीदवार का चयन करना चाहते हैं तथा उस चेहरे को अभियान के रूप में प्रचारित भी करना चाहते हैं।

बाबरी विध्वंस केस

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने 1992 में हुए बाबरी विध्वंस से जुड़े केस को मंगलवार को बंद कर दिया।

तीन जजों जस्टिस संजय किशन कौल, अभय एस. ओका और विक्रमनाथ की बैंच ने बाबरी विध्वंस से जुड़े सभी कार्यवाहियों को बंद करने तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी भाजपा नेता उमा भारती और साध्वी ऋतम्भरा तथा अन्य के खिलाफ भी केस बंद कर दिए हैं।

- सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या की बाबरी मस्जिद विध्वंस केस को बंद कर दिया है, इसी के साथ मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती, साध्वी ऋतम्भरा के खिलाफ इस केस से संबंधित मुकदमे बंद हो गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

के.सी.आर. नीतीश कुमार से मिलेंगे बुधवार को

हैदराबाद से पटना जाना भारी राजनीतिक उथल-पुथल का संकेत

-लक्ष्मण वैंकेट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। बिहार के सत्ता-परिवर्तन के महत्व एवं राष्ट्रीय राजनीति पर इसके प्रभाव को देश के विभिन्न भागों की गतिविधियों में हुई हलचल में देखा जा सकता हैं। अगर उत्तर में, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव भाजपा की लोकसभा सीटों को कम करने, मौजूदा विशाल सांसद संख्या को बहुत कम सीटों तक सीमित करने की कोशिशों की बात कर रहे हैं, तो दक्षिण से, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चद्रशेखर राव बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से विचार-विमर्श करने के लिये बुधवार को पटना पहुँच रहे हैं, जिन्होंने भाजपा को शॉक-ट्रीटमेन्ट के जरिये, गठबन्धन सरकार और गठबन्धन से अलग कर दिया था। नीतीश के इस कदम के फलस्वरूप, पूरे देश में उनके बहुत से राजनैतिक मित्र एवं समर्थक गये हैं तथा उनकी पार्टी तथा आर.जे.डी. नेताओं की तरफ से ऐसे संकेत आने-लगे हैं कि नीतीश कुमार ऐसे व्यक्ति सिद्ध हो सकते हैं जो 2024 के लोकसभा चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सामना कर सकें। के.सी.आर. जिस नाम से तेलंगाना के मुख्यमंत्री प्रसिद्ध हैं, ने

- के.सी.आर. की भूमिका निर्णायक रही थी, नीतीश का भाजपा से गठबंधन तुड़वाने में।
- नीतीश से पहले तेजस्वी यादव भी के.सी.आर. से मिले थे हैदराबाद में।
- के.सी.आर. के पटना प्रोग्राम का उद्देश्य गलवान घाटी में शहीद हुए भारतीय सैनिकों के परिवारों को दस-दस लाख रूपये का चैक देना है तथा हाल ही में हैदराबाद में हुए अग्निकांड में मृत 12 बिहारी कारिन्दों के परिवारों को भी पांच-पांच लाख रूपये देना है, पर उनकी नीतीश से मुलाकात चैक बांटने की खबरों से ज्यादा राजनीतिक महत्व रख रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगला डेढ़ महीना निर्णायक साबित होगा?

पर, गांधी परिवार की क्या रणनीति है, इसका किसी को कोई खास आभास नहीं है, अतः अफवाहों का बाजार बहुत गर्म है

-डा. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 अगस्त। कांग्रेस अव्यवस्था की स्थिति में हैं क्योंकि उसके नेताओं को यह दुविधा सता रही है कि क्या गांधी परिवार इस 136 साल पुरानी पार्टी को जनता से पुनः जोड़ने और इसे संगठनात्मक रूप से मजबूत करने की योजना में सफल होगा या अपने राज्य स्तरीय नेताओं द्वारा खुद की पार्टियों का गठन कर लिया जाएगा।

पार्टी के नेताओं में इस दुविधा के कारण असुरक्षा का इतना गहरा भाव है कि गांधी परिवार की योजना और उसके अगले कदमों की प्रमाणिक जानकारी ना होने की वजह से मीडिया में अटकलों का बाजार गर्म रहा।

पार्टी में संशयवादियों का बोलबाला है जो कि एक ऐसे संगठन को कमजोर कर उसका कयामत का दिन ला रहे हैं, जिसने देश को अंग्रेजों की गुलामी से आजादी दिलाई थी।

वर्तमान में राष्ट्रीय मीडिया द्वारा लोगों के समक्ष दो निश्चित संभावनाएं प्रस्तुत की जा रही हैं। पहली में तो यदि कोई गैर गांधी पार्टी की कमान संभालकर सी.डब्ल्यू.सी.में खुद के निष्ठावानों को भरने के बाद गांधी परिवार को अलग-थलग कर देता है तो उस स्थिति में गांधी परिवार को भय है कि पार्टी पर नियंत्रण समाप्त हो जाएगा। इस संयोजन में गांधी परिवार को इतना असुरक्षित बताया गया है कि वो किसी भी कीमत पर कांग्रेस नेतृत्व नहीं छोड़ना चाहता।

दूसरी संभावना है कि गांधी परिवार पार्टी संगठन को लोकतांत्रिक बनाने में मदद करे और नया अध्यक्ष राहुल गांधी को पार्टी के दिन-प्रतिदिन के कामकाज से मुक्त कर दे ताकि वे पार्टी को बेखटके नेतृत्व प्रदान कर सके। पार्टी अध्यक्ष स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव से निर्वाचित किया जाता है और पार्टी का नया प्रमुख अन्य नेताओं से विचार-विमर्श कर पार्टी का नेतृत्व करता हैं।

अनुमान ये भी हैं कि हरियाणा में भूपिन्दर सिंह हूड़ा और कर्नाटक में

- एक अफवाह तो यह कि, गांधी परिवार बहुत असुरक्षित महसूस कर रहा है कि, अगर नये अध्यक्ष ने सी.डब्ल्यु.सी. में अपने समर्थक भर कर गांधी परिवार को अलग-थलग कर दिया, जैसा सीताराम केसरी ने किया था, तो गांधी परिवार क्या करेगा।
- दूसरी अफवाह है कि, क्षेत्रीय नेता, जो अपने इलाके में काफी पकड़ रखते हैं, जैसे हूडा व सिद्धारमैया, की ज्यादा नहीं चली तो ये लोग अपनी क्षेत्रीय पार्टी बनायेंगे और टुकड़े-टुकड़े होकर कांग्रेस खत्म हो जायेगी।
- एक चर्चा यह भी है कि, नये उदीयमान नेता, जैसे शशि थरूर, भी महत्वाकांक्षी हो गये हैं तथा कांग्रेस अध्यक्ष के लिये अपनी उम्मीदवारी जतायेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। –हरिऔध

अर्थव्यवस्था के प्रबंधन की नहीं उसके दर्शन पर सोचने की जरूरत

किसी भी देश के कोष प्रबंधन के लिए अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जाता है। अर्थव्यवस्था के प्रबंधन के आधार पर ही राजनीतिक विचारधाराएं बनती रही हैं। इसमें कोई संशय नहीं कि अर्थव्यवस्था सामाजिक जीवन व्यवस्था को नियंत्रित करती है। कोई भी राजनैतिक विचारधारा हो वह मूल में सबकी समानता की बात ही करती है। वह सबके लिए न्याय की बात करती है और शोषण का प्रतिकार करती है। इसीलिए सभी राजनैतिक विचारधाराओं में पूंजी पर नियंत्रण की बात होती है। कार्ल मार्क्स ने यह साबित करने की कोशिश की कि उत्पाद के साधनों पर नियंत्रण से ही पूंजी पर कब्जा किया जाता है। उनके विश्लेषण के आधार पर साम्यवाद खड़ा हुआ जिसने करीब आधी दुनिया में हिंसक लड़ाइयां लड़ कर सत्ता हासिल की ताकि उत्पादन के साधनों और पूंजी पर सर्वहारा वर्ग का नियंत्रण हो और निजी हाथों से पूंजी का हस्तांतरण उनके द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक संस्थाओं को हो। दूसरी तरफ पूंजीवादी व्यवस्था में पूंजी का नियंत्रण बाज़ार के हाथ में होने और लोकतान्त्रिक शासन की भूमिका एक अंपायर जैसी होने की होती है। सनातन भारतीय अर्थशास्त्र पश्चिम के पूंजीवादी अर्थशास्त्र से मौलिक रूप से भिन्न रहा है। हालांकि वह साम्यवाद के निकट भी नहीं है। न्यायमूर्ति महादेव गोविंद रानाडे ने कहा था कि पाश्चात्य अर्थशास्त्र के सिद्धान्त भारतीय परिस्थितियों में लेश मात्र भी लागू नहीं किये जा सकते। मगर तब से अब तक गंगा में न जाने कितना पानी बह गया है। आज भारतीय परिस्थितियां वैसी नहीं हैं जैसी उन्नीसवीं या बीसवीं सदी में थीं। अंग्रेजों ने हिंदुस्तानियों को अपनी शिक्षा प्रणाली और अपनी भाषा दी जिसके नजरिये से नई भारतीय पीढ़ियों ने न केवल बाहर की दुनिया को देखा और समझा बल्कि अपने आप को भी उनके नज़रिये से देखा और समझा। इसे बहुतों ने पश्चिमीकरण या पाश्चात्यकरण कहा। इसके चलते भारतीय भूभाग,जिसमें लगभग पूरा पश्चिम एशिया शामिल है, में लोगों की जीवन शैली और व्यवहार बदले और पश्चिमी पूंजीवाद के सिद्धान्त यहां लागू होने की परिस्थितियां बनी।

दिलचस्प बात यह भी रही कि अंग्रेजी के जरिये जब हिंदुस्तान के लोगों ने दुनिया को देखा-समझा तो उसे पूंजीवाद के साथ-साथ साम्यवाद भी समझ में आया। आज़ादी के बाद देशी सरकार के सामने 532 सामंती राज्यों में बिखरे हिंदुस्तान को सहेजने की विराट चुनौती थी। एक सशक्त केंद्रीय शक्ति के तहत ही नया आज़ाद देश मूर्त रूप ले सकता था। तब देश के तत्कालीन नेतृत्व ने तय किया कि यह केंद्रीय शक्ति लोकतान्त्रिक होगी और चुने हुए प्रतिनिधियों से बनी होगी। आज़ादी के 75 वर्षों के बाद आज बाज़ार आधारित अर्थव्यवस्था हमारी सामाजिक संरचना और परिवार प्रणाली में हस्तक्षेप करती नजर आ रही है। आज पूरे विश्व में न तो परंपरागत साम्यवाद बचा है और न ही क्लासिक पूंजीवाद। कह सकते हैं कि विश्व की अर्थव्यवस्थाओं का यह संक्रांतिकाल है। आजाद भारत के अर्थशास्त्रियों तथा नीति निर्माताओं ने जब नये देश की व्यवस्थाएं बनाई तब उन्होंने दुनिया भर को देखा और सभी से कुछ लेते हुए एक मिली-जुली अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जो एक हद तक अब भी बनी हुई है। संक्रातिकाल के आर्थिक परिवर्तनों से जहां भारतीय समाज में नयापन नजर आने लगा है वहीं परंपरागत रूढ़ियां अब भी भी उसमें जमी हुई हैं खासकर पुराने सामंती व्यवहार जो नये रूपों में हमारे आचरण में बने हुए हैं। अब उदारवाद का समय है। एक है आर्थिक उदारवादजो खुली प्रतियोगिता और मुक्त बाज़ार पर ज़ोर देता हैऔर अर्थव्यवस्था में सरकार के कम से कम दख़ल की वकालत करता है। दूसरा है राजनीतिक उदारवाद जो आर्थिक प्रगति में विश्वास, मानव जाति की ज़रूरी अच्छाई और व्यक्ति की स्वायत्तता के साथ राजनीतिक और नागरिक आज़ादी की सुरक्षा पर जोर देता है। तीसरा है सामाजिक उदारवाद, जो अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा, एलजीबीटी जैसे मुद्दों और समलैंगिक शादियों को बढ़ावा देने से जुड़ा है। वैसे कुछ लोग लिबरल यानी उदारवादी शब्द का इस्तेमाल एक गाली के तौर पर भी करते हैं, हालांकि इसके भी मायने अलग-अलग हैं। आजकल यूरोप और अमेरिका से होता हुआ क्रोनी कैपिटेलिज्म अथवा 'याराना पूंजीवाद' भी भारत में अपनी जड़ें जमा रहा है। इस 'याराना पूंजीवाद' में राजनेता, पूंजीपति और सरकारी अधिकारी मिलकर अपने-अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति करते हैं। इस 'याराना पूंजीवाद' की विशेषता यह है कि इसमें राजनेता और उनके आर्थिक सलाहकार चिकनी चुपड़ी बातें करते हैं। इसमें आंकड़ों की जादूगरी से ऐसा भ्रम फैला दिया जाता है मानो सब कुछ हरा ही हरा है। जहां जैसी अनुकूलता लगती है राज व्यवस्था चलाने वाले कहीं कुल संख्या का हवाला देते हैं तो कहीं कुल संख्या की बात न करके प्रतिशत में बात करते हैं। कुल उत्पादन, कुल राष्ट्रीय आय और स्टॉक एक्सचेंज में शेयरों के कीमतों में चढ़ाव अर्थव्यवस्था के सकारात्मक गुणों के रूप में स्थापित किए जाते हैं। किन्तु ऐसा मानने वाले भी कम नहीं है कि पूंजीवाद के कारण दुनिया-भर में बेरोजगारी बढ़ी है और श्रम की महत्ता कम हुई है। उसने भारतीय समाज की सबसे छोटी इकाई परिवार को कमजोर किया है, घरेलू हिंसा को बढ़ाया है तथा सामाजिक रिश्तों को बड़े पैमाने पर तोड़ने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने भी कुछ समय पहले कहा कि निर्वाचित लोग जो शासन में बैठ सरकार चला रहे है वास्तव में ट्रस्टी हैं। उनका यह कथन महात्मा गांधी की उस सीख से प्रेरित था जिसे उन्होंने सेठ-साहूकारों को दी थी कि वे अपने को अपने धन का मालिक नहीं बल्कि अपने को उसका ट्रस्टी समझें और उसी प्रकार व्यवहार करते हुए अपने धन को जन कल्याण पर लगाएं।

ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि पश्चिम और पूर्व की संस्कृतियों के संपर्क के दौरान भारतीय मेधा कहां गयी? पुराने जमाने में हिंदुस्तान में अर्थ प्रबंधन कैसे होता था, इसका अध्ययन बड़ा दिलचस्प हो सकता है। इस पर इतिहास के नज़रिये से तो काम हुआ है किन्तु दुर्भाग्य से अर्थशास्त्र के अकादमिक नज़रिये से किसी ने इसका गंभीर अध्ययन नहीं हुआ। माना जाता है कि ग़ुलामी के लंबे दौर में भारतीय मेधा कुंद हो गयी। हालांकि इस भू भाग के लोगों ने अपनी सुरक्षा के लिए, अपनी अस्मिता बचाए रखने के लिए, अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं को जीवित रखने के प्रयत्न जरूर किये जो हमारे सर्वग्राही गुण पर आधारित थी। इसी से भारतीय सभ्यता लूट के इरादे से होने वाले आक्रमणों के झंझावातों को झेल सकी। बहुतों को अचंभा होता है कि भारतीय नीति निर्धारकों ने अर्थव्यवस्था के विदेशी मॉडल तो अपनाए मगर कभी स्वदेशी मॉडल का प्रयोग करके नहीं देखा। ऐसे मॉडल की भावभूमि महात्मा गांधी ने तैयार की भी थी। किन्तु दुर्भाग्य से राजनीतिक या अकादमिक स्तर पर उस पर कभी गंभीरता से काम नहीं किया गया। गांधीजी के आर्थिक सिद्धांतों में उनका 'ट्रस्टीशिप' का सिद्धांत सर्वोपरि है। गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में 1903 में ट्रस्टीशिप के सिद्धांत का प्रतिपादन किया था। गांधीजी ने इसका आधार 'ईशोपनिषद्' के प्रथम श्लोक को माना था जिसका अर्थ है, इस जगत में जो कुछ भी जीवन है, वह सब ईश्वर का बनाया हुआ है इसलिए ईश्वर के नाम से त्याग करके तू यथाप्राप्त भोग किया कर। किसी के धन की वासना न कर। उनके अनुसार जो व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं से अधिक संपत्ति एकत्रित करता है, उसे केवल अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करके पर्याप्त संपत्ति का उपयोग करने का अधिकार है, शेष संपत्ति का प्रबंध उसे एक ट्रस्टी की हैसियत से, उसे धरोहर समझकर, समाज कल्याण के लिए करना चाहिए। ट्रस्टीशिप सिद्धांत में देश की समस्याओं का समाधान है, इसे राममनोहर लोहिया ने गहराई से समझा। उन्होंने इसे कानूनी ढांचे में विरूपित करने की भी कोशिश। बाद में तत्कालीन सांसद डॉ. रामजी सिंह ने भी प्रयास किया लेकिन अकादमिक और राजनैतिक तौर पर बात आगे नहीं बढ़ी। महात्मा गांधी ने स्वदेशी, स्वराज और सत्याग्रह की जो अवधारणा दी वह सामूहिक और व्यक्तिगत दोनों स्तर पर अपनाई जा सकती है और जो आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत विकास की वैकल्पिक अवधारणा का लक्ष्य माना गया है। गांधी ने हमारा ध्यान इस बात की ओर आकर्षित किया कि उत्पादन का लक्ष्य हमरी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति करना है, न कि उपभोग की कृत्रिम मांगों को पैदा कर उनकी पूर्ति करना है। गांधी जिस 'स्वदेशी' की बात करते थे उसमें न तो प्राकृतिक संसाधनों की अंधा-धुंध बर्बादी संभव है और न पूंजी का कुछ हाथों में सिमटना। इसमें रोजगारविहीन विकास और पारिस्थितिकीय असंतुलन कि उन दो समस्याओं ने निज़ात मिल सकने की राह नज़र आती है।

देश में 1950 में योजना आयोग की स्थापना की गई जिसने पंचवर्षीय योजनाएं बनाने तक अपने को सीमित कर लिया और अर्थव्यवस्था में किसी विकल्प की तरफ नहीं झांका। इस व्यवस्था के रहते हुए भी संसदीय बहुमत वाले शासन ने 1980 के दशक में पूंजीवाद की उदार नीतियों को स्वीकार कर लिया और एक नई अर्थ व्यवस्था का अगाज़ किया। अंत में नए संसदीय बहुमत ने उसकी जगह नीति आयोग बना दिया। परंतु नए बने नीति आयोग ने भी किसी वैकल्पिक स्वदेशी अर्थव्यवस्था की अवधारणा पर अब तह तो कोई विचार नहीं किया है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री ने भी कुछ समय पहले कहा कि निर्वाचित लोग जो शासन में बैठ सरकार चला रहे है वास्तव में ट्रस्टी हैं। उनका यह कथन महात्मा गांधी की उस सीख से प्रेरित था जिसे उन्होंने सेठ-साहूकारों को दी थी कि वे अपने को अपने धन का मालिक नहीं बल्कि अपने को उसका ट्रस्टी समझें और उसी प्रकार व्यवहार करते हुए अपने धन को जन कल्याण पर लगाएं। मुख्यमंत्री का कथन सरकारी कोष के सदुपयोग के लिए राजतंत्र चलाने वालों को इंगित था जिसे किसी ने नहीं सुना और शायद खुद मुख्यमंत्री भी भूल गए। राजनेताओं के ऐसे वक्तव्यों के मूल में केवल लोकप्रियता पाना ही होता रहा है, किसी परिवर्तन की चाह नहीं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

जैन धर्म का पर्वराज दशलक्षण धर्म पर्व की शुरुआत

जैन धर्म एक अनादि, अनंत, शाश्वत धर्म है। जैन धर्म की शुरुआत प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान से पूर्व से है।

जैन धर्म के तीन मुख्य त्योहारों में 1) षोडश कारण भावना पूजा - यह पूजा करने से तीर्थंकर प्रकृति का बंधन होता है, 2) अष्टांहिका पर्व पूजा - यह भक्ति का पर्व है, यह वर्ष में तीन बार मनाई जाती है एवं 3) दशलक्षण धर्म पूजा - यह वर्ष में दो बार आता है, लेकिन भाद्रपद में आने वाले इस पर्व का बढ़ा ही महत्व है । आत्मा के दस धर्मों की विशेष आराधना करते है। दस धर्मों का पालन करना साधकों के लिए अनिवार्य है ।

दशलक्षण धर्म पर्व को पर्वराज भी कहा गया है । जैन धर्म में इस त्योहार का महत्वपूर्ण स्थान है।

दिगंबर धर्म में 10 दिन तक चलने वाला यह पर्व इस वर्ष 31 अगस्त, भाद्रपद शुक्ला चतुर्थी से प्रारंभ होकर 9 सितंबर - अनंत चतुर्दशी तक जारी रहेगा । इसी क्रम में 11 सितंबर को क्षमावाणी पर्व मनाया जायेगा ।

दशलक्षण धर्म पर्व जैसा की नाम से आभाष होता है दस धर्मों की पूजा एवं पालना की जाती है । ये दस धर्म है - 1) उत्तम क्षमा, 2) उत्तम मार्दव, 3) उत्तम आर्जव, 4) उत्तम सोच, 5) उत्तम सत्य, 6) उत्तम संयम, 7) उत्तम तप, 8) उत्तम त्याग, 9) उत्तम आकिंचन एवं 10) उत्तम ब्रह्मचर्य का पालन कर आत्म शुद्धि की जाती है ।

इन सभी दस धर्म के अंतर्गुण नाम से ही स्वत : स्पष्ट है । ये सभी दस धर्म एक दूसरे के पूरक है। किसी भी एक धर्म की पालना, साधना करने पर शेष सभी धर्म स्वत: आत्मसात हो जाते है एवं साधक के जीवन का अंग बन जाते है ।इन दस दिनो के दौरान धर्मावलंबी जिन अभिषेक, शांतिधारा, पूजा, पाठ यथावत करते है । प्रति दिन नित्य नियम पूजा के साथ क्रमश: दशलक्षण धर्मों के धर्म विशेष की पूजा भी की जाती है ।

भागचंद जैन

दशलक्षण पर्व के दौरान जैन धर्म के मानने वाले व्रत, उपवास रखते है एवं इस अवधि में ऐसा भोजन किया जाता है जो मन और शरीर को नियंत्रण में रख सके। जैन धर्म में अहिंसा और आत्मा की शुद्धि का विशेष महत्व है. श्रावकगण इस समय का सदुपयोग त्याग, तपस्या, आराधना और साधना का मार्ग अपना कर करते हैं । यह पर्व अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण करने, आत्मशुद्धि करने एवं कर्मो का क्षय कर मोक्षमार्ग प्रशस्त करने के लिए मनाया जाता है ।

जैन धर्मावलंबी इस पर्व के दौरान धार्मिक ग्रंथों का पाठ करते हैं । पर्व की अवधि में दिया गया दान का भी अपना महत्व है ।

दशलक्षण पर्व में व्यक्ति को अपने द्वारा किए बुरे कर्मों से दूर होने के लिए अवसर मिलता है । ये पर्व जीओ और जीने दो की राह पर चलने की प्रेरणा देता है । इस पर्व में अपने द्वारा की गई गलतियों पर विचार कर क्षमा मांगी जाती है ।

दश लक्षण पर्व आत्मशुद्धि का अवसर प्रदान करता है इसलिए इस दौरान अहिंसा यानी किसी को दुख, कष्ट ना पहुंचाएं, सत्य के मार्ग पर चलें, चोरी ना करना, ब्रह्मचर्य का पालन करना, परिग्रह से दूर रहना, जैन धर्म के सिद्धांतों को रेखांकित करता है ।

श्वेतांबर धर्मावलंबियों द्वारा पर्युषण पर्व 8 दिन तक, इस वर्ष 24 अगस्त से 31 अगस्त तक मनाया जा रहा है ।

भागचंद जैन,
अध्यक्ष, अखिल भारतीय
जैन बैंकनेरा फोरम, जयपुर।

रक्षासूत्र/ रक्षाबंधन पर्व दो विभिन्न तिथियों पर क्यों मनाया जाता है?

वैदिक काल में जिसे हम रक्षासूत्र कहते थे उसे ही आजकल राखी कहा जाता है ।अब जैसा आप सभी जानते भी होंगे और मानते भी होंगे कि रक्षासूत्र केवल पाँच या सात पतली रंगीन डोरियाँ नहीं बल्कि यह बांधने और बंधवाने वालों के बीच आदान-प्रदान होने वाले शुभ भावनाओं व शुभ संकल्पों को दर्शाता है। इस पर्व के शुरुआत के समय उपलब्धता के आधार पर एक छोटा-सा ऊनी, सूती या रेशमी पीले कपडे के टुकडे में दूर्वा, अक्षत (साबूत चावल), केसर या हल्दी, शुद्ध चंदन एवं कुछ सरसों के साबूत दाने - इन पाँच समानों को मिलाकर छोटे से कपड़े के टुकड़े में बाँध रक्षासूत्र वाले कलावे से जोड़ हाथ पर बाँध देते थे । कालान्तर में यही स्वरूप पहले तो रेशमी फूँदों वाली राखी में बदला और धीरे-धीरे आज जिस रूप में हम सभी देख रहे है अर्थात केवल कच्चे सूत जैसे कलावे, रेशमी धागे से आगे सोने या चाँदी जैसी महंगी वस्तु तक की राखियां उपलब्ध हैं और आज-कल इस राखी वाले व्यवसाय में कई सौ लाखों का वारा-न्यारा हो रहा है ।

अब आपके ध्याननार्थ बताना चाहूंगा यह पर्व दो अलग अलग तिथियों को मनाया जाता है । भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पञ्चमी जिसे हम ऋषि पञ्चमी कहते हैं, वाले दिन माहेश्वरी जाति के अलावा गौड़, पारीक, दाधीच, सारस्वत, गुर्जर गौड़, शिखवाल के अलावा खन्डेलवाल माहेश्वरी एवं पुष्करणा हर्ष जाति में बहन भाई को रक्षासूत्र / राखी बांधती है जबकि बाकी सभी जगह, क्योंकि यह पर्व न केवल पूरे भारत में बल्कि नेपाल में भी, श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन जिसे हम श्रावणी-पूर्णिमा कहते हैं, वाले दिन रक्षाबंधन वाले त्यौहार के रूप में मनाया जाता है ।

आप सभी की जानकारी के लिये बता दूं कि माहेश्वरी समाज में पीढ़ी दर पीढ़ी से अर्थात परम्परागत रुप से ऋषि पञ्चमी के दिन ही बहनें अपने भाईयों को रक्षासूत्र बांध यह त्यौहार मनाते आ रहे हैं । हालांकि आजकल यह भी देखने में आ रहा है कि एक ही परिवार में दोनों ही दिन यह पर्व मनाया जाने लगा है जिसका मुख्य कारण अन्तर्जातीय विवाह सम्बन्ध है । इस सम्बन्ध में यह भी बताना चाहूंगा कि परम्परागत रूप से भारत एवं नेपाल के हिन्दुओं में अन्तर्जातीय विवाह बहुत कम होते रहे हैं किन्तु अब शहरीकरण के चलते ज्यादा से ज्यादा युवा महिला और पुरुष जाति के बंधनों से परे अपनी व्यक्तिगत पसंद से शादी करना चाहते हैं और हमारे समाज से भी इसे अपेक्षाकृत अधिक स्वीकृति मिलने लग गयी है।

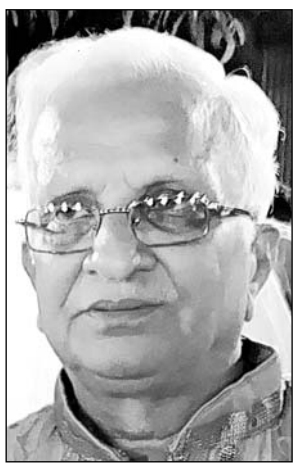

गोवेर्धन दास बिन्नानी राजा बाबू

यह त्यौहार भाई और बहन का त्यौहार है / भाई बहन के प्यार का प्रतीक है। इन दोनों दिनों में बहनों में एक अलग तरह का उमंग देखने में आता है जिसका एक मात्र कारण सुख-दु:ख में साथ निभाने की प्रतिबद्धता लेकिन आजकल सगी बहनों को उपहार चाहे नगद हो या अन्य किसी रूप में देकर, इतिश्री कर लेते हैं । जबकि आगे दोनों के बीच, भले ही मुंह-बोली बहन हो या मुंह-बोला भाई, एक निश्छल प्रेम देखने मिलता था । इसका एक छोटा सा उदाहरण आपको अवश्य ही आनंदित कर देगा जो इस प्रकार है -

जैसा सभी प्रबुद्ध पाठक जानते होंगे हिन्दी साहित्य युग के महानायक और उसकी आत्मा क्रमश: पं सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और उनकी मुंह-बोली बहन महादेवी वर्मा के बीच रक्षाबंधन वाले, एक दिन जो घटना पढ़ने में आती है उसके अनुसार निरालाजी रिक्शे में बैठ मुंह-बोली बहन महादेवीजी के यहां राखी बंधवाने के लिये पहुंचे, उससे ही बारह रुपये माँगते हैं और तो और महादेवीजी के यह पूँछने पर कि 12 रुपये काहे चाहिए तो मुंह-बोला भाई उत्तर देता है - दुई रुपैया इस रिक्शे वाले को और 10 तुमको राखी बधाई का दूँगा । ऐसी निश्छल प्रेम वाली घटना पढ़ हम सभी की भी आंखे छलछला उठती हैं।

श्रावण पूर्णिमा के दिन राखी बांधकर बहन अपने भाई से स्वयं की रक्षा करते रहने की प्रार्थना करती है जबकि ऋषि पञ्चमी के दिन बहन उपवास कर भाई को राखी बांधकर भगवान से हमेशा अपने भाई की कुशल-मंगल की कामना करती है । जबकि आजकी बदली हुयी परिस्थिति में दोनों ही पर्व पर बहन-भाई दोनों को एक दूसरे की रक्षा का केवल संकल्प की आवश्यकता है जैसा रक्षाबंधन का शाब्दिक अर्थ 'सुरक्षा का बंधन' स्पष्टतौर पर इस ओर इंगित करता है ।

आखिर निष्कर्ष में यही सत्य प्रतीत होता है कि दोनों ही पर्व बहन-भाई के रिश्तों की मधुरता को दर्शाता है । भारतीय परम्पराओं ऐसे पर्वों से सामाजिक सम्बन्धों को मजबूती मिलती है। दोनों का अपना-अपना अस्तित्व ही नहीं है बल्कि पौराणिक एवं सामाजिक महत्व है और हमें दोनों के महत्त्व को समझकर उसका सम्मान करना चाहिए.. न की अपने अपने सुविधा अनुसार धर्म की रीति को बदलना उचित है...

गोवेर्धन दास बिन्नानी
राजा बाबू

आवारा पशुओं की शरण स्थली बना अस्पताल

नारायणपुर, (निसं)। उद्योग एवं देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत की मौजूदगी में 19 अगस्त को हुई मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी (एमआरएस) की मिटिंग में मंत्री द्वारा मरीजों के लिए अस्पताल में सुविधाओं को लेकर बड़े-बड़े दावे किये जा रहे थे लेकिन मंत्री के ये सब दावे खोखले साबित हो रहे हैं।

- **मरीज वार्ड में रखे कचरा पात्र में सूअर मुंह मारता नजर आया**
- **रात्रि को मरीजों की सुरक्षा के लिए कोई गार्ड भी नहीं हैं**

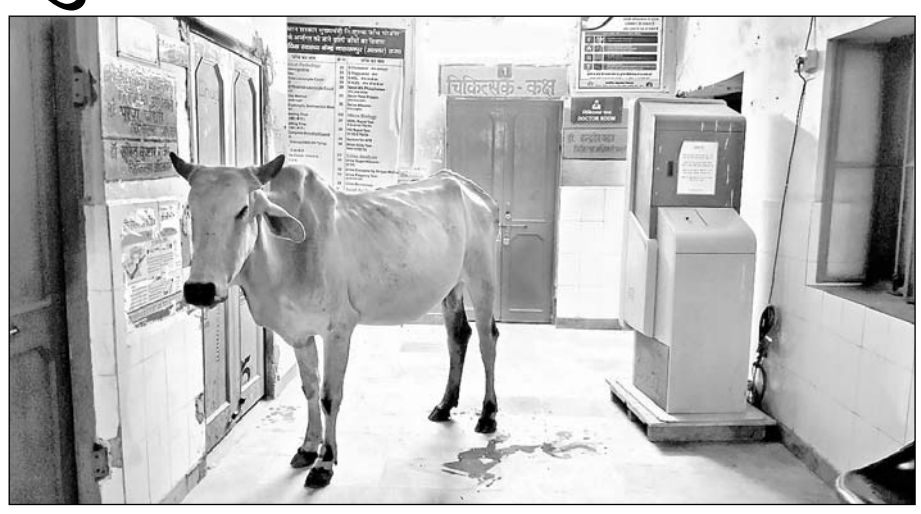

नारायणपुर अस्पताल परिसर में चिकित्सक कक्ष के सामने खड़ी गाय ।

कस्बे का सरकारी अस्पताल इन दिनों आवारा पशुओं की शरण स्थली बना हुआ है। अस्पताल में सुविधाओं के नाम पर केवल ढर्रा चल रहा है। ऐसा ही नजारा गत रात्रि को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अस्पताल में देखने को मिला। जहां पर सरकारी अस्पताल के अंदर आवारा गाय व मरीज वार्ड में रखे कचरा पात्र में सूअर मुंह मारता नजर आया। इससे कस्बे की सरकारी अस्पताल की सुविधा व सुरक्षा की पोल खोल के रख दी है। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि अस्पताल में रात्रि को न तो मरीजों के लिए कोई सुविधा है और ना ही यहां पर कोई सुरक्षा गार्ड है । इस ओर अस्पताल प्रबन्धन का भी कोई ध्यान नहीं है।

सीएचसी अधिकारी प्रभारी डॉ.सुरेश मीणा ने बताया कि अस्पताल के मैन गेट का निर्माण कार्य चल रहा है, कार्य पूरा होने पर गेट पर काऊ केचर लगा दिया जायेगा। जिससे आवारा पशुओं का आने-जाने का रास्ता बंद हो जायेगा।

गणेश चतुर्थी पर अब नहीं सुनाई देती डंकों की खनखनाहट

सांभरझील, (निसं)। भाद्र पक्ष की चतुर्थी को भगवान गणेश के जन्मोत्सव को मनाने की परम्परा में शनै: शनै: काफी परिवर्तन भी देखने को मिल रहा है।

पीढ़ियों से जिस परम्परागत तरीके से गणेश चतुर्थी का पर्व मनाया जाता था वह पूरी तरह से लुप्तप्राय हो गयी है। अपनी यादों को साझा करते हुये यहां के स्वतंत्रता सेनानी रहे स्वर्गीय बिहारीलाल खोडवाल के पुत्र प्रोफेसर सुरेश चंद अग्रवाल ने बताया कि आजादी से पहले जब सरकारी स्कूल कम हुआ करते थे और पब्लिक स्कूलें भी नहीं थी, उस वक्त गणेश चतुर्थी के मौके पर पंडित जी बच्चों को साथ लेकर डंके खनखनाते हुये सभी के घर के जाते और परम्परागत गीत "चौक च्यानणी भादूडो-दे दे माई लाडूडों, आधौ लाडू भावै कोनी-सांपतो पांती आवै कोनी..." गीत गाते हुये जाने की पुरानी परम्परा प्रचलित रही है।

इस दिन बच्चों की मां पंडितजी के तिलक व आरती कर दक्षिणा व लड्डू प्रदान करती थी तथा बच्चे पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लेते थे। इस तरह गणेश चतुर्थी पर बच्चे पंडितजी यानी गुरू के साथ गलियों व मौहल्लों में डंकों की खनखनाहट करते हुये उक्त गीत गाते चलते थे।

उस जमाने में गुड से बनायी जाने वाली गुडधाणी घरों में प्रमुखता से बनायी जाती थी।

गणेश चतुर्थी के मौके पर दाल-बाटी चूरमा आज भी घरों में मनाया जाता है तथा मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा का श्रंगार कर दीप प्रज्जवलन कर पूजा जरूर की जाती है, लेकिन डंकों की खनखनाहट अब सुनायी नहीं देती है।

परम्परागत गीत अब सुनायी नहीं देता है। वह गीत इस प्रकार से है सुण सुण ऐ गीगा की माय, थारौ गीगौ पढ़बा जाय ।

पढ़बा की पढ़ाई दै, छोरा नै मिठाई दै। आळो ढूंढ दिवाळो ढूंढ, बड़ी बहु की पैई ढूंढ, ढूंढ ढूंढाकर बारैआ, जोशी जी कै तिलक लगा, लाडूडा मै पान सुपारी, जोशी जी रै हुई दिवाळी। जौशण जी नै तिलियाँ दै,छोरा नै गुडधानी दै, ऊपर ठंडो पाणी दै। एक विद्या खोटी, दूजी पकडी चोटी। चोटी बोलै धम धम, विद्या आवै झम झम।

गणेश चतुर्थी पर काम आने वाले डंका दिखाता युवक।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 31 अगस्त, 2022

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुरदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2079, चित्रा नक्षत्र रात्रि 12:12 तक, शुक्ल योग रात्रि 10:47 तक, विष्टि करण रात्रि 11:30 तक, चन्द्रमा आज दिन 12:04 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग रात्रि 12:12 तक है। आज भद्रा दिन 3:23 तक है। शुक्र सिंह राशि में सांय 4:18 पर प्रवेश करेगा। आज महागणपति चतुर्थी (स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त) है। गणेश पजून का श्रेष्ठ समय मध्यान्ह काल (वृश्चिक लग्न) में श्रेष्ठ बताया गया है। आज दिन 11:11 से 1:43 तक जिसमें 11:58 से 1:43 तक वृश्चिक में पूजन का समय श्रेष्ठ रहेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:18 तक, शुभ 10:53 से 12:23 तक, चर 3:16 से 5:11 तक, लाभ 3:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:09, सूर्यास्त 6:45

मेष
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मिथुन
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी और नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

तुला
व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में प्रगति होगी और अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक
अपने आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। ावश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

सार-समाचार

बीमा कम्पनी ने किया 40 लाख का भुगतान

उदयपुर, (कासं)। सड़क हादसे में खाता धारक की मौत होने पर उसे बैंक ऑफ बडौदा एवं स्टार हैल्थ बीमा कम्पनी के द्वारा 40 लाख का चेक उसकी पत्नी को सौंपा गया। बैंक ऑफ बडौदा के क्षेत्रीय प्रमुख अनिल कुमार माहेश्वरी ने बताया कि केलवा क्षेत्र के लालुराम तेली के द्वारा बैंक ऑफ बडौदा से स्टार हैल्थ बीमा कम्पनी का बीमा कराया गया था। जिसमें 24 जुलाई 2021 को अजमेर के पास कार-टेलर की भिडंत में लालुराम घायल हो गये थे, जिस पर उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। बैंक से दुर्घटना बीमा पॉलिसी ले रखी थी। जिसके तहत मंगलवार को मृतक की पत्नी नाथी बाई को 40 लाख रुपये का चेक सौंपा गया। मृतक की पत्नी ने बताया की पति की मौत के बाद उनके पास ना सहारा तो छीना गया था और दूसरी और कमाई का और कोई विकल्प नहीं बचा था, पर आज बैंक ऑफ बडौदा एवं स्टार हेल्थ बीमा कंपनी के द्वारा जो राशि का चेक दिया है उससे उसके परिवार का जीवन वापस पटरी पर आ सकता है। इस मौके पर शाखा वरिष्ठ प्रबंधक महेश सेनी, स्टार हेल्थ से वरिष्ठ मंडल प्रबंधक विकास तलेसरा, संदीप कुमार, महेन्द्र सिहं, नितेश, मनिष कुमार आदि मौजूद थे।

दक्ष को खेल सम्मान

उदयपुर, (कासं)। मेजर ध्यानचंदजी की जयंती के उपलक्ष्य में मोहनलाल सुखाडिया विवि उदयपुर के क्रीडा मंडल द्वारा आयोजित खेल दिवस सम्मान समारोह में वर्ष 2021-22 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए डॉ अनुष्का विधि महाविद्यालय के दक्ष जोशी को खेल सम्मान मिला। महाविद्यालय के बी.ए.एलएल.बी. तृतीय वर्ष के विद्यार्थी दक्ष जोशी के बारे में बताते हुए प्राचार्य डॉ एस एस सुराणा ने कहा की दक्ष द्वारा ऑल इण्डिया इंटर यूनिवर्सिटी किक बॉक्सिंग (पुरुष) प्रतियोगिता सत्र 2021 -22 रजत पदक प्राप्त किया साथ ही गांधीग्राम हिमाचल प्रदेश में 11वें कूडो नेशनल टूर्नामेंट 2020-21 में अंडर 21 आयु पुरुष वर्ग में गोल्ड जीतकर महाविद्यालय के साथ साथ सम्पूर्ण उदयपुर का नाम भी रोशन किया था। इसी विशिष्ठ उपलब्धि के कारण इन्हें इस सम्मान से नवाजा गया। डॉ अनुष्का ग्रुप के सचिव राजीव सुराणा ने दक्ष जोशी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत देश का नाम गौरवान्वित करने के लिए शुभकामनाएं दी।

पुरस्कार योजना में प्रविष्टियां आमंत्रित

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा वर्ष 2022-23 में विभिन्न अकादमी पुरस्कारों हेतु राजस्थान निवासी लेखकों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है। इन सभी पुरस्कारों में प्रविष्टियां भिजवाने की अंतिम तिथि 15 नवंबर 2022 निर्धारित की गई है। अकादमी सचिव ने बताया कि सर्वोच्च 'मीरा पुरस्कार' हेतु गद्य/पद्य विधा की मौलिक, सृजनात्मक दिशा परक कृतियां आमंत्रित की गई है। साथ ही 'सुधीन्द्र पुरस्कार' (कविता विधा), 'रांगेय राघव पुरस्कार' (कथा, उपन्यास विधा), 'देवीलाल सामर पुरस्कार' (नाटक एकांकी), 'देवराज उपाध्याय पुरस्कार' (निबंध, आलोचना पाठ सम्पादन, साहित्येतिहास), 'कन्हैयालाल सहल पुरस्कार' (ललित गद्य, रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज, यात्रा वृतांत, व्यंग्य, आत्मकथा, जीवन चरित्र आदि), 'शम्भूदयाल सक्सेना' (बाल साहित्य) तथा 'सुमनेश जोशी' (प्रथम प्रकाशित कृति) पुरस्कार में वर्ष 2019, 2020 और 2021 में प्रकाशित पुस्तकों की प्रविष्टियां ही नियमानुसार मान्य होगी। इन योजनाओं के नियम प्रपत्र अकादमी कार्यालय तथा अकादमी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आश्रितों को कुल 11 प्रकरणों में 36 लाख के अवार्ड पारित

उदयपुर, (कासं)। सदस्य सचिव राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में पीडित प्रतिकर स्कीम की बैठक आयोजित हुई। बैठक में हत्या एवं पोक्सों अधिनियम के तहत बलात्कार के प्रकरणों का निस्तारण किया जाकर मृतकों व पीडितों के आश्रितों व परिजनों को कुल 11 प्रकरणो में 36 लाख की प्रतिकर सहायता दिये जाने के आदेश पारित किये गये। प्राधिकरण सचिव एडीजे कुलदीप शर्मा ने बताया कि इस बैठक में हत्या के 2 प्रकरणों व पोक्सो के 7 एवं शारीरिक क्षति के 2 प्रकरण कुल 11 प्रकरणों में पीडित प्रतिकर राशि प्रदान करने बाबत निर्णय लिया। इसमें पीडितों के परिजनों व आश्रितों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिये पृथक-पृथक राशि स्वीकृत की गई, जो उनके बचत खातों में जमा कराने तथा एफ.डी.आर. करवाने के निर्देश दिए।

अभिभावक सम्मेलन

उदयपुर, (कासं)। आलोक सी सेकंडरी स्कूल फतेहपुरा में परिषद गठन के लिए अभिभावक सम्मेलन हुआ जिसमें विद्यालय द्वारा किए जाने वाले शेक्षिक एव सह शेक्षिक गतिविधियों के बारे किए जाने वाले नवाचारों की जानकारी दी।प्रभारी दीपिका शर्मा द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन के माध्यम से विद्यालय की गतिविधियों को बताया। अभिभावक की सर्वसम्मति से वर्ष 2022-23 के अध्यक्ष पद पर प्रमोद सोनी,उपाध्यक्ष लोकेश सुराणा, सचिव संतोष पुनमिया को चयनित किया गया । कृष्णा तोमर को परिषद प्रतिनिधि समिति के सदस्य मनोनीत किया

महिला ने की आत्महत्या

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थानाक्षैत्र में विवाहिता ने फतहसागर में कूद कर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को शहर के फतहसागर देवाली छोर पर पानी में अज्ञात महिला का शव होने की सूचना मिलने पर फतहपुरा चौकी प्रभारी नाथूसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर आपदा प्रबंधन टीम की मदद से मृतका को बाहर निकाला। जिसकी शिनाख्त सर्वोदय कॉलोनी भुवाणा निवासी लोकेश सुथार ने अपनी मां भंवरी देवी (62) के रूप में की। पूछताछ में पता चलना कि भंवरी देवी बीमारी से परेशान थी। सोमवार को वह बिना बताए घर से निकल गई थी। जिसकी परिजन तलाश कर रहे थे। प्रकरण की जांच अनुसंधान अधिकारी एस आई नाथूसिंह कर रहे है।

दुष्कर्म का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)।अपहरण कर युवती के साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित ने आरोपी छोटा भीलवाड़ा फलासिया निवासी शांतिलाल पुत्र बंशीलाल सिवणा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवायां कि एक माह पूर्व आरोपी मेरी पुत्री का अपहरण कर ले गया। जहां उसने पुत्री के साथ दुष्कर्म किया। दो दिन पूर्व मौका मिलने पर आरोपी के चंगुल से निकल कर घर लौट कर आपबीती बताई। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

क्वालिटी एज्यूकेशन व रिसर्च पर हो फोकस : प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर के जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ की कौन्सिल की बैठक में कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत आदि मौजूद रहे।

उदयपुर, (कासं)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि की एकेडमिक कौन्सिल की बैठक मंगलवार को प्रतापनगर स्थित कुलपति सचिवालय के सभागार में कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में संस्थान द्वारा छात्रों के शैक्षणिक एवं फैकल्टीज के अकादमिक विकास के लिए देश, विदेश की विभिन्न संस्थान व विश्वविद्यालयों से किये गये एमओयू को स्वीकृति दी गई। इसी सत्र से कई नये स्कील आधारित पाठ्यक्रमों को संचालित करने की स्वीकृति दी गई। प्रतापनगर परिसर में स्कूल ऑफ लेग्वेज की स्थापना की जायेगी जिसमें देशी व विदेशी भाषाओं का अध्ययन कराया जायेगा। उन्होने बताया कि संस्थान के साहित्य संस्थान द्वारा सन् 2000 से विद्यार्थियों को फ्रेंच व जर्मन भाषाओं का अध्ययन कराया जा रहा है। युवाओं को भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं से अवगत कराने के उद्देश्य से वेद अध्ययन, संस्कृत सम्भाषण में प्रमाण पत्र पाठयक्रम प्रारंभ किया जायेगा। प्रख्यात इतिहासकार, शिक्षाविद्, लेखक, कला संस्कृति व लोक कला के मर्मज्ञ स्व. डॉ. महेन्द्र सिंह नगर की स्मृति में डॉ. महेन्द्र सिंह नगर चेरिटेबल ट्रस्ट व विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में व्याख्यानमाला व संगोष्ठियों का आयोजन किया जायेगा।

छात्रों के शैक्षणिक एवं फैकल्टीज के अकादमिक विकास के लिए राजस्थान विद्यापीठ व आईआईटी कानपुर के बीच एमओयू हुआ जिसमें कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, आईआईटी के प्रो. बी.वी. फानी ने हस्ताक्षर किए। प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि आईआईटी कानपुर से एमओयू करने वाला विद्यापीठ संभाग का पहना विश्वविद्यालय है। यह एमओयू पांच वर्षो के लिए होगा जिसके अन्तर्गत छात्रों के लिए एक्सपर्ट लेक्चर्स, समर टेऊनिंग, स्पेशन वर्कशॉप का आयोजन किया जायेगा। फैकल्टी के अकादमिक व तकनीकी विकास के लिए दोनो के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीप लर्निंग, बिग डेटा, ब्लॉकचेन, साइबर सिक्योरिटी जैसे नवीनतम विषयों पर फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किए जायेंगे। प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में संचालित पाठयक्रमों में सत्र 2022-23 से सेमेस्टर प्रणाली लागू करने व एड ऑन पाठ्यक्रमों को शुरू करने, शिक्षा विभाग माश्रम में संचालित बी.ए. बीएड/ बी.एस.सी. बीएड पाठ्यक्रमों में सेमेस्टर प्रणाली लागू करने, विज्ञान संकाय के थर्ड सेमेस्टर में फूड एनॉलिटिकल लागू करने, समाजशास्त्र विभाग में सेनिटेशन एवं मॉडर्न सोसाईटी, , हिन्दी विभाग में 15 दिवसीय लेखन, कौशल एवं भाषा दक्षता का एड ऑन कोर्स शुरू करने की स्वीकृति दी गई।

राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित

डूंगरपुर, (निसं)। राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक जिला कलक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव की अध्यक्षता एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमेन्द्र नागर की मौजूदगी में मंगलवार को ईडीपी सभागार में आयोजित हुई।

बैठक में जिला कलक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव ने संबंधित अधिकारियों से प्रगति वार जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये है। जिला कलक्टर डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी बीमा योजना, आधार कार्ड, जन आधार से संबंधित अभी तक भी जो कार्य पूर्ण नहीं हुए उसकी रिपोर्ट बनाकर भिजवाने के निर्देश दिये है। उन्होंने सडक दुर्घटनाएं होने पर मुख्यमंत्री सहायता कोष से सहायता राशि मिल रही है, उसको पोर्टल पर अपडेट कराने के निर्देश दिये है। उन्होंने लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिये है तथा सम्पर्क पोर्टल पर लंबित नहीं रखने के निर्देश प्रदान किये है। बैठक में जिला कलक्टर डॉ.यादव ने आगामी बैठक से पूर्व एजेण्डेवार ओर समस्त सूचनाओं के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिये है। उन्होंने राजस्व संबंधी जो भी प्रकरण लंबित है, उसको आज सायं तक ही तैयार कर भिजवाने के निर्देश दिये है। उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की जानकारी लेते हुए ब्लॉक झौंथरी, सागवाडा एवं सीमलवाडा के जो प्रकरण लंबित है, उसको तत्काल निस्तारण करने के निर्देश प्रदान किये है। बैठक में जिला कलक्टर डॉ. यादव ने बजट घोषणा की जानकारी लेते हुए समय-समय पर मॉनिटरिंग करने के निर्देश प्रदान किये है। उन्होंने संबंधित उपखण्ड अधिकारियों को सडको की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये है। उन्होंने ०1 सितम्बर से जिले की सभी सडको का सर्वे करने के निर्देश दिये है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां सडके खराब और जर्जर हो गई है, उसकी मॉनिटरिंग करते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग से कार्य कराने के निर्देश प्रदान किये है।

12 करोड़ का सोना लूटने वालों का नहीं लगा सुराग

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षैत्र में सुन्दरवास स्थित मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी से बारह करोड़ से अधिक का सोना व 11 लाख नकदी लूट की वारदात के दूसरे दिन मंगलवार को भी लूटेरों का सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा है। पुलिस सरगर्मी से उनकी तलाश में जुटी है। उदयपुर पुलिस की दस टीमे अलग-अलग जगहों पर दबिशें देकर लूटेरों तक पहुंचाने का प्रयास कर रही है। सोमवार सुबह सुन्दरवास मुख्य मार्ग पर स्थित मणप्पुरम गोल्ड लोन कंपनी में पिस्टल लेकर घुसे पांच नकाबपोश लूटेरों ने वहां मौजूद कर्मचारियों को बंधक बना 12 करोड़ से अधिक मूल्य का 24 किलो सोना तथा 11 लाख की नकदी लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।घटना के दूसरे दिन भी लूटेरों का सुराग नहीं मिला है। पुलिस की करीब दस टीमें लूटेरों की तलाश में जुटी है। पुलिस को वारदात के बाद डबोक क्षैत्र तक इनकी लोकेशन मिली उसके बाद से कोई सुराग नहीं लगा है। पुलिस की टीमे उक्त वारादात से पूर्व हुई लूट की वारदात वाले स्थानों एवं उन मामलों में पकड़े गए बदमाशों तथा विभिन्न साक्ष्यों के आधार पर बदमाशों की पडताल में जुटी है।

बाबा रामदेव के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

राजसमन्द, (निसं)। भादवी बीज पर राजनगर कलालवाटी स्थित बाबा रामदेव मंदिर पर नगर परिषद की ओर से आयोजित भजन संध्या में श्रद्धालु भक्तिभाव में ऐसे रमे कि तडके तीन बजे के बाद तक भजनों की गंगा में डूबकी लगाते रहे। शुभारंभ संत बिहारीदास महाराज, सभापति अशोक टांक, विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी के ओएसडी मनीष जोशी, पूर्व चेयरमैन आशा पालीवाल, दिनेश पालीवाल, सुरेश पालीवाल सहित अतिथियों ने बाबा रामदेव की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके की।

गायक महेश माली ने गणपति और गुरुवंदना के साथ भजन प्रस्तुतियों की शुरुआत की। इसके बाद गायक संपत दाधिच और मंजू गुर्जर ने एक से बढकर एक बाबा रामदेव सहित कई देवी-देवताओं के मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी। इनमें म्हारो हेला सुणो नी रामा पीर.... की प्रस्तुति से पूरा पाण्डाल बाबा रामदेव की भक्ति के सागर में गोते लगाने लगा। इसके साथ ही खम्मा-खम्मा मारा रुणेजा रा पीर...., एकण बार आवो वीरा म्हारा रामदेव...., रुणीचे रा धणियो अजमाल जी रा कंवरा...., मरुधर में जोजत जगाय गयो, बाबो धोली धजा फेराय गयो.... के साथ ही रामेदव के एक से बढकर एक भजन प्रस्तुत किए तो पाण्डाल एक-दो-तीन-चार बाबा तेरी जय-जयकार, जय बाबा री जैसे जयकारों से गूंज उठा। इसके साथ मंजू गुर्जर सहित कलाकारों ने प्रभु चारभुजानाथ का भजन बन्नो म्हारो चारभुजा रो नाथ, रमता आवोनी भैरूजी बावजी, सांवरिया सेठ दे दे-मण्डफिया रा मालिक दे दे एवं ले हाथ ढाल तलवार जबरा जंगल में बैठी माता आवरा सहित देवी-देवताओं के कई भजनों से भक्तिरस वर्षा करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति की डोर से बांधे रखा। साथ ही बीच में दिल्ली की रिया एण्ड पार्टी ने कालिका माता, महाकाल बाबा, प्रभु राम-सीता-लक्ष्मण और हनुमान जी की एक से बढकर एक झांकियां प्रस्तुत कर प्रभु के साक्षात दर्शन करवाए।

5 जोड़ी ट्रेनों का कपासन स्टेशन पर रहेगा दो मिनट का ठहराव

उदयपुर, (कासं)। कपासन स्थित सूफी संत दीवाना शाह बाबा 79वें उर्स के मौके पर यात्रियों की सुविधा हेतु पांच जोड़ी रेलसेवाओं का 3 सितम्बर से 6 सितम्बर तक कपासन स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव रहेगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि गाडी संख्या 19665, खजुराहो-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस ट्रेन 2 सितम्बर से 5 सितम्बर तक खजुराहो से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा कपासन स्टेशन पर 05.01 बजे आगमन एवं 05.03 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 19666, उदयपुर सिटी-खजुराहो एक्सप्रेस रेलसेवा 3 से 6 सितम्बर तक तक उदयपुर सिटी से प्रस्थान कर कपासन स्टेशन पर 23.19 बजे आगमन एवं 23.21 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह गाडी संख्या 22901, बान्द्रा टर्मिनस-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस रेलसेवा जो 3 सितम्बर को बान्द्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा कपासन स्टेशन पर 13.01 बजे आगमन एवं 13.03 बजे प्रस्थान करेगी।

इसी प्रकार गाडी संख्या 22902, उदयपुर सिटी-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस रेलसेवा 4 सितम्बर को उदयपुर सिटी से प्रस्थान कर कपासन स्टेशन पर 22.28 बजे आगमन एवं 22.30 बजे प्रस्थान करेगी। गाडी संख्या 12315, कोलकाता- उदयपुर सिटी एक्सप्रेस रेलसेवा जो 1 सितम्बर को कोलकाता से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा कपासन स्टेशन पर 22.35 बजे आगमन एवं 22.37 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 12316, उदयपुर सिटी-कोलकाता एक्सप्रेस रेलसेवा जो 5 सितम्बर को उदयपुर सिटी से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा कपासन स्टेशन पर 1.57 बजे आगमन एवं 1.59 बजे प्रस्थान करेगी।गाडी संख्या 20971, उदयपुर सिटी-शालीमार एक्सप्रेस रेलसेवा जो 3 सितम्बर को उदयपुर सिटी से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा कपासन स्टेशन पर 02.12 बजे आगमन एवं 02.14 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 20972, शालीमार-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस रेलसेवा 4 सितम्बर को को शालीमार से प्रस्थान कर कपासन स्टेशन पर 3.59 बजे आगमन एवं 4.01 बजे प्रस्थान करेगी। गाडी संख्या 19615, उदयपुर सिटी-कामख्या एक्सप्रेस रेलसेवा जो 5 सितम्बर को उदयपुर सिटी से प्रस्थान करेगी वह रेलसेवा कपासन स्टेशन पर 17.09 बजे आगमन एवं 17.11 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 19616, कामख्या-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस रेलसेवा जो 1 सितम्बर को कामख्या स्टेशन से प्रस्थान कर कपासन स्टेषन पर 22.35 बजे आगमन एवं 22.37 बजे प्रस्थान करेगी।

सार-समाचार

अडानी पोर्ट का शैक्षणिक भ्रमण

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट के छात्र-छात्राओं ने स्पेशल ईकोनोमिक जोन मूंदड़ा गुजरात एवं अडानी पोर्ट का चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने अडानी के अधिकारियों के मार्गदर्शन में वहां की सम्पूर्ण गतिविधियों एवं प्रबंधन प्रणाली की जानकारी प्राप्त की। डीन प्रोफेसर महिमा बिड़ला ने बताया कि अडानी पोर्ट का भ्रमण पेसिफिक एम.बी.ए. सत्र का विशेष आकर्षण होता है। टीम लीडर प्रोफेसर डॉ. नरेन्द्र चावड़ा व अली यावर रेहा ने जानकारी दी कि विद्यार्थियों ने इस भ्रमण के दौरान भारत के सबसे तीव्र गति से बढ़ने वाले मूंदड़ा पोर्ट की गतिविधियों को बारीकी से जाना। उन्होंने बताया कि दौरे के प्रथम दिन विद्यार्थियों ने गांधी नगर स्थित साइंस सिटी का भी भ्रमण किया। दूसरे दिन विद्यार्थियों को अडानी विल्मर फोरच्यून ऑयल रिफायनरी के अवलोकन का अवसर प्राप्त हुआ। विद्यार्थियों ने अडानी पावर प्लांट का भी भ्रमण किया। दौरे में 38 छात्र-छात्राएं शामिल थे।

मारपीट व छेड़छाड़ का मामला

उदयपुर, (कासं)।तालाब से घर लौट रही नाबालिग के साथ मारपीट कर छेडछाड करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित ने खारवा फला भागला निवासी उकारलाल पुत्र मांगीलाल के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि 28 फरवरी दोपहर में मेरी पुत्र तालाब पर नहाने के लिए गई थी। इस दौरान मौका देख आए आरोपी ने पुत्री का पीछा किया। विरोध करने पर मारपीट कर छेडछाड की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल, वृत, उदयपुर
(RHB Office Building पास सिवाहा सेक्टर-11, उदयपुर-313001)
क्रमांक:-उप आआ./वृत्त-उदय/2022-23/696 दिनांक:-30.8.2022

-:जाहिर आम सूचना (मृत्यु पश्चात):-

आवास संख्या 1-च-22, हिरण मगरी सेक्टर-5 आवासीय योजना, उदयपुर का आवंटन मण्डल द्वारा श्री बंशीलाल सामर पुत्र श्री नाथुलाल सामर को किया गया था। आवास का आवंटन पत्र क्रमांक 3503 दिनांक 04.11.1987 को जारी कर कब्जा दिनांक 30.03.1988 को दिया गया।

श्री भंवर लाल जैन की मृत्यु दिनांक 01.09.2004 को हो जाने के पश्चात उनके पुत्र श्री शांतिलाल सामर ने मृतक के कानूनन उत्तराधिकारी होने का दावा करते हुए उक्त आवास का नामान्तरण अपने पक्ष में करने हेतु वसीयत नामा (अपंजीकृत) के आधार पर मण्डल में आवेदन किया। श्री शांतिलाल सामर पुत्र स्व.श्री बंशीलाल सामर ने प्रार्थना पत्र, वसीयत नामा (अपंजीकृत) एवं आवश्यक प्रपत्र मण्डल के निर्धारित प्रपत्रों में प्रस्तुत कर इस कार्यालय में निवेदन किया है कि उक्त आवास को उनके नाम पर कर दिया जावें।

अत: इस संबंध में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति तो हो 15 दिवस के अन्दर-अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें अन्यथा आपत्ति नहीं होने के कारण आवास संख्या 1-च-22, हिरण मगरी सेक्टर-5 आवासीय योजना, उदयपुर का कानुनी उत्तराधिकारी मानकर श्री शांतिलाल सामर पुत्र स्व.श्री बंशीलाल सामर के पक्ष में हस्तान्तरण कर मण्डल रिकार्ड में वसीयत नामा (अपंजीकृत) के आधार पर दर्ज कर दिया जायेगा।

उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल, उदयपुर वृत, उदयपुर

प्रपत्र संख्या-7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग उदयपुर संभाग, उदयपुर
मिसल नं. 44/2022
राजस्थान लोक न्यास अधिनियम 1959 की धारा 23(2) के अधीन नोटिस।
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री ओम प्रकाश अग्रवाल पिता श्री प्रतापमल जी निवासी जगत मेहता की बाड़ी, फतहपुरा, उदयपुर (राज.) ने राजस्थान लोक न्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 (2) के अन्तर्गत श्री अग्रसेन सहायता कोष ट्रस्ट, उदयपुर न्यास के संबंध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा23 की उप-धारा(2)द्वाराप्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त न्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिये, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे, इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त न्यास के सम्बन्ध में आपत्तियॉं, यदि कोई हो, प्रस्तुत करें।

ओर ये सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई हो तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामलें में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 29.8.22 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मोहर के अधीन जारी किया गया। आगामी पेशी दिनांक 3.11.22 को नियत की जाती है।

सहायक आयुक्त

प्रपत्र संख्या-7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग उदयपुर संभाग, उदयपुर
मिसल नं. 43/2022
राजस्थान लोक न्यास अधिनियम 1959 की धारा 23(2) के अधीन नोटिस।
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री लक्ष्मीकान्त जोशी पिता स्व. श्री मदन मोहन निवासी 20, एस रोड़ भूपालपुरा, उदयपुर (राज.) ने राजस्थान लोक न्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 (2) के अन्तर्गत श्री फतहबाल हनुमान जी ट्रस्ट, टेकरी, उदयपुर न्यास के संबंध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा23 की उप-धारा(2)द्वाराप्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त न्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिये, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे, इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त न्यास के सम्बन्ध में आपत्तियॉं, यदि कोई हो, प्रस्तुत करें।

ओर ये सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई हो तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामलें में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 29.8.22 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मोहर के अधीन जारी किया गया। आगामी पेशी दिनांक 3.11.22 को नियत की जाती है।

सहायक आयुक्त

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY, UDAIPUR-313039
Ph.No. (+912942471900)
Estate Office E-Tender Notice-7
NIB CODE: SUU2223A0031 UBN No: SUU2223WSOB00046 to 48 and SUU2223WSRC00049 To 50
No. EO/MLSU/E-Tender/2022-23/205 Date-30/08/2022
Bid for Miscellaneous work are invited from interested bidders upto at 5:00 P.M. on 07/09/2022. Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://www.sppp.raj.nic.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in) of the state and www.mlsu.ac.in departmental website.
EXECUTIVE ENGINEER

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
30-31, मोहन टॉवर, प्रिन्स रोड़, विद्युत नगर, अजमेर रोड़, जयपुर- 302021, फोन: 0141-2358628 ई-मेल: zo.jaipur@psb.co.in

परशिष्ट-IVक {नियम 8(6) का परन्तुक देखें} अचल सम्पतियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

प्रतिभूत हित (प्रर्वतन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस। आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहां है, जैसी है, और जो कुछ भी है" के आधार पर दिनांक 01/10/2022 को बेचा जाएगा। ऋणी, गारन्टर प्रत्याभूति-दाता, आरक्षित ज्ञात ऋण भार सहित आरक्षित मूल्य अचल व अग्रिम धनराशि का विवरण निम्न तालिका अनुसार होगा।

क्र. सं.	शाखा का नाम एवं ऋणी एवं जमानतदार का नाम	ज्ञात ऋण भार सहित अचल सम्पत्तियों का विवरण	वर्तमान बकाया राशि	आरक्षित मूल्य / अग्रिम धरोहर राशि / बोली वृद्धि राशि	ई-नीलामी की दिनांक एवं समय	नोडल, अधिकारी नाम एवं नंबर
1.	शक्ति नगर, होटल निराला रोड, उदयपुर (राजस्थान)-313001 ए) ऋणी श्रीमती जूली सेठिया और श्री पंकज सेठिया (सह-ऋणी), खाता (बी) ऋणी श्रीमती जूली सेठिया और श्री पंकज सेठिया (सह-ऋणी)	श्रीमती जूली सेठिया पत्नि श्री पंकज सेठिया, फ्लैट नं. 302, तृतीय तल, जय श्रीकृष्णा रेजीडेन्सी, उदयपुर, जिला-उदयपुर (राज.) स्थित सम्पत्ति (बैंक में उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार क्षेत्रफल 1940 वर्ग फीट) सीमाऐं: पूर्व में ओपन स्पेस, पश्चिम में ओपन स्पेस, उत्तर में ओपन स्पेस, दक्षिण में फ्लैट नं. 301, ऋण भार- ज्ञात नहीं	रूपये 54,51,488.90 दिनांक 30.07.2022 ब्याज शामिल करते हुए तथा आगे का ब्याज, लागत, शुल्क एवं अन्य खर्चे	रू. 46,47,000/- रू. 4,64,700/- अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि 30/09/2022 सांय 04.00 बजे तक है रू. 10,000/-	01/10/2022 को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक	श्री विनोद कुमार, मो. नं. 8826760923
2.	शक्ति नगर, होटल निराला रोड, उदयपुर (राजस्थान)-313001 (1) श्री अशोक सिंह उदावत पुत्र श्री अमर सिंह उदावत, (2) श्री ललित कुमार चौधरी पुत्र श्री खेमराज चौधरी	मकान नं. 86, नया नं. 10/619, पिछोली, शीतला माता मार्ग, उदयपुर, (राज.), क्षेत्रफल 519.60 वर्गफीट है जो कि श्री अशोक सिंह उदावत पुत्र श्री अमर सिंह उदावत के नाम से है।	रूपये 26,58,264.88 दिनांक 30.07.2022 ब्याज शामिल करते हुए तथा आगे का ब्याज, लागत, शुल्क एवं अन्य खर्चे	रू. 17,10,000/- रू. 1,71,000/- अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि 30/09/2022 सांय 04.00 बजे तक है रू. 10,000/-	01/10/2022 को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक	श्री विनोद कुमार, मो. नं. 8826760923
3.	शाखा 299 बी ब्लॉक 100 फीट रोड, हिरण मगरी, सैक्टर 14, उदयपुर (राज.) 313001 (1) श्रीमती अंजली देवी पगारीया पत्नी श्री विनोद कुमार यादव (2) श्री विनोद कुमार यादव	रिहायशी प्लॉट आराजी नं. 648/2, राजस्व ग्राम आसोटिया कांकरोली, राजसमंद, राजस्थान में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1560 वर्गफीट है जो कि श्रीमती अंजली देवी पगारीया पत्नी श्री विनोद कुमार यादव के नाम से है। चतुर्थसीमाएं :- उत्तर :-रोड 40 फीट, दक्षिण :-प्लॉट नं. 7, पूर्वः-प्लॉट नं. 2, पश्चिमः-रोड 15 फीट	रूपये 29,46,343.30 दिनांक 31.07.2022 तक तथा भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त	रू. 34,14,000/- रू. 3,41,400/- अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि 30/09/2022 सांय 04.00 बजे तक है रू. 10,000/-	01/10/2022 को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक	श्री शक्ति सिंह, मो. नं. 9888890390
4.	शाखा 299 बी ब्लॉक 100 फीट रोड, हिरण मगरी, सैक्टर 14, उदयपुर (राज.) 313001 (1) श्री मुकेश कुमार गर्ग पुत्र श्री चून्नी लाल गर्ग (2) श्रीमती संगीता गर्ग पत्नी श्री मुकेश कुमार गर्ग पुत्र श्री चून्नी लाल गर्ग	सम्पत्ति नं. 1:- रिहायशी मकान नं. 2/382, ब्लाक-बी आर.एच.बी. गोवर्धन विलास, उदयपुर-313801,में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 333 वर्गफीट है जो कि मुकेश कुमार गर्ग पुत्र श्री चून्नी लाल गर्ग के नाम से है। चतुर्थ सीमाएं :- उत्तर :-मकान नं. 2/383, दक्षिण :-मकान नं. 2/381, पूर्वः-रोड, पश्चिमः-आर.एच.बी.हाउस, सम्पतिनं. 2:-रिहायशी मकान नं. 2/382, ब्लाक-बी आर.एच.बी. गोवर्धन विलास, उदयपुर-313801, में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 333 वर्गफीट है जो कि मुकेश कुमार गर्ग पुत्र श्री चून्नीलाल गर्ग के नाम से है। चतुर्थ सीमाएं :-उत्तर :-मकान नं. 2/384, दक्षिण :-मकान नं. 2/382, पूर्वः-रोड, पश्चिमः-आर.एच.बी. हाउस	रूपये 25,70,595.64 दिनांक 31.07.2022 तक तथा भविष्य के ब्याज, लागत तथा खर्चे अतिरिक्त	रू. 28,00,000/- रू. 2,80,000/- अग्रिम धरोहर राशि जमा करवाने की अन्तिम तिथि 30/09/2022 सांय 04.00 बजे तक है रू. 10,000/-	01/10/2022 को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक	श्री शक्ति सिंह, मो. नं. 9888890390

नोडल अधिकारी के अनुसार कार्यालय समय में निरीक्षण किया जायेगा।
विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए पंजाब एण्ड सिंध बैंक की वेबसाईट अथवा नोडल अधिकारी से तथा बोली जमा करने व ई-बोली प्रक्रिया के प्रशिक्षण हेतु मैसर्स सी-1, इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, उद्योग विहार, फेज-2, गल्फ पेट्रोकेम बिल्डिंग नं. 301, गुड़गांव, हरियाणा-122015 श्री भाविक पान्डेय मो. नं. 08866682937, 7291981124/25/26, 0124-4302020/21/22/23/24, ईमेलः E-mail: gujarat@c1inida.com, support@bankeauctions.com पर सम्पर्क किया जा सकता है एवं वेबसाईट अर्थात् https://bankeauctions.com, http://ibapi.in पर देखें।
दिनांक: 31.08.2022 स्थान: उदयपुर
प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब एण्ड सिंध बैंक

खेल किट लेने गई कॉलेज छात्रा से बंधक बनाकर रेप

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायपुर थाना क्षेत्र से शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। एक शिक्षक ने खेल किट लेने गई कॉलेज छात्रा के साथ अपने किराये के घर में बंधक बनाकर रेप किया। उधर, कमरे में बंधक छात्रा की चीख सुनकर ग्रामीण जमा हो गये, जिन्होंने छात्रा को मुक्त करवाया लेकिन तभी मौका पाकर शिक्षक मौके से भागने में सफल रहा।

रायपुर पुलिस ने बताया कि एक 19 वर्षीय कॉलेज छात्रा ने रिपोर्ट दी कि उसका राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल में नंबर आया था। उसे खेल के लिए किट राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नाहरी के शिक्षक

- चीख सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने छात्रा को मुक्त करवाया लेकिन शिक्षक भाग गया

गंगाराम मेघवंशी से लेने के लिए कहा गया। यह शिक्षक क्षेत्र के ही एक गांव में किराये से रहता है। आरोप है कि कॉलेज छात्रा शनिवार शाम साढे 7 बजे खेल किट लेने के लिए शिक्षक के किराये के मकान पर गई, जहां शिक्षक गंगाराम मेघवंशी अकेला था।

उसने कॉलेज छात्रा को किट लेने के लिए कमरे के अंदर बुलाया। छात्रा का आरोप है कि वह जैसे ही अंदर गई, शिक्षक ने दरवाजा बंद कर लिया और उसके साथ जबरन रेप किया। शिक्षक ने कमरे के अंदर एक अन्य कमरे में इस छात्रा को रात 9 बजे तक बंधक भी बनाकर रखा। छात्रा के चिल्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उन्होंने दरवाजा खटखटाया तो शिक्षक ने इस छात्रा को कमरे के अंदर बंद कर बाहर से ताला लगा दिया।

ग्रामीणों ने उससे पूछताछ की तो उसने कहां कि अंदर कोई नहीं है। इसके बाद दुबारा चीख सुनाई दी तो ग्रामीण अंदर गये और दरवाजे पर लगा ताला खोल कर देखा तो छात्रा बंधक मिली। उधर, शिक्षक मौका पाकर वहां से भाग गया। ग्रामीण जब कमरे से बाहर आये तब तक शिक्षक वहां से जा चुका था। छात्रा को उसके घर ले जाया गया। इस दौरान छात्रा की मानसिक स्थिति खराब होने से वह रात में कुछ नहीं बता पाई। सुबह हालत में सुधार होने पर उसने आपबीती परिजनों को बताई। सूचना पर थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद शाम को पीडित छात्रा ने थाने पहुंच कर शिक्षक के खिलाफ रिपोर्ट दी। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

लापता युवती को पीड़ित परिवार से मिलाने पर चौकी प्रभारी ने मांगे 20 हजार

मध्य प्रदेश से बाबा रामदेव के दर्शन करने आया था परिवार

- परिजनों ने एसपी के समक्ष चौकी प्रभारी का मैसेज व ऑडियो रिकॉर्डिंग पेश की, एसपी ने निलंबित किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिला ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने मध्य प्रदेश से पैदल लोक देवता बाबा रामदेव के दर्शन करने जा रहे एक परिवार की लापता हुई युवती को वापस मिलाने की एवज में बीस हजार रुपए मांगने के आरोपी सेतरावा चौकी प्रभारी गोरधनराम विश्नोई को निलंबित कर दिया है। इस परिवार से कयाल ने खुद ने बात की थी। परिजनों ने एसपी के समक्ष गोरधनराम की ओर से भेजे गए मैसेज के अलावा ऑडियो रिकॉर्ड पेश की थी।

ग्रामीण एसपी अनिल कयाल की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि गोरधनराम के खिलाफ गंभीर आरोपों में विभागीय जांच अपेक्षित है। ऐसे में प्रशासकीय कारणों के आधार पर उसे सस्पेंड करना आवश्यक है। उसे तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर उसका मुख्यालय जोधपुर ग्रामीण पुलिस लाइन किया जाता है।

यात्रा संपन्न कर वापस उज्जैन पहुंच चुके व्यक्ति ने बताया कि 21 अगस्त को रामदेवरा जाने के लिए वे देचू के निकट एक भंडारे में ठहरे थे। वहां आराम कर जब रवाना होने लगे तो उनकी रिश्ते की एक बहन वहां नहीं मिली। काफी देर तक नहीं लौटने और उसे फोन लगाने व जबाव नहीं आया। पूछताछ करने पर सामने आया कि मुंह पर कपड़ा बांधे एक युवक आगे-आगे निकला। उसके पीछे उसकी बहन भी जा रही थी। उनके पास कोई वाहन नहीं था। भंडारे के लोगों के साथ वे देचू पुलिस थाना पहुंचे।

इस व्यक्ति ने बताया कि देचू पुलिस थाने के लोगों ने बहन की फोटो लेकर आगे सेतरावा पुलिस चौकी को भेजी। थोड़ी देर में सेतरावा से पुलिस का मेरे पास फोन आया कि आपकी बहन का पता लगा लिया गया है। वह एक युवक के साथ में है। पुलिस थाने से बाहर आकर मुझे बीस हजार रुपए दे दो तो मैं तुम्हारी बहन को वहां पहुंचा दूंगा। पैसे नहीं देने पर बहन को छोड़ दूंगा तो वह एक लडक़े के साथ चली जाएगी। पुलिस आरंभिक जांच में पता लगा कि चौकी प्रभारी दोषी प्रतीत होता है इस पर एसपी ने उसे सस्पेंड कर दिया।

रजिस्ट्री बाबू आठ हजार की रिश्वत लेते ट्रेप

सीकर एसीबी की टीम ने परबतसर के सूचना सहायक एवं रजिस्ट्री बाबू देवेन्द्र को ट्रेप किया।

परबतसर, (निसं)। सीकर एसीबी की टीम ने मंगलवार को परबतसर में कार्रवाई कर तहसील का सूचना सहायक एवं रजिस्ट्री बाबू देवेन्द्र को आठ हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों ट्रेप कर लिया है। आरोपी ने रिश्वत की राशि बडले वाले बालाजी मंदिर के पास ली। राशि लेते ही आरोपी को एसीबी के मौजूद होने की भनक लग गई और आरोपी रजिस्ट्री बाबू मौके से भाग छूटा। जिसे एसीबी टीम ने पीछा कर पकड़ा।

एसीबी डीएसपी जाकिर अख्तर की अगुवाई में कार्रवाई जारी

- एसीबी को देख भाग छूटा आरोपी, सीकर एसीबी टीम ने की कार्रवाई

रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित राजू ने परिवाद देकर बताया की आरोपी देवेन्द्र ने प्लाट रजिस्ट्री की जल्द रजिस्ट्री करने की एवज में 10 हजार रुपए मांगे थे ओर वह रिश्वत नहीं देने पर परेशान कर रहा था तब परिवाद का सत्यापन करवाया गया जिसमे 8 हजार में सौदा तय हुआ था।

जब जाकर सीकर एसीबी की टीम ने जाल बिछाया ओर कार्यवाई को अंजाम दिया गया ओर मंगलवार को यह राशि लेते हुए पकड़ा गया। आरोपी भनक लगते ही मौके से अपनी मोटरसाइकिल को भी छोड़ कर नौ दौ ग्यारह हुआ परंतु एसीबी की टीम ने भागते हुए के शर्ट की जेब में से रिश्वत की ली गई राशि आठ हजार रूपये बरामद कर तहसील कार्यालय ले गये। इसके बाद से क्षेत्र मे हडकंप मच गया।

अलवर में एक महिने में तीसरा व्यापारी गुमशुदा

पूर्व में दो व्यापारियों की हो चुकी है हत्या

अलवर, (निसं)। अलवर शहर में एक महीने में तीसरा व्यापारी गुमशुदा हुआ है। दो की पहले हत्या हो चुकी है। अब दारूकुटा मोहल्ला निवासी व्यापारी दिनेश जसोरिया के परिजनों ने सोमवार रात 1 बजे पुलिस को गुमशुदगी की रिपोर्ट दी है। व्यापारी का प्रिंटिंग व छपाई का बिजनेस है। इसके अलावा प्रॉपर्टी का काम भी करता है।

दिनेश जसोरिया

परिजनों ने पुलिस को रिपोर्ट दी है कि सोमवार दोपहर करीब 3 बजे से घर से बैंक जाने के लिए निकले थे, उसके बाद वापस नहीं लौटे हैं। उनकी स्कूटी रेलवे जंक्शन के सामने पार्किंग में मिली, तब पता लगा कि जम्मूतवी ट्रेन से टिकट लेकर बैठे थे लेकिन उसके बाद कोई सूचना नहीं है। उनके मोबाइल की आखिरी लोकेशन अलवर के निकट बुर्जा तक मिली, बाद में फोन नहीं लगे। अलवर जंक्शन पर करीब सवा तीन बजे के बाद व्यापारी दिनेश जसोरिया फुटेज में नजर आ रहे हैं। वे टिकट काउंटर से टिकट लेकर ट्रेन में चढे थे। लेकिन इसके बाद उनका कोई पता नहीं लगा है। उनके बेटे का कहना है कि वे कभी भी बिना बताए कहीं नहीं जाते थे। घर से बैंक जाने की कहकर गए थे। बैंक में रूटीन में थोडा बहुत काम रहता है। वैसे कोई ज्यादा परेशानी नहीं थी।

एक महीने पहले राखी कारोबारी घनश्याम सैनी का तिजारा के पास एक

- व्यापारी की स्कूटी रेलवे की पार्किंग में मिली

गांव में मर्डर कर दिया था। पुलिस ने खुलासा किया था कि 50 लाख की रंगदारी मांगने के लिए पपला गैंग से जुडे बदमाशों ने किडनैप कर हत्या की थी।

20 दिन पहले अलवर के कारोबारी मंगत अरोडा की 10 अगस्त को रेवाडी में हत्या कर दी गई। इस हत्या में रेवाडी का व्यापारी ही मुख्य हत्यारा निकाला। मंगत अरोडा की हत्या के 10 दिन बाद ही इस घटना से अलवर के व्यापारियों में रोष है। व्यापार संघ के प्रतिनिधि रमेश जुनेजा पहले ही प्रशासन से मांग कर चुके हैं कि सुरक्षा चौकस नहीं है। अब अलवर के व्यापारी डरे हुए हैं। दिनदहाडे अपहरण कर मर्डर कर दिया जाता है।

च्वाइस फिलिंग का अंतिम मौका आज

कोटा, (निसं)। देश के ख्यातनाम तकनीकी शिक्षण संस्थानों में शामिल बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बिट्स) के तीनों कैम्पस पिलानी, गोवा एवं हैदराबाद में बी-टेक कोर्स की प्रवेश प्रक्रिया जारी है। विद्यार्थी अपनी 12वीं कक्षा की समस्त जानकारी एवं च्वाइस फिलिंग 31 अगस्त तक कर सकते हैं। च्वाइस फिलिंग के उपरान्त 1 से 5 सितम्बर के मध्य विद्यार्थी अपनी भरी हुई च्वाइसेज में एडिट कर सकते हैं एवं 8 सितम्बर तक पहले राउण्ड का परिणाम घोषित किया जाएगा।

विद्यार्थी बिट्सेट काउंसलिंग प्रक्रिया में बिट्स के तीनों कैम्पस की सारी ब्रांचें मिलाकर 39 च्वाइसेज को भर सकते हैं। इस वर्ष प्रथम बार बिट्सेट परीक्षा 450 की जगह 390 अंक की हुई, ऐसे में विद्यार्थियों को वेबसाइट पर दी गई गत वर्षों की कॉलेज मिलने की कटऑफ को हुई परीक्षा के अंकों के आधार पर ही समझना चाहिए। स्टूडेंट्स को बिट्सेट च्वाइस फिलिंग में तीनों कैम्पस की ब्रांचेज को प्राथमिकता के घटते क्रम में भरना है। उन्हें च्वाइसेज को सेव करके दोबारा भरने का विकल्प नहीं दिया गया है, ऐसे में विद्यार्थियों को सर्वप्रथम बिट्सेट की अपनी प्राथमिकता सूची को पूर्णरूप से बनाकर ही वेबसाइट पर भरना चाहिए।

हरियाणा रोड़वेज बस पुलिया से नीचे गिरी, तीन की मौत

कोटपूतली/बहरोड़, (निसं)। कस्बे के दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित सोतानाला पुलिया से गुजर रही हरियाणा रोडवेज बस अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे गिर गई। जिसमें सवार तीन माह के मासूम सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई वहीं 14 जने गंभीर घायल हो गये।

सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को बहरोड़ के कैलाश पार्क अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस के अनुसार दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पनियाला के समीप सोतानाला पुलिया पर किसी वाहन को ओवरटेक करते समय असंतुलित होकर पुलिया से नीचे गिर गई। हादसे की सूचना पर डीएसपी आनंद राव व बहरोड़ थाना प्रभारा घटना स्थल पर पहुंचे। हादसा इतना भयावह था कि बस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

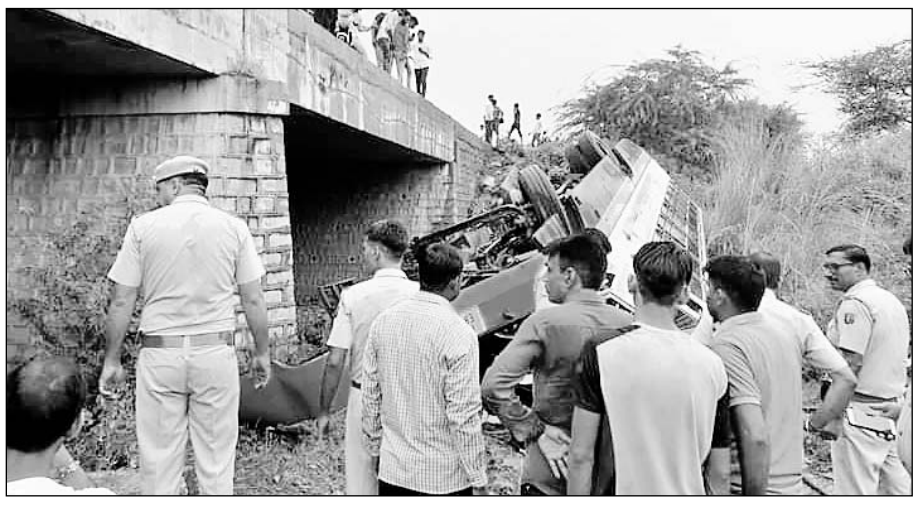

पुल के नीचे पड़ी बस व मौके पर जमा भीड़।

मृतकों की पहचान क्रमश: कोटपूतली के नारेहडा निवासी रतन सिंह तंवर (62) पुत्र मूलसिंह तंवर एवं फूली देवी (65) पत्नी सुगन चंद सैनी निवासी ढाणी उपली कोठी, कोटपूतली के रूप में हुई है। मृतकों में तीन माह का एक बच्चा मनराज पुत्र प्रवीण शर्मा निवासी ग्राम कौसली जिला रेवाड़ी भी शामिल है। जिसे उसकी मां टीना शर्मा अपने ससुराल हरियाणा के ग्राम कौसली, जिला रेवाड़ी से लेकर कोटपूतली के गौशाला रोड स्थित अपने पीहर आ रही थी।

आरोपी को सात वर्ष का कारावास

बौंली, (निसं)। पोक्सो एवं परिवार न्यायालय जिला सवाई माधोपुर में एक 7 वर्षीय नाबालिग के साथ अप्राकृतिक मैथुन करने के आरोपी नरेश चंद्र मोची निवासी बंबोरी थाना कोतवाली सवाई माधोपुर को आरोप सिद्ध हो जाने पर 7 वर्ष का कठोर कारावास व 26हजार के अर्थदंड से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक अनिल कुमार जैन ने न्यायालय को अवगत कराया कि 31 दिसंबर 2020 को 7 वर्षीय नाबालिग पुत्र के साथ पिता ने कोतवाली थाने में उपस्थित होकर मामला दर्ज कराते हुए बताया था कि 30 दिसंबर 2020 को में मजदूरी करने गया हुआ था। जब मैं शाम को 5:30 बजे वापस घर आया तो मेरी पत्नी ने बताया कि नरेश मोची अपने 7 वर्षीय पुत्र को अपने कमरे में ले गया और उसके साथ गलत हरकत कर अप्राकृतिक मैथुन किया। पुलिस ने अनुसंधान के बाद आरोपी नरेश मोची को 1 जनवरी 2021 को गिरफ्तार कर न्यायालय में चालान पेश किया। न्यायालय ने आरोपी पर लगाए आरोप दोष सिद्ध हो जाने पर दंडित किया है।

त्रासदीपूर्ण आर्थिक नीतियों के चलते रोटी भी टैक्स मुक्त नहीं है! : आर्य

झुंझनू, (निसं)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की 4 सितंबर को नई दिल्ली में प्रस्तावित महंगाई पर हल्ला बोल रैली की तैयारियों को लेकर विधायक एवं निर्वतमान जिला अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी से नियुक्त झुंझनू जिला समन्वयक एवं राजस्थान स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज डवलपमेन्ट बोर्ड उपाध्यक्ष सुचित्रा ने आर्य ने जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुआ कहा कि आज खेती की लागत दो गुणा बढा दिया है खाद, बीज, पम्पसेट, पेस्टिसाइड के मूल्यों में अप्रत्याशित बढोतरी हुई है तथा रसोई गैस सिलेंडर 406 रुपये से बढ कर 1053 रुपये का हो गया है। केंद्र की त्रासदीपूर्ण आर्थिक नीतियों के चलते रोटी भी अब टैक्स मुक्त नहीं रही है! बेरोजगारी दर 8 फीसदी से अधिक है; अग्निपथ जैसी आधारहीन योजना के चलते युवा अपने भविष्य को लेकर आशंकित है, जनमानस की आवाज उठाने वालों पर राजनैतिक प्रतिशोधपूर्वक इडी और सीबीआई की कार्यवाही हो रही है।

हल्ला बोल रैली में जिला समन्वयक सुचित्रा आर्य का स्वागत किया।

इन्ही सब बातों को मध्यनजर रखते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की 4 सितंबर को नई दिल्ली में महंगाई पर हल्ला बोल रैली का आयोजन किया जा रहा है जिसमे जिले से अधिक से अधिक संख्याबल के साथ पहुंचे। इस दौरान विधायक डॉ. जितेंद्र सिंह ने संबोधित करते हुवे कहा आमजन में कमरतोड़ महंगाई से त्राहिमाम मचा हुआ है, जनआक्रोश चरम पर है। साथ जिला प्रभारी फूलसिंह ओला ने अपने संबोधन में कहा महंगाई और बेरोजगारी के दोयम आघात ने देश को झकझोरने में कोई कसर नहीं छोडी है। विधायक जेपी चंदेलिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सम्बोधित किया। इस दौरान उपसिथत रहे प्रधान दिनेश सुंडा, पूर्व प्रधान हरपाल, नगरपालिका चैयरमेन नरेश सोनी, मंडावा नगरपालिका चैयरमैन गोकुल सैनी, एमडी चौपदार, ताराचंद सैनी, महेंद्र शर्मा, नागरमल, हरिकृष्ण यादव, शारदा ढाका, अनिता चौधरी, मुस्ताक आदि मौजूद रहें।

आरएएस का परिणाम जारी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मंगलवार को राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य परीक्षा) परीक्षा, 2021 का परिणाम जारी किया गया।

आयोग सचिव एचएल अटल ने बताया कि मुख्य परीक्षा, 2021 के परिणाम स्वरूप 2174 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए पूर्णत: अस्थायी रूप से सफल घोषित किए गए हैं। माननीय उच्च न्यायालय में याचिकाएं विचाराधीन होने के कारण 259 अभ्यर्थियों का परिणाम सीलबंद लिफाफों में रखा गया है। प्रशासनिक कारणों से 2 अभ्यर्थियों का परिणाम रोका गया है। आयोग द्वारा श्रेणीवार कट ऑफ मार्क्स भी परिणाम के साथ ही जारी किए जा चुके हैं। अटल ने कहा कि मुख्य परीक्षा का आयोजन समस्त संभागीय मुख्यालयों के 113 केंद्रों पर 20 व 21 मार्च 2022 को किया गया था। कुल 800 अंकों की परीक्षा में प्रथम दिवस सामान्य अध्ययन प्रथम व द्वितीय की परीक्षा तथा द्वितीय दिवस सामान्य अध्ययन तृतीय व चतुर्थ प्रश्न-पत्र में सामान्य हिन्दी एवं अंग्रेजी की परीक्षा आयोजित की गई थी।

आयोग द्वारा प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन प्रदेश के समस्त जिला मुख्यालय एवं उपखंड स्तर पर 27 अक्टूबर 2021 को कराया गया था।

इतिहास में पन्नाधाय का योगदान कभी नहीं भुलाया जा सकता : राजनाथ सिंह

उदयपुर, (कासं)। मंगलवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उदयपुर पहुंच कर गोवर्धन सागर स्थित पन्नाधाय पार्क में नवस्थापित पन्नाधाय, उदय सिंह और चंदन की भव्य प्रतिमाओं का अपने कर कमलों से अनावरण किया। इस मौके पर केन्द्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, विधानसभा नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर सभी ने पन्नाधाय के बलिदान और मेवाड के इतिहास में उनके योगदान को याद किया। उदयपुर संभाग के सभी छह जिलों से बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग एवं अन्य लोग पन्नाधाय की प्रतिमाओं के अनावरण के साक्षी बनने कार्यक्रम में पहुंचे।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जो भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, वे अनोखी हैं एवं उन्होंने आज तक पन्नाधाय की ऐसी प्रतिमा हिंदुस्तान में कहीं नहीं देखी। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भूमि को वीर-वीरांगनाओं ने अपने रक्त से सींचा है, यहां के इतिहास में वीरों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। सिंह ने कहा कि अगर

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पन्नाधाय, उदय सिंह और चन्दन की प्रतिमाओं का अनावरण किया।

पन्नाधाय नहीं होती तो इतिहास ही कुछ और होता। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कोने कोने से शौर्य की गाथाएं सुनने को मिलती है, चाहे हाडी रानी हो या जोधपुर में अमृता देवी विश्नोई के नेतृत्व में पेडों की रक्षार्थ विश्नोई समुदाय द्वारा दिया गया बलिदान। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कार्यक्रम में आत्मनिर्भर भारत और रक्षा क्षेत्र में हो रही प्रगति सहित विभिन्न बिन्दुओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकार ने तय किया है कि 2047 तक पौने तीन लाख करोड का रक्षा निर्यात भारत से किया जाएगा क्योंकि हम भारत को आत्मनिर्भर भारत बनाना चाहते हैं। कहा कि रक्षा खरीद का 68 फिसदी हिस्सा भारत से ही खरीदेंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेनाओं के रहते कोई भी भारत की एक इंच जमीन पर भी कब्जा नहीं कर सकता।

केन्द्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि राजस्थान की धरती को कई वीरों और वीरांगनाओं ने अपने बलिदान से सींचा है, कई वीरांगनाओं ने राजभक्ति के लिए अपने प्राणों को न्यौछावर किया है। पन्नाधाय ने राजभक्ति के लिए एवं अपने राज्य की रक्षार्थ अपने पुत्र को बलिदान कर दिया। कटारिया ने कहा कि मेवाड ने कभी गुलामी स्वीकार नहीं की एवं यहां के वीरों ने हमेशा संघर्ष का रास्ता अपनाया और अपने प्रदेश को स्वाधीन रखने में कोई कसर नहीं छोडी। कार्यक्रम के अंत में उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा ने आभार व्यक्त किया।

पन्नाधाय की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम में बांसवाडा सांसद कनकमल कटारा, चित्तौडगढ सांसद सी पी जोशी, पूर्व मंत्री मदन दिलावर, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, मावली विधायक धर्मनारायण जोशी, झाडोल विधायक बाबूलाल खराडी, गोगुन्दा विधायक प्रताप लाल भील, सलुम्बर विधायक अमृतलाल मीणा, गुर्जर समाज अध्यक्ष रामेश्वर लाल गुर्जर, महापौर जी एस टांक, उप महापौर पारस सिंघवी सहित कई वरिष्ठ जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बीसलपुर बांध से पानी की निकासी जारी

टोंक, (निसं)। बीसलपुर बांध का जलस्तर 315.50 आरएलमीटर बना रहने के साथ ही मंगलवार को दो गेट खोलकर पानी की निकासी जारी रही। बीसलपुर बांध परियोजना के अधिकारियों के अनुसार मंगलवार को बीसलपुर बांध गेट नं. 9 व 10 को खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। जिसने 9 हजार 15 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

एफ.6.(1) परीक्षा/व0अ0/2016-17/ 378 दिनांक 30-08-2022

प्रेस विज्ञप्ति

आयोग द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2016 के अन्तर्गत अपात्र पाये गये 49 अभ्यर्थियों के विरुद्ध दिनांक 29.06.2022 को 49 अभ्यर्थियों को मुख्य सूची में पूर्णत: अस्थाई रुप से प्रतिस्थापित एवं नॉन-ज्वाईनर अभ्यर्थियों के विरूद्ध आरक्षित सूची से पिकअप 133 अभ्यर्थियों में से आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध सूची में अंकित अभ्यर्थियों को पत्र प्रेषित कर एवं एस.एम.एस द्वारा सूचित कर समुचित अवसर दिये जाने के उपरांत भी विस्तृत आवेदन पत्र एवं दस्तावेज आयोग को प्रस्तुत नहीं किये गये हैं। अत: इस संबंध में अंतिम अवसर प्रदान करते हुए सूचित किया जाता है कि आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध सूची में अंकित अभ्यर्थीगण आयोग की वेबसाईट www.rpsc.rajasthan.gov.in से विस्तृत आवेदन पत्र (दो प्रतियों में) प्राप्त कर उसे पूर्ण रुप से भरकर मय समस्त शैक्षणिक योग्यता, जाति एवं वांछित प्रमाण पत्र की फोटो प्रति के विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक से 7 दिवस की समयावधि में आवश्यक रुप से व्यक्तिशत अथवा डाक द्वारा आयोग कार्यालय में जमा करावें। निर्धारित समयावधि में विस्तृत आवेदन पत्र, दस्तावेजों सहित प्रस्तुत नहीं करने वाले अभ्यर्थियों का आयोग द्वारा उक्त परीक्षा में चयन निरस्त कर दिया जाएगा। सूचनार्थ।

(एच.एल.अटल) सचिव

प्रदेश में 2021 में 6000 से ज्यादा दुष्कर्म के प्रकरण दर्ज हुए, जो पिछले वर्ष के मुकाबले कहीं अधिक हैं

आंकड़े कहते हैं कि राजस्थान दुष्कर्म के मामलों में पहले नंबर पर हैं

जयपुर,(का.प्र.)। यह खबर राजस्थान सरकार और राजस्थान पुलिस के लिए ही नहीं बल्कि हर आम आदमी के लिए भी चिंताजनक है। राजस्थान की राजधानी जयपुर जहां क्राइम कैपिटल बन रहा है, वहीं राजस्थान दुष्कर्म के मामलों में देश में पहले नंबर पर रहा है। साल 2021 में राजस्थान में दुष्कर्म के जितने प्रकरण दर्ज हुए हैं, उतने दो बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में मिलकर भी दर्ज नहीं हुए।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की ओर से साल 2021 के जारी आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में 6 हजार से ज्यादा दुष्कर्म के मामले सामने आए हैं। साल 2020 में दर्ज हुए दुष्कर्म के करीब 5000 प्रकरणों से एक हजार ज्यादा प्रकरण साल 2021 में दर्ज हुए हैं। देश भर में 2020 और 2021 में दर्द हुए दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान में सबसे अधिक बलात्कार के मामले सामने आए हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों की बात करें तो राजस्थान में 2020 में 5310 और साल 2021 में 6337 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। वहीं पड़ौसी प्रदेश मध्य प्रदेश में भी 2020 और 2021 में बलात्कार के मामलों में कुछ बढ़ोतरी हुई है। दुष्कर्म के मामलों में राजस्थान के बाद दूसरे स्थान पर रहे मध्य प्रदेश में 2020 में 2339 मामले थे,जबकि 2021 में यह आंकड़ा बढ़कर 2947 हो गया। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और असम ऐसे पांच राज्य हैं, जहां बलात्कार के सबसे अधिक मामले पिछले 2 साल में दर्ज हुए है।

- **लेकिन सरकार का कहना है कि इस साल जनवरी से जून तक रेप और छेड़छाड़ के दर्ज केस में 48 प्रतिशत केस झूठे पाए गए हैं**
- **राजधानी जयपुर में भी हर तरह के क्राइम में बढ़ोतरी**

एनसीआरबी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक साल 2021 में राजस्थान से 6,337 बलात्कार के मामले महिला सुरक्षा के मामले में चिंताजनक स्थिति दर्शा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में 2021 में 2,845 बलात्कार के मामले दर्ज हुए और वह पूरे देश में तीसरे और 2,496 मामलों के साथ महाराष्ट्र चौथे स्थान पर हैं। असम पांचवां राज्य है जहां 1,733 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। देश की राजधानी दिल्ली में वर्ष 2021 में बलात्कार के 1,250 केस दर्ज किए गए हैं।

राज्य सरकार के अनुसार यहां सरकार ने फ्री एफआईआर रजिस्ट्रेशन की पॉलिसी बना रखी है। जिसके तहत शिकायत लेकर थाने आने वाले हर परिवादी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की जाती है। राजस्थान में अगर पुलिस थाने पर परिवादी की एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है तो परिवादी एसपी कार्यालय में केस दर्ज करा सकते हैं। ये प्रक्रिया कॉन्ग्रेस सरकार के वर्तमान कार्यकाल में शुरु की गई है। हर केस दर्ज होने की पॉलिसी के कारण ही प्रदेश में दो साल में दर्ज होने वाले अपराध पिछले सालों की तुलना में कहीं ज्यादा बढ़ गए हैं। हाल ही में राजस्थान पुलिस ने रिकॉर्ड जारी किए हैं कि इस साल जनवरी से जून तक रेप और छेड़छाड़ के जो केस दर्ज कराए गए हैं, उनमें 48 प्रतिशत केस झूठे पाए गए हैं।

एनसीआरबी की ओर से जारी किए गए वर्ष 2021 के अपराधिक आंकड़ों के अनुसार जयपुर को क्राइम कैपिटल कहा जा सकता है। जयपुर में ना सिर्फ दुष्कर्म, महिला उत्पीडन, वाहन चोरी, बल्कि सभी तरह के अपराधों में वृद्धि हुई है। एनसीआरबी की ओर से जारी किए गए वर्ष 2021 के अपराधिक आंकड़े ना केवल जयपुर शहर के लिए चिंता का एक बड़ा विषय है, बल्कि पुलिस के लिए एक बड़ी चेतावनी भी है।

एनसीआरबी की ओर से जारी किए गए वर्ष 2021 के आपराधिक आंकड़ों पर नजर डालें तो दुष्कर्म के मामले में मेट्रोपोलिटन शहरों में दिल्ली के बाद जयपुर पूरे देश में दूसरे नंबर पर है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वर्ष 2021 में 1232 महिलाएं दुष्कर्म का शिकार हुई। दिल्ली में दुष्कर्म की क्राइम रेट 1.62 की गई. इसके बाद दूसरे नंबर पर राजस्थान की राजधानी जयपुर का नंबर आता है. जहां वर्ष 2021 में 503 महिलाएं दुष्कर्म का शिकार हुई। मुंबई शहर में 2021 में 366 महिलाएं दुष्कर्म का शिकार हुई और दुष्कर्म की क्राइम रेट 4.3 रही। महिला उत्पीड़न की करें तो पहले नंबर पर देश की राजधानी दिल्ली है। 2021 में दिल्ली में 1051 महिलाएं महिला उत्पीड़न का शिकार हुई और महिला उत्पीड़न की क्राइम रेट 13.5 रही। इसी प्रकार से दूसरे नंबर पर मुंबई शहर का नाम आता है, जहां 2021 में 646 महिलाएं महिला उत्पीडन का शिकार हुई और महिला उत्पीड़न की क्राइम रेट 7.6 रही। तीसरे नंबर पर राजस्थान की राजधानी जयपुर है, जहां 2021 में 492 महिलाएं महिला उत्पीड़न का शिकार हुई।

'घड़साना आत्महत्या मामले में निष्पक्ष जांच कराएं'

घड़साना में वकील के आत्महत्या मामले में जयपुर के सैशन कोर्ट में वकीलों ने न्यायिक कार्य स्थगित रखा।

जयपुर। राज्य मानवाधिकार आयोग ने श्रीगंगानगर के घड़साना बार संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय सिंह के पुलिस प्रताड़ना के चलते आत्महत्या करने के मामले में बीकानेर रेंज आईजी को कहा है कि वे मामले में उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच करवाकर नौ सितंबर को रिपोर्ट पेश करें। आयोग ने यह आदेश प्रकरण में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए।

आयोग ने कहा कि अखबारों से पता चला कि मृतक की पत्नी ने पुलिसकर्मियों पर पति के साथ मारपीट व आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। वहीं एसएचओ मदनलाल विश्नोई व एसआई कल्पना देवी, एएसआई कमल मीणा सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले में आरोप है कि विजय सिंह के 31 मार्च से नशे पर अंकुश लगाने के जनजागृति अभियान से पुलिस उनसे रंजिश रखने लगी और 18 अप्रैल को पुलिस ने विजय सिंह को थाने लाकर बेरहमी से पीटा।इसके बाद केस दर्ज होने पर पुलिस उन पर समझौते का दबाव बना कर प्रताड़ित कर रही थी। पूर्व बार अध्यक्ष के पुलिस प्रताड़ना से खुदकुशी के मामले में हाईकोर्ट सहित निचली अदालतों में वकीलों ने न्यायिक कार्य स्थगित रखा और केसों में पैरवी नहीं की।

स्वायत्त शासन मुख्यालय पर मंगलवार को सैंकड़ों सफाई कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर हंगामा किया। हाथों में झाड़ू लिए सफाई कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद जब कर्मचारियों ने मुख्य दफ्तर में घुसने की कोशिश की, तो उनकी पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। इसके बाद कर्मचारी वहीं धरने पर बैठ गए।

राजस्थान नशा माफ़ियाओं की गिरफ़्त में है और सरकार मूकदर्शक बनी है : डॉ.पूनिया

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों में राजस्थान को दुष्कर्म के मामलों में ट्विटर पर सरकार पर बार करते हुए कहा कि राजस्थान की अनेक चुनौतियों में से एक है। युवाओं के बीच नशे की प्रवृत्ति और इसका कारोबार। यह पंजाब से लेकर राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र तक एक कोरिडोर के रूप में फैल गया, इसी के विरूद्ध जन जागरण और संघर्ष के कारण घड़साना के वकील विजय झोरड़ को आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया।

भाजपा श्रीगंगानगर इकाई और स्थानीय विधायक पीड़ित अधिवक्ता के परिवार को न्याय दिलाने के लिए आंदोलनरत है, लेकिन यह घटना राज्य की क़ानून व्यवस्था की पोल खोलती है कि किस तरह से राजस्थान अपराधियों और नशा माफ़ियाओं की गिरफ़्त में है, और गहलोत सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों में राजस्थान को दुष्कर्म के मामलों में नंबर एक राज्य बताने पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गहलोत सरकार पर जोरदार हमला बोला। शेखावत ने कहा कि राजस्थान का राज इस समय नक्कालों के हाथ है। ये नहीं बदलेंगे, हमें इन्हें बदलना होगा। मंगलवार को अपने बयान में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि राजस्थान को दुष्कर्म के मामलों में नंबर एक देखकर सरकार को शर्म नहीं आती, पर हम असली राजस्थानियों को क्षोभ होता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वो नकली राजस्थानी ही होगा, जिसका दिल बहन-बेटियों के मान पर हमले देख प्रतिकार को चीखता नहीं होगा।

- **राजस्थान का राज नक्कालों के हाथ, ये नहीं बदलेंगे, हमें इन्हें बदलना होगा : शेखावत**
- **राजस्थान बलात्कार के मामले में एक बार फिर से देश में सिरमौर बन गया : राठौड़**

वही उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने ट्वीट कर कहा कि राजस्थान बलात्कार के मामले में एक बार फिर से देश में सिरमौर बन गया है। एनसीआरबी द्वारा जारी आंकडों के अनुसार राजस्थान महिला हिंसा और अत्याचार के मामलों में देश में पहले नंबर पर है। साल 2021 में प्रदेश में महिला बलात्कार के 6337 मामले दर्ज हुए, जो देश में सर्वाधिक है। राठौड़ ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बलात्कार के इतने अधिक केस देश के तीन बड़े राज्यों में मिलाकर भी दर्ज नहीं हुए हैं,जितने अकेले राजस्थान में हुए हैं। प्रदेश में वर्ष 2021 में कुल 6337 बलात्कार के मामले सामने आए हैं,जो साल 2020 में बलात्कार के दर्ज 5310 मामलों के मुकाबले 1027 ज्यादा हैं। कांग्रेस सरकार के राज में आज राजस्थान महिलाओं व बेटियों के लिए सबसे असुरक्षित प्रदेश बन गया है। इसी का परिणाम है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार वर्ष 2020 और वर्ष 2021 में राजस्थान में देश में सबसे अधिक बलात्कार के मामले सामने आए हैं।

आमिर खान, तापसी पन्नू, करीना कपूर को नोटिस

जयपुर, (का.सं.)। राज्य आयुक्त उमाशंकर शर्मा आयुक्तालय विशेष योग्यजन राजस्थान ने आमिर खान, तापसी पन्नू, करीना कपूर खान, निदेशक, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड व अन्य लोगों को नोटिस जारी किया है।

उन्होंने बताया कि विशेष योग्यजन सेवी सत्येंद्र सिंह राठौड़ ने अपने अधिवक्ता दयानंद शर्मा, राहुल शर्मा व देवकृष्ण पुरोहित के जरिए भेजी शिकायत में उल्लेख किया है कि हाल में रिलीज हुई फिल्में लाल सिंह चड्ढा और शाबाश मिट्ठू विशेष योग्यजनों का अपमान करती हैं और इस बारे में फिल्म निर्माता/निदेशकों द्वारा ऑडिशन में कोई ध्यान नहीं दिया गया एवं केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने भी बिना ध्यान दिए सर्टिफिकेट जारी कर दिए।

शर्मा ने बताया कि दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 के अनुसार विशेष योगजनों के अधिकारों का सीधे तौर पर हनन है। शिकायत प्राप्त होने पर नोटिस जारी करते हुए फिल्म से जुड़े तमाम अभिनेता अभिनेत्री निर्देशकों एवं अन्य जिम्मेदार लोगों से स्पष्टीकरण मांगा है।

अभी भी वक्त है गहलोत जी संभल जाइए : डॉ.पूनिया

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया ने फेसबुक-ट्विटर पर प्रदेशवासियों के साथ लाइव संवाद में कहा कि आपसे रूबरू हुआ हूं सामान्य तौर पर एक ऐसे मुद्दे और मसले को लेकर जिसने केवल एक सियासी तौर पर नहीं, बल्कि आम आदमी की तरह मन को उद्वेलित किया है।

उन्होंने कहा कि जादूगर जो गुजरात में जाकर राजस्थान मॉडल की बात करते हैं, कौन सा मॉडल, 2018 में राजस्थान विधानसभा चुनाव होता है, कांग्रेस का घोषणा पत्र जारी होता है, उसमें एक भरोसा दिलाया जाता है, वादा किया जाता है, विश्वास दिलाया जाता है कि, जन सुरक्षा देंगे, महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान देंगे, उनकी सुरक्षा का हम पूरा ख्याल रखेंगे, पुलिस को आधुनिक बनाएंगे, संसाधनों से लैस करेंगे। जन घोषणापत्र की कितनी बातें थोथी हैं, कितनी कागज से धरातल पर उतरी हैं, मैं उन पर नहीं जाता।

पूनिया ने कहा कि जन सुरक्षा का भरोसा देने वाली वही अशोक गहलोत सरकार जन घोषणा पत्र में यह वादा करती है, लेकिन इस सरकार के शासन के 1351 दिनों में 7 लाख 97 हजार 643 मुकदमे यह अपने आपमें इस बात की बानगी है। यह मुकदमे मुख्यमंत्री की नजर में 47 फीसदी फेक हैं, जो मुकदमे दर्ज होते हैं उनका लॉजिक दिया जाता है कि हमने फ्री कर दी है, आप जाइए एसपी के यहां रजिस्टर्ड कीजिए, वो एफआईआर के रूप में तब्दील हो जाएगी। आज हम शर्मसार हैं ऐसी सरकार की सरपरस्ती में जहां नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो इस बात को प्रमाणित करता है आंकड़ों के जरिए, जहां 6337 दुष्कर्म के आंकड़े हैं, 17 दुष्कर्म प्रतिदिन, क्या राजस्थान शर्मसार नहीं होगा?

- **भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने फेसबुक-ट्विटर पर प्रदेशवासियों के साथ लाइव संवाद में कहा, ''सियासत में बेशक आप जादूगर हैं, लेकिन कम से कम ऐसा काला जादू राजस्थान की सुरक्षा पर तो मत कीजिए, उन माताओं, बहनों, बेटियों, बच्चियों और बच्चों पर तो मत करिए''**

अभी भी वक्त है गहलोत जी संभल जाइए, संभालिए, सियासत में बेशक आप जादूगर हैं, लेकिन कम से कम ऐसा काला जादू राजस्थान की सुरक्षा पर तो मत कीजिए उन माताओं, बहनों, बेटियों और बच्चियों और बच्चों पर तो मत करिए। उन्होंने कहा कि जो चिंता मुझे सबसे ज्यादा है, एक जिम्मेदार राजनीतिक दल के रूप में पंजाब से लेकर और बाड़मेर तक एक कॉरिडोर है नौजवानों को नशे की गिरफ्त में लेना, नशे का इतना बड़ा कारोबार जिसमें कल घढ़साना में एक वकील को आत्महत्या पर मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उसने नशे के खिलाफ एक मुहिम चलाई थी। उस मुहिम में उस वकील पर पुलिस प्रशासन का इतना दबाव था कि उनको आखिरकार आत्महत्या करनी पड़ी। कांग्रेस सरकार की किसान कर्जमाफी के वादे के कारण ना जाने कितने किसान अवसाद में चले गए।

नेपाली समाज ने मनाया हरितालिका तीज उत्सव

जयपुर। नेपाली महिलाओं ने मूल प्रवाह अखिल भारत नेपाली एकता समाज नगर समिति जयपुर उत्तर व दक्षिण के बैनर तले हरितालिका तीज मनाई गई। हरितालिका तीज को नेपाल में महिलाओं का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह त्यौहार कृष्ण जन्माष्टमी के 11वें दिन मनाया जाता है। इस दिन नेपाल में महिलाओं की तरफ से भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाता है। कोरोना के चलते पीछले दो सालों से इस तरह के आयोजन नहीं कर पाए थे। अत: अब स्थिति सामान्य होने के उसी परम्परा को कायम रखते हुए इस साल जयपुर में नेपाली महिलाओं ने भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा विदेश में रहकर भी अपने देश की संस्कृति को जीवित रखने का संदेश दिया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाईड भवन, रामनिवास बाग, जयपुर में सम्पन्न हुए उक्त कार्यक्रम में पूरे जयपुर से हजारों की संख्या में नेपाली महिलाएं एकत्रित हुई थी। कार्यक्रम के माध्यम से अपनी कला और संस्कृति का सरक्षण, समाज में व्याप्त कुरीतियों का अन्त्य, देशभक्ति की भावना का विकास व नेपाली समाज को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने का आहवान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मूल प्रवाह अखिल भारत नेपाली एकता समाज के मोहन गिरी थे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बताया कि आज के दिन भारत के करीब 300-350 स्थानों पर मूल प्रवाह अखिल भारत नेपाली एकता समाज के बैनर तले यह हरितातिलाका तीज मनाई जा रही है। मोहन गिरी के अनुसार भारत में रह रहे नेपाली समुदाय की विभिन्न समस्याओं को समाधान के लिए यह संगठन 42 सालों से क्रियाशील है। 1950 की सन्धि के प्रावधानों तहत नेपाल के नागरिक भारत में और भारत के नागरिक नेपाल में जाकर बिना किसी रोकटोक के अपनी नौकरी पेशा, व्यापार व्यवसाय आदि कर सकते हैं। लेकिन भारत में रह रहे नेपाली नागरिक उक्त संधि द्वारा दी गई सुविधा व अधिकारों से वंचित है। यह 1950 के समझौते का उल्लंघन है। नेपाल व भारत की सरकारें भारत में रह रहे नेपाली नागरिकों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। हमारी मांग है कि 1950 की सन्धि के प्रावधानों को लागू करे। कार्यक्रम के अवसर पर उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण होने नेपाली विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया।

आंजना ने खिलाड़ीलाल के बयान को पार्टी के खिलाफ बताया

जयपुर, (का.प्र.)। राज्य एससी आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ीलाल बैरवा के सोमवार को सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने और अशोक गहलोत को दिल्ली भेजने के बयान का विरोध करते हुए सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने खिलाड़ीलाल बैरवा के बयान को पार्टी के खिलाफ बताया है। इसी तरह से सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री टीकाराम जुली ने भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लेकर कहा कि पार्टी और दलित हित में काम करने में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी है।

खिलाड़ी लाल बैरवा की ओर से दिए गए बयान को लेकर पूछे जाने पर सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि खिलाड़ीलाल की कोई मंशा रही होगी। उनके मन में कोई बात थी तो पार्टी प्लेटफॉर्म पर बात कहनी चाहिए थी न कि सार्वजनिक रूप से इस तरह प्रचार करना चाहिए था। इसकी जगह उन्होंने लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास किया जो पार्टी हित में नहीं है। उन्हें पायलट और गहलोत से बात करनी चाहिए थी। सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मिलने का वक्त मांगते और उन्हें बात कह सकते थे। वहीं दूसरी ओर टीकाराम जूली ने कहा कि सोनिया गांधी ने पार्टी को लौटाने की बात कही है, तो उसके मायने दूसरे हैं, लौटाने का मतलब यह नहीं है कि हम इस्तीफा देकर घर बैठ जाएं। लौटाने का मतलब यह है कि हम पार्टी को कैसे मजबूत करें? मैं मंत्री के नाते काम कहूं तो जिस पार्टी की बदौलत बना हूं ,उस पार्टी को क्या दे रहा हूं, यह अहम है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पार्टी कोमजूबत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सीएम ने एक से बढ़कर एक योजनाएं और कार्यक्रम दिए हैं। जुली ने खिलाड़ीलाल बैरवा के बयान को लेकर कहा कि इस मुद्दे से दलित समाज का कोई सरोकार नहीं है। मुख्यमंत्री गहलोत ने पहली चार दलित मंत्री बनाए हैं।

- **सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा, ''खिलाड़ीलाल के मन में कोई बात थी तो पार्टी प्लेटफॉर्म पर कहते, उन्होंने लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास किया जो पार्टी हित में नहीं**

पहली बार दलित वर्ग का मुख्य सचिव बनाया। कानून बनाकर एससी-एसटी की योजनाओं का जनसंख्या के हिसाब से फायदा पहुंचाने का प्रावधान किया। गहलोत ने एससी समाज के लिए कहीं कमी नहीं छोड़ी है। इससे पहले भी बीजेपी की सरकारें रही हैं, बीजेपी सरकारों ने कितने दलित मंत्री बनाए, दलित वर्ग के लिए कितना काम किया। जितना गहलोत सरकार ने दलित वर्ग के लिए काम किया उतना किसी सरकार ने नहीं किया।

आप पार्टी ने की केंद्र सरकार के पांच घोटालों की जांच की मांग

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर में आप नेता देवेंद्र शास्त्री ने प्रेस वार्ता में कहा कि केंद्र में बैठी भाजपा सरकार देश में हर एक चीज महंगी कर के जनता की गाढ़ी मेहनत की कमाई को चूस रही है और जनता से वसूली गई उस मोटी रकम से बड़े पैमाने पर विधायक खरीदने व अपने अरबपति दोस्तों के कर्ज माफ करने का काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा अब तक महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, असम, मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में सरकारें गिरा चुकी है। राजस्थान में भी सरकार गिराने का ऑपेराशन लोटस चलाया गया था लेकिन वो सफल नहीं हुआ।भाजपा अबतक देशभर में कुल 277 विधायक खरीद चुकी है। अगर इन बिके हुए सभी विधायकों को 20-20 करोड़ रुपए भी दिए गए तो अब तक भाजपा 5500 करोड़ विधायक खरीद में लगा चुकी है।

शास्त्री ने पांच घोटाले गिनाते हुए केंद्र सरकार से इनकी सीबीआई और ईडी से जांच कराने की मांग की है।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या कम हुई, पर मौतों का सिलसिला अभी जारी

राज्य में मंगलवार को 244 नए संक्रमित मिले, वहीं इस बीमारी से जयपुर और दौसा में दो लोगों की मौत हुई है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण के मामलों में भले ही गिरावट आ रही है, लेकिन इससे होने वाली मौतों को सिलसिला जारी है। राज्य में मंगलवार को जहां 244 नए संक्रमित मिले हैं, वहीं दो लोगों की मौत हुई है। हालांकि इस बीच राहत की बात यह रही कि नए संक्रमितों की तुलाना में दोगुना मरीज ठीक हुए हैं।

प्रदेश में मंगलवार को 24 जिलों में 244 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले 218 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में नए संक्रमितों की संख्या में और गिरावट आई है। इस दौरान जिले में केवल 47 ही नए मरीज मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 32, जोधपुर में 18, दौसा में 16, भीलवाड़ा में 15, चित्तौड़गढ़ व डूंगरपुर में 12-12, प्रतापगढ़ में 11, भरतपुर में 8, अजमेर, झालावाड़, नागौर, सीकर व उदयपुर में 7-7, बूंदी में 6, बीकानेर, राजसमंद व सवाई माधोपुर में 5-5, जालौर, हनुमानगढ़ व धौलपुर 4-4, गंगानगर में 3, बाड़मेर और कोटा में एक-एक नया संक्रमित मिला है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में जांच के लिए 19 हजार 79 सैम्पल लिए गए हैं।

- **राजधानी जयपुर में पिछले चौबीस घंटों में और गिरावट के बाद केवल 47 नए संक्रमित मिले हैं।**

प्रदेश में मंगलवार को 494 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 2767 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में भी आज 195 मरीजों के स्वस्थ होने से 876 एक्टिव केस बचे हैं। इसके अलावा अलवर में 232, भरतपुर में 222, जोधपुर में 200, अजमेर में 107 और दौसा में 103 मामले मौजूद हैं।

प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से जयपुर और दौसा में 1-1 संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9627 संक्रमितों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में मंगलवार को सबसे ज्यादा 7 नए संक्रमित झोटवाड़ा में मिले हैं। वहीं सांगानेर में 5, हरमाड़ा में 4, वैशाली नगर में 3, ब्रह्मपुरी, चांदपोल व खातीपुरा में 2-2 तथा अजमेर रोड, आमेर रोड, बरकत नगर, बस्सी, चाकसू, गोपालपुरा, जवाहर नगर, कोटपूतली, मालवीय नगर, मानसरोवर, मुरलीपुरा, पुरानी बस्ती, रेलवे स्टेशन, सिरसी रोड और सोड़ाला में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं 5 संक्रमितों का पता गलत मिला है।

राजस्थान देश में दसवें नम्बर पर

जयपुर। देश में करोना के मामलों में राजस्थान दसवें नंबर पर है। राज्य में इस महीने कुल संक्रमितों की संख्या तेरह लाख के पार हो गई है। पिछले सवा दो साल में तेरह लाख आठ हजार दो सौ अठासी मामले मिल चुके हैं। वहीं जबकि 9 हजार 627 मरीजों की मौत हो चुकी है। राजस्थान के अलावा 13 लाख से ज्यादा केस वाली सूची में सबसे ऊपर महाराष्ट्र है। इसके बाद केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, वेस्ट बंगाल, दिल्ली और उड़ीसा हैं।

राजस्थान में करोना के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगे है। अगस्त में अब तक राज्य में 14 हजार से ज्यादा संक्रमित मिल चुके हैं।

अहीर समाज ने परिचय सम्मेलन किया

मानसरोवर के राजा पैराडाइज़ गार्डन में अहिर समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक गोठ का आयोजन किया गया।

जयपुर, (का.सं.)। जिला अहीर सभा के तत्वावधान में मानसरोवर स्थित राजा पैराडाइज़ गार्डन में विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक गोठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने आराध्य देव भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की। सम्मेलन में 109 युवक एवं 40 बालिकाओं के बायोडाटा आए। इसमें कई युवक-युवतियों ने मंच से परिचय दिया। वही कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने समाज को एकजुट होकर सामाजिक कुरीतियों को दूर करने एवं शिक्षा रोजगार को बढ़ावा देने की बात कही, इस दौरान उपस्थित समाज के सभी लोगो ने शहीद मेजर संकल्प यादव को श्रद्धांजलि देते हुए उनके माता-पिता का शॉल ओढ़ा कर सम्मान किया गया व आये हुए अतिथियों एवं भामाशाह का जयपुर अहीर सभा के पदाधिकारियों ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। कार्यक्रम में समाज के हजारों लोगों ने शिरकत कर प्रसादी ग्रहण की।

सार-समाचार

भंडार की शेष राशि की गिनती

मंडफिया, (निसं)। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में गत 26 अगस्त चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरुलाल गुर्जर की उपस्थिति में हुई। मंदिर बोर्ड अध्यक्ष गुर्जर ने बताया कि सोमवार को तीसरे चरण में हुई गिनती में 80 लाख 20 हजार 500 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व दो चरणों में हुई गिनती में 5 करोड 20 लाख 26 हजार 500 रुपए प्राप्त हुए थे। अध्यक्ष गुर्जर ने बताया तीनों चरणों को मिलाकर कुल 6 करोड 47 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए। अध्यक्ष गुर्जर ने बताया कि अभी छोटे बड़े नोटों एवं रेजगारी की गणना एवं सोने - चांदी का तोल होना शेष है। भंडार गिनती के समय मंदिर बोर्ड सदस्य भैरू लाल सोनी, अशोक कुमार शर्मा, संजय कुमार मंडोवरा प्रशासनिक अधिकारी कैलाश चंद्र दाधीच, केशियर नंदकिशोर टेलर, कार्मिक प्रभारी लेहरी लाल गाडरी, अशोक तिवारी, गजेंद्र गौड़, कांठोस युवा नेता सुरेश चंद्र गुर्जर, मंदिर के सहायक कर्मी राजमल बारेठ सहित बैंक स्टाफ एवं मंदिर कर्मचारी उपस्थित थे।

श्मशान जाने के लिए रास्ता नहीं

भीम, (निसं)।भीम उपखंड के कुकड़ा ठाम पंचायत के अंतर्गत खेड़ा निवासी दुर्गादेवी पति उमसिंह की लंबी बीमारी के चलते मौत हो गई। दुर्गादेवी का शव को मुख्य सड़क से श्मशान घाट तक के जाने के लिए पगडंडी रास्ते से होते हुए कड़ी मशक्कत के बाद मुख्य सड़क तक पहुंचना पड़ा ऐसे में ग्राम पंचायत कुकड़ा के सरपंच पर भी सवाल खड़े होते हैं कि दो बार सरपंच बनने के बाद भी रास्ता नही बना सके। ग्रामीणों का कहना है कि खेड़ा में किसी की भी मौत हो जाती हैं तो श्मशान जाने के लिए रास्ता तक नहीं है।मंगलवार को सैकड़ों लोग अंतिम संस्कार में शामिल हुए लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पंचायत समिति सदस्य अनीता देवी , उमरावसिंह रावत आदि ने बताया कि गांव के लोग ने पूर्व में ठाम पंचायत को रास्ते के लिए प्रस्ताव भेजा हुआ अंतिम यात्रा में पगडंडी रास्ते में कंटीली झाड़ियों एंव घांस-फूस के बीच में होते हुए श्मशान घाट तक पहुंचे अंतिम यात्रा में शामिल हुए लोगों अपना बचाव करते हुए और डर सताते हुए कि कहीं सांप काट ना दे उसके बाद दुर्गादेवी का अंतिम संस्कार किया।

तेजाजी मेले को लेकर तैयारियां शुरू

भीम, (कासं)। कस्बे के पाटिया स्थित लोक देवता वीर तेजाजी महाराज मेले को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। सरपंच यशोदा कवंर, पूर्व सरपंच अमरसिंह ठाम विकास अधिकारी महेंद्र कुमार भांवरिया, धीरसिंह मीणा आज दिन शुक्रवार को मेला ग्राउंड में व्यवस्थाओं को लेकर निरीक्षण किया। ग्राम विकास अधिकारी महेंद्र कुमार भांवरिया ने बताया कि वीर तेजाजी महाराज मेला जागरण 31 अगस्त को रात्रि में विशाल भजन संध्या एवं रात्रि जागरण तथा 1 सितंबर को मेले का आयोजन किया जाएगा। पूर्व सरपंच अमर सिंह ने बताया कि मेले का उद्घाटन 31 अगस्त शाम को सुदर्शनसिंह रावत के सानिध्य में किया जाएगा।मेले में ब्रेक डांस झूला ,बड़ी नाव, आकाशीय झूला, डॉलर चकरी, मौत का कुआं ,ट्रेन सफारी, मनिहारी सामान की दुकाने, मिठाई चाट पकौड़ी आइसक्रीम, आदि की दुकानें लगना प्रारंभ हो गई है।मेला आयोजन को लेकर दुकानदारों एवं मेलार्थियो के लिए पेयजल, बिजली सड़क मार्ग तथा दुकानदारों को दुकानों लगाने हेतु भूखंड उपलब्ध कराने को लेकर विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया है । सरपंच यशोदा कंवर ने बताया कि वीर तेजाजी तीन दिवसीय मेला पाटिया ठाउंड भीम मे विशाल रात्रि जागरण एवं भजन संध्या 31-082022 बुधवार को तथा मेला आयोजन 01-09-2022 से 02-09-2022तक होगा। मेला आयोजन ग्राम पंचायत भीम के सानिध्य में होगा। ब्लॉक कांठोस कमेटी अध्यक्ष पूर्व सरपंच अमरसिंह ने बताया कि मेले का उद्घाटन 31 अगस्त शाम को 6:00 बजे विधायक सुदर्शनसिंह रावत के मुख्य अतिथि तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता भीम सरपंच यशोदा कंवर विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य तारा देवी एवं सरपंच संघ ब्लॉक भीम अध्यक्ष विशंभर कृष्ण सिंह आदि के सानिध्य में होगा।

तहसील अध्यक्ष बने मेनारिया

कानोड़, (निसं)। विप्र फाउंडेशन जोन ए के प्रदेश अध्यक्ष केके शर्मा के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष केशव व्यास व महासचिव प्रेम शंकर रामावत देहात पूर्वी तहसील कानोड के लिए लोकेश मेनारिया (खेताखेड़ा) को अध्यक्ष मनोनीत किया है। साथ ही महासचिव के लिए मुकेश व्यास ब्रह्मपुरी (कानोड) व चंद्रशेखर श्रीमाली (नई बावड़ी कानोड़) की घोषणा की गई है। कार्यकारिणी घोषणा करने के साथ ही विप्र फाउंडेशन द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं को समाज के उत्थान के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार कर लाभान्वित करने का प्रयास करने का संकल्प किया गया। विप्र समाज को जोड़कर मजबूती देने का सहयोग कार्यकारिणी द्वारा किया जाएगा। साथ ही नवनियुक्त पदाधिकारी द्वारा जल्द ही तहसील की कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

प्राध्यापक निलंबित

भीम, (निसं)। कस्बे के राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय भीम के एक प्राध्यापक जीवनसिंह द्वारा छात्रा से अश्लील वार्ता का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के मामले में शिक्षा विभाग ने प्राध्यापक जीवनसिंह को निलंबित किया है। मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भीम के जीवनसिंह प्राध्यापक जीव विज्ञान के द्वारा स्कूली छात्रा से सरकारी छात्रावास में शराब पीकर अश्लील हरकतें की है। फोन पर की गई वार्ता का ऑडियो पूरे भीम ब्लॉक एवं सोशल मीडिया पर वायरल होने से आमजन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों में आक्रोश व्याप्त है। बताया कि मामले को गंभीरता से देखते हुए है। राजस्थान सेवा अधिनियम1958 नियम 13 के तहत तत्काल रुप से निलंबित किया जाकर निलंबन काल के दौरान मुख्यालय निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर किया गया।

50 लाख की शराब पकड़ी

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाडा थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ बडी कार्रवाई की है। पुलिस ने प्लास्टिक कट्टों में छुपाकर तस्करी हो रही 50 लाख की अंग्रेजी शराब पकड़ी है। आरोपी अवैध शराब की गुजरात तस्करी कर रहे थे। कार्रवाई के दौरान शराब तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। फिलहाल पुलिस की टीम तस्कर की तलाश कर रही है। थानाधिकारी रणजीत सिंह ने बताया कि मुखबीर द्वारा सूचना मिली की एक ट्रक से अवैध शराब की तस्करी हो रही है। इस पर पुलिस टीम ने राजस्थान-गुजरात के रतनपुर बॉर्डर पर नाकाबंदी कर वाहनों को तलाशी ली। इस दौरान एक ट्रक उदयपुर की ओर से आया। जिसे टीम ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को ट्रक का चालक उतरकर भाग गया। पुलिस ने ट्रक का तिरपाल हटाकर देखा तो प्लास्टिक कट्टों के अंदर पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब की पेटियां भरी थी। पुलिस ने ट्रक को जब्त करते हुए चौकी में खडा करवाया है। शराब की पेटियों को ट्रक से उतारकर गिनती की गई तो उसमें 575 कार्टन बरामद हुए। थानाधिकारी ने बताया कि पकडी शराब की कीमत करीब 5० लाख रूपये आंकी गई है।

उपखंड स्तरीय बैठक आयोजित

देवगढ़, (कासं)। उपखंड क्षेत्र में गोवंश में तीव्रगति से फेल रही लम्पि वायरस नामक महामारी को लेकर महाराणा प्रताप सभागार में उपखंड अधिकारी चंद्रप्रकाश वर्मा,तहसीलदार मुकंद सिंह,विकासअधिकारी दौलतराम,नगर पालिका अध्यक्ष शोभालाल रैगर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।बैठक के दौरान उपखंड अधिकारी वर्मा ने कहा कि गोवंश में फेल रही लम्पि वायरस के बचाव एवं रोकथाम को लेकर क्षेत्र में स्थापित गोशाला प्रतिनिधि,ठाम पंचायत सरपंच एवं प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक आयोजित की गई।

गौरव पथ पर खड्डे व उड़ती धूल से लोग हो रहे परेशान

कानोड़, (निसं)। नगर के होमाखारी से पुलिस थाने के आगे तक बीते दो वर्ष में निर्माणाधीन गौरव पथ समयावधि से पूर्व ही टूटकर बिखर जाने से परेशान नगरवासियों ने मंगलवार को पालिकाध्यक्ष चंदा मीणा को ज्ञापन सौपकर अविलंब गौरव पथ को नहीं सुधारने पर पालिका के बाहर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है।

मंगलवार को दिए ज्ञापन में बताया कि शनिदेव मंदिर के पास सहित पथ पर जगह-जगह गहरे खड्डे हो गए है, जिनमें इन दिनो बारिश का पानी भरने से खड्डो का पता ही नही चलता ओर वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहा है। वहीं वाहन निकलने के समय आमजन के साथ स्कुली छात्रों को वहा से गुजरना जोखीम भरा हो गया है। वाहन के निकलने के समय सडक़ से गुजरते स्कुली छात्र किचड के पानी के शिकार हो रहे है। वहीं सडक़ की बिखरी कंकरिट के साथ धूल का गुब्बार सडक़ के पास रहने वाले वाशिंदो , व्यापारियों व राहगिरों के लिए भी आफत बना हुआ है ।

तय समय से पूर्व सडक़ के बुरी तरह से टुट जाने के बावजूद न तो जिम्मेंदार प्रशासन ध्यान दे रहा है न ही जनप्रतिनिधि तो ठेकेदार राजनीतिक के चलते मौन दिख रहा है। जिसकी सजा आमजन को भुगतनी पड रही है। ज्ञापन में कस्बावासियों ने पालिकाध्यक्ष को चेतावनी दी है कि अगर जल्द गौरवपथ को नहीं सुधारा गया तो वह पालिका के बाहर धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। इस दौरान रमेश चन्द्र, मंगल कंठालिया, अनिल तंबोली, प्रतिक, गोपाल तंबोली, रामनारायण , दिलिप तंबोली, जगदीश, अमित श्रीमाली, किशन, बंशीलाल , किशनलाल सुथार, अंकेक्ष धींग, भगवती लाल सुथार, राजकुमार, अशोक जारोली , दयाल सुथार, निर्मला, सहित कस्बावासी मौजूद रहे। पालिकाध्यक्ष ने कस्बावासियों को जल्द गौरवपथ सुधारने का भरोसा दिलाया है लेकिन यह सुधार कब तक होगा कहना मुश्किल लग रहा है।

पुलिस थाने के पास बदहाल अवस्था में गौरव पथ।

वॉलीबाल में छात्राओं व क्रिकेट में मादडी गोवलिया छात्रों ने मारी बाजी

राजसमन्द, (निसं)। जिला मुख्यालय कांकरोली स्थित बालकृष्ण स्टेडियम में आयोजित राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेलों के तहत मंगलवार को हुए टेनिस क्रिकेट के मैच में कक्षा 7 के खिलाडी युवराज सिंह छः चौके लगाकार मैन ऑफ द मैच का खिताब अपने नाम किया। पंचायत शिक्षा अधिकारी गिरिराज शर्मा ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर की ग्रामीण ओलम्पिक खेलकूद प्रतियोगिता में प्रथम दिवस सांयकालीन सत्र में महिलाओं की वॉलीबाल प्रतियोगिता में मुण्डोल बनाम मादडी गोवलिया टीम के बीच हुए मैच में मुण्डोल टीम 2-1 से विजयी रही। पीटीआई धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि बालकृष्ण स्टेडियम में मादडी गोवलिया बनाम मुण्डोल के बीच हुए मुकाबले में निर्धारित 10 ओवर में मादडी गोवलिया टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मुण्डोल टीम को 50 रन का लक्ष्य दिया। जिसके खिलाफ मैदान में उतरी मुण्डोल टीम मात्र 31 रन पर ही सिमट गई। मैच के दौरान कक्षा 7 का खिलाडी युवराजसिंह आकर्षण का केन्द्र रहा। जिसने बिना नॉट ऑउट हुए 6 चौके लगाकर 30 रन देते हुए मैन ऑफ द मैच रहा। निर्णायक के रूप में राजेन्द्र प्रसाद आचार्य, विनोद शर्मा, जयश्री ठाकुर, ईशाक मोहम्मद रहे। मुण्डोल टीम कप्तान नरेश पालीवाल के नेतृत्व में नरेश बुनकर, दिपेश पालीवाल, गोपाल सेन, नरेश जोशी, शिवलाल चौधरी, देवनारायण जोशी व मादडी गोवलिया टीम कप्तान कुलदीप सिंह के नेतृत्व में लोकेन्द्र सिंह, युवराज सिंह, देवीसिंह, रिद्धिराज सिंह, शिवराज सिंह, रजत सिंह, परमवीर सिंह और राजवीर सिंह ने अपनी टीम को जीत का सेहरा बंधाया।

ओलम्पिक प्रतियोगिता में खो-खो में टीम ए ने बी को हराया : जिला मुख्यालय के समीपवर्ती मोही ग्राम पंचायत के राजकीय नंदलाल जोशी उमावि में चल रही राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलकूद प्रतियोगिता के दूसरे दिन मंगलवार को खो-खो के बालिका वर्ग में टीम ए ने टीम बी को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में टीम ए ने टॉस जीतकर पहले मैदान का निर्णय लिया। बी टीम की दूसरी पारी भी आल आउट हो गई। जवाब में पहली पारी को भी आउट नहीं कर पाई।

बालकृष्ण स्टेडियम में आयोजित खो-खो प्रतियोगिता में एक दूसरे से परिचय लेती खिलाड़ी बालिकाएं।

ज्ञापन सौंपा

मावली, (निसं)। कस्बे में आज अधिवक्ताओं ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में बताया कि हमारे साथी अधिवक्ता एवम घडसाना बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष श्री विजय सिंह झोरड के आकस्मिक दुखद निधन पर बार एसोसिएशन, मावली के कार्यकारिणी सदस्यों के द्वारा सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव लिया गया कि बार एसोसिएशन, मावली इस दुखद घटना की घोर निन्दा करती हैं तथा राज्य सरकार से मांग करती हैं की अधिवक्ता को झूठे मुकदमे में फसाए जाने एवं उनको मानसिक रूप से प्रताडित किए जाने कि इस घटना के जिम्मेदार सभी अधिकारी व कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से निलंबित किया जाकर, गिरफ्तार किया जाए एव सभी अधिवक्ता सदस्यो ने स्व श्री विजय सिंह जी झोरड को श्रद्धांजलि स्वरूप तथा दोषी अधिकारियों की गिरफ्तारी की मांग स्वरूप मंगलवार को न्यायिक कार्य स्थगित रखा।

कटारिया के फिर बिगड़े बोल

उदयपुर, (का.सं)। मंगलवार को यहां सम्पन्न प्रतिमा अनावरण समारोह में उदबोधन के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता गुलाबचन्द कटारिया की जबान एक बार फिर फिसल गई और एक नया विवाद खड़ा हो गया।

गौरतलब है कि कटारिया अपने विवादित बयानों के लिए हमेशा ही चर्चित रहे है। महाराणा प्रताप पर उनके द्वारा की गई एक टिप्पणी से राजपूत समुदाय का एक तबका अभी तक नाराज चल रहा है और इसी नाराजगी को दूर करने के लिए कटारिया ने राजनाथ सिंह के माध्यम से प्रतिमा का अनावरण करवाने का फैसला किया था। केन्द्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को इस समारोह में आमंत्रित करने के चक्कर में यह प्रतिमा का अनावरण समारोह तीन बार स्थगित हुआ। दरअसल कटारिया की सियासी चाल के तहत प्रतिमा अनावरण किसी कद्दावर राजपूत नेता से करवा कर पार्टी से रूठे राजपूतों को फिर से मनाना था वहीं केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल के माध्यम से क्षेत्र के गुर्जर मतदाताओं में सेंध लगाना था।

इन दो उद्देश्यों में वे सफल हुए या नहीं यह तो वक्त तय करेगा, लेकिन अपने बिगड़े बोल से उन्होंने वारी समाज को नाराज कर दिया। उदय सिंह को सुरक्षित बचाकर किले से बाहर भेजने वाले तीरथ वारी के लिए कटारिया ने नितांत अशिष्ट भाषा का उपयोग किया जो आज लोकतंत्र में असहनीय है। उनके बिगड़े बोल मुंह से निकलते ही वहां मौजूद वारी समाज के लोग, इतिहासकार और कुछ राजपूत भी नाराज हो गए। कटारिया के इस बिगड़े बोल की सर्वत्र निंदा की जा रही है। अशिष्ट संबोधन से आहत वहां मौजूद वारी समाज के कुछ लोगों ने यह मामला कोर्ट में ले जाने की भी चेतावनी दी। आगे क्या होगा यह भविष्य की गर्त में है लेकिन कटारिया ने अपने बिगड़े बोल से भाजपा के लिए एक और नई समस्या खड़ी कर दी है। इधर, आयोजन केा लेकर भीड़ जुटाने के भी प्रयास हुए। गांवों के अतिरिक्त शहरी कार्यकर्ताओं को भी कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई। समारोह में लगभग दस हजार से अधिक कार्यकर्ता शामिल हुए जो राजनाथ सिंह के संबोधन के बीच जय एकलिंगनाथ के नारे लगाते रहे।इधर, जिस राजपूत समाज को मनाने के प्रयास किए जा रहे थे उस राजवंश का कोई भी प्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थित नहीं था। समारोह स्थल पर महाराणा उदय सिंह के वंशज को भी इस समारोह में नहीं बुलाने की चर्चा जोरों पर रही।पुलिस प्रशासन भी कार्यक्रम को लेकर सतर्क रहा। किसी काले वस्त्रधारी को समारोह परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया। ऐसी आशंका व्यक्त की गई थी कि कुछ लोग समारोह में खलल डाल सकते है।

दस दिवसीय गणेश महोत्सव का आगाज आज से

राजसमन्द, (निसं)। जिला मुख्यालय के राजनगर स्थित मंशापूर्ण महागणाधिपति गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी को लेकर सभी तैयारिया पूरी कर ली गई है। कोरोना काल के दो साल बाद पुन: बडे स्तर पर आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला है। पूरे मंदिर को आकर्षक फूलों से सजाया गया है। मंदिर के बाहर विशेष विद्युत व टेंट का आकर्षक पाण्डाल व स्वागत द्वारा बनाए गए।

मंदिर के पूजारी पंडित गोपाल श्रोत्रिय के अनुसार गणेश चतुर्थी के अवसर पर सुबह के समय दूध, दही, घी, शहद, शरकरा व पंचामृत से स्नान कराया जाएंगा। उसके बाद गणेश अथर्वषीर्ष पाठ सहित वेदिक मंत्रोचार के साथ अभिषेक को पूरा किया जाएंगा। संध्या काल में महागणपति की महाआरती के साथ लडडू का भोग लगाया जाएगा। गणेश चतुर्थी से आगामी पांच दिनों तक मंदिर में विशेष फूलों से श्रृंगार झांकिया सजाई जाती है जहां दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की विशेष भीड लगी रहती है। इधर, नगर परिषद के तत्वावधान में राजनगर अरविन्द स्टेडियम में आयोजित पांच दिवसीय गणेश चतुर्थी पर्व का आगाज बुधवार को गणपति स्थापना के साथ होगा। आयोजन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। सभापति अशोक टांक ने बताया कि बुधवार दोपहर बाद राजनगर नया बस स्टेण्ड क्षेत्र से मृण शिल्प से तैयार भगवान गणेश की प्रतिमा गाजे-बाजे के साथ स्टेडियम लाई जाएगी। महोत्सव स्थल पर संध्या वेला में प्रतिमा स्थपित कर पूजा-अर्चना व आरती होगी। इसके बाद रात्रिकालीन कार्यक्रम के तहत रात्रि में मेवाड के प्रसिद्ध लोक नृत्य गवरी का मंचन होगा।

गणेश चतुर्थी को लेकर सौ फीट रोड पर बिक्री के लिए रखी गई गणेश प्रतिमाएं।

सार-समाचार

फरार इनामी वारण्टी गिरफ्तार

कपासन, (निसं)। कपासन थाना पुलिस ने लूट के मामले में वांछित पिछले 4 सालों से फरार ईनामी अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी थाना स्तर के टॉप10 वांछित अपराधियों की सूची में शामिल था। पुलिस अधीक्षक श्री राजन दुष्यंत के अनुसार थाना कपासन के लूट एवं राज्यकार्य में बाधा के एक प्रकरण में पिछले चार सालो से फरार चल रहे अपराधी नारायण कंजर की गिरफतारी पर 500 रूपये का ईनाम घोषित किया हुआ था। अभियुक्त की काफी समय से तलाश की जा रही थी। सोमवार को मूखबीर द्वारा सूचना मिली की उक्त स्थाई वारंटी अपने घर पर आया हुआ है। जिस पर थानाधिकारी कपासन फूलचन्द पुलिस निरीक्षक द्वारा गठित टीम हैड कानि तेजमल, कॉन्स्टेबल दिनेश चौधरी, गजेंद्र व सुरेश द्वारा नारायण कंजर के घर पर दबिश दी तो मौके से आरोपी पुलिस जाब्ता को देखकर भागने लगा। जिसका जाब्ता द्वारा पिछा कर ईनामी व वांछित अपराधी मेवदा कॉलोनी, कपासन निवासी 37 वर्षीय नारायण पुत्र प्रेमा कंजर को गिरफतार कर न्यायालय मे पेश किया गया।

आत्महत्या का प्रयास करने का मामला

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने ट्रांसपोर्ट व्यवसायी के खिलाफ विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या का प्रयास करने का मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार हेडकांस्टेबल अमरसिंह पुत्र भेरूसिंह ने ट्रांसपोर्ट व्यवसायी सीकर हॉल भवानी ट्रांसपोर्ट देबारी निवासी कैलाशचन्द्र पुत्र शंकरलाल के खिलाफ विषाक्त वस्तु सेवन करने का प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि आरोपी ने 21 अगस्त को विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया था। जिसे परिजनों ने उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती करवाया था। जिसके ठीक होने के बाद पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। इस मामले में कैलाश की जेब से मिले सुसाईट नोट में गुजरात में स्थित दो पेट्रोप पंप मालिकों को डीजल का भुगतान करने के बावजूद बकाया रूपये बता वसूली के लिए धमकाने पर आत्महत्या करने की बात लिखी है। पूछताछ में पता चला कि कैलाश टर्बो ट्रको का गुजरात में कारोबार था। जहां पर दो पेट्रोलपंप से वाहनों में डीजल भरवाता एवं दस पन्द्रह दिन बाद उसका भुगतान कर दिया करता था। पेट्रोलपंप मालिकों द्वारा परेशान करने पर कैलाश ने पेट्रोलपंपों का बकाया भुगतान करने के बाद गुजरात से कारोबार हटा अपना कार्यालय देबारी में खोल दिया। इसके बावजूद आरोप आए दिन फोन कर बकाया रूपये की मांग कर धमकी दिया करते थे। इससे परेशान होकर आत्महत्या करने के लिए विषाक्त सेवन करने की जानकारी सामने आई है। प्रकरण की जांच हेडकांस्टेबल भारतसिंह कर रहे है।

सीएम गहलोत आज लगेतखेडा में

भीम/राजसमन्द, (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बुधवार को दोपहर 2 बजे जिले में भीम उपखण्ड के लगेतखेडा में राजीव गांधी ग्रामीण ऑलम्पिक प्रतियोगिता के समापन समारोह में भाग लेंगें। सीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर जिला कलक्टर निलाभ सक्सेना, एसपी सुधीर चौधरी, सीईओ जिप उत्साह चौधरी, एएसपी शिवलाल बैरवा, एसीईओ भुवनेश्वरसिंह चौहान ने विधायक सुदर्शनसिंह रावत के साथ समारोह स्थल बाबा रामदेव मन्दिर बोर की तलाई हथुण लगेतखेडा का निरीक्षण कर एसडीएम उम्मेदसिंह, सीओ राजेन्द्र सिंह आदि को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एडीएम रामचरण शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बुधवार को निमाज जैतारण से दोपहर 2 बजे हवाई मार्ग से प्रस्थान कर 2:30 बजे लगेतखेडा पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर विधायक सुदर्शनसिंह रावत ने कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सहित पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को अधिकाधिक जनसमूह के साथ समारोह में शामिल होने को लेकर बैठक ली। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष पूर्व सरपंच अमरसिंह, प्रभुदयाल नागर, धन्नालाल सेन, भूपेन्द्र सिंह सहित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

शराब के नशे में की मां की हत्या

देवगढ़, (निसं)। देवगढ़ थाना क्षेत्र के लाखागुडा गांव के नाबरी गांव में एक शराबी किशोर सिंह पुत्र मांगू सिंह ने शराब के नशे में शराब के लिए और पैसे मांगने पर मां द्वारा पैसे नहीं देने को लेकर कुल्हाडी से उसके सिर पर दे मारी जिससे वह गंभीर घायल हो गई जहां उपचार के लिए उदयपुर रेफर किया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। देवगढ पुलिस थाना अधिकारी शैतान सिंह नाथावत ने बताया कि प्रार्थी नवल सिंह पिता मांगू सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि 27 अगस्त और रात को लगभग 10:30 बजे मां दीपा देवी, और नवल सिंह और सबसे छोटा बेटा बलवीर सिंह खाना खाकर बैठे थे इतने में मंझला भाई किशोर सिंह शराब के नशे में आया और मां से शराब के लिए और पैसे मांगने लगे जिस पर मैंने उसे उलाहना दिया और पैसे नहीं दिए तो गुस्से में आकर किशोर सिंह ने कमरे के बाहर लटक रही कुल्हाडी से मां के सिर पर दे मारी जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गई। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पर नहीं माना और मौके से फरार हो गया। घायल मां को उपचार के लिए उदयपुर रेफर किया गया जो इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों के निर्देशन में देवगढ थाना अधिकारी शैतान सिंह नाथावत ने हत्या के मामले में धारा 302 के तहत मामला दर्ज कर एक टीम का गठन किया जिसमें प्रताप सिंह, कमल कुमार, उमेश ,गुलजार सिंह और सुरेश कुमार को सम्मिलित किया।

ग्रामीण डाक सेवक नीरज सम्मानित

राजसमन्द, (निसं)। भारतीय डाक विभाग की ओर से गुरु गोविन्द सिंह उमावि में आयोजित सम्मान समारोह में देलवाडा पोस्ट ऑफिस के ग्रामीण डाक सेवक नीरज कुमार आमेटा को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि उदयपुर मण्डल के प्रवर अधीक्षक केके बुनकर, विभागीय अधिकारी शाहनवाज हुसैन ने डाक विभाग की सेवाओं के बेहतर संचालन के लिए कार्मिकों को सम्मानित किया। नीरज कुमार आमेटा ग्रामीण क्षेत्रों में डाक विभाग विभाग कार्यों का सुचारू संचालन करते हुए घर-घर जाकर ग्रामीणों को डाक विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक करते है और सीईएलसी, एईपीएस, आईपीपीबी और सुकन्या खाते खोलने संबधी आदि विभागीय कार्यों का बखूबी संपादन करते हुए ग्रामीणों में विश्वास बनाए हुए है। आमेटा की इस उपलब्धि पर कांकरोली डाकघर प्रभारी तिलकेशचंद्र शर्मा व आईपीपी के वरिष्ठ प्रबंधक मनीष सुहालका सहित स्टाफ ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

कपासन, (निसं)। कपासन बार एसोसिएशन ने घडसाना बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष की आत्महत्या के मामले को लेकर मंगलवार को कार्यों का बहिष्कार किया व मामले की जांच करवाकर दोषियों को कड़ी सजा दिलवाने की मांग को लेकर जुलूस निकालकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा कपासन बार एसोसिएशन अध्यक्ष लक्ष्मी लाल जाट के नेतृत्व में मंगलवार को उक्त मामले को लेकर न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया और न्यायालय परिसर में शोक सभा आयोजित क घडसाना के पूर्व बार अध्यक्ष विजय सिंह झोरड को श्रद्धांजलि अर्पित की गई इसके बाद न्यायालय परिसर से सभी सदस्य जुलूस के रूप में नारेबाजी करते हुए उपखंड कार्यालय पहुंचे वहां तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा।

दस लक्षणीय पर्व आज से

डूंगरपुर, (निसं)। दिगम्बर जैन समाज के दस दिवसीय पर्युषण महापर्व को लेकर शहर के घाटी स्थित मामा-भानजा मंदिर, फौज का बडला स्थित उण्डा मंदिर, घुमटा बाजार स्थित कोटडिया मंदिर, हाउसींग बोर्ड स्थित आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर,न्यू कॉलोनी स्थित महावीर दिगम्बर जैन चैत्यालय, बैकर्स स्टीट स्थित पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर तथा सुरपुर स्थित दिगम्बर मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाया गया है जहां बुधवार से विविध धार्मिक अनुष्ठानों को आयोजन किया जायेगा।

हां, यह बहुत अच्छा कदम था और मुझे यह पसंद आया। मुझे नहीं लगता कि यह एक जुआ था। यह वाइल्ड कार्ड नहीं था तो टीम मैनेजमेंट का जडेजा को ऊपर बल्लेबाजी कराने का फैसला एकदम सही था। **- संजय मांजरेकर**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, पाकिस्तान के विरुद्ध जडेजा को चौथे नंबर पर खिलाने को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शाकिब अल हसन

बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन एशियन कप में खेलते हुए अपना 100वां टी-20 इंटरनेशनल मैच खेलेगा। 35 साल के शाकिब ने 2006 में बांग्लादेश के लिए पहला टी20 मैच खेला था। 100 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले बांग्लादेश के तीसरे खिलाड़ी हैं। हालांकि शाकिब अपने लिए इस खास मैच में बड़ी पारी नहीं खेल सके। 9 गेंदों पर 11 रनों की पारी खेलने के बाद वह मुजीब उर रहमान का शिकार बन गए। उन्होंने विकेट से पीछे हटकर शॉट लगाना चाहा और बोल्ड हो गए।हालांकि शाकिब अपने लिए इस खास मैच में बड़ी पारी नहीं खेल सके।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीड वुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1938 में 87 ओवर में 298 रन पर एक विकेट लिया था। ये आज तक एक टेस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिए गए सबसे ज्यादा रन है।

हांगकांग के खिलाफ 'बेमेल' मुकाबले में टीम इंडिया का प्रयोग पर रहेगा जोर

बई, 30 अगस्त। पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप के दूसरे और आखिरी लीग मैच में बुधवार को हांगकांग के खिलाफ बल्लेबाजी क्रम या टीम संयोजन में बदलाव कर सकती है ।

केएल राहुल जैसे बल्लेबाजों के लिये यह लय में लौटने का सुनहरा मौका भी होगा । रोहित शर्मा की टीम के लिये ग्रुप ए का यह मैच नेट अभ्यास से अधिक नहीं होगा चूंकि हांगकांग की टीम में भारत और पाकिस्तान मूल के ही खिलाड़ी हैं जो इन दोनों देशों की प्रथम श्रेणी टीमों में भी शायद जगह नहीं बना पाते। हार्दिक पंड्या के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर पाकिस्तान को आखिरी ओवर में हराने के बाद अब फोकस बल्लेबाजी अभ्यास पर होगा ।

राहुल ने इस साल पहला टी20 मैच पाकिस्तान के खिलाफ पिछला मैच खेला । वह बल्लेबाजी अभ्यास पर फोकस करना चाहेंगे । टी20 में 20 गेंद में 45 रन का महत्व 65 गेंद में नाबाद 90 जैसे स्कोर से अधिक होता है । पारी किस तरह से खेली गई है और मैच में उसकी क्या अहमियत है, इस पर जोर रहेगा । भारत की नजरें 16 अक्टूबर से 13 नवंबर तक आस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये सही टीम संयोजन तलाशने पर भी है । हांगकांग के पास पाकिस्तान जैसे गेंदबाज तो नहीं है लेकिन उसे हलके में भी नहीं लिया जा सकता क्योंकि एक अनजान टीम के प्रदर्शन को लेकर कयास नहीं लगाया जा सकता । कप्तान रोहित ने साफ तौर पर कहा है कि प्रयोग जारी रहेंगे लिहाजा बल्लेबाजी क्रम में बदलाव हैरानी का विषय नहीं होगा ।

विराट कोहली के लिये भी यह मैच बल्लेबाजी अभ्यास के लिये अच्छा होगा ताकि वह उस लय में लौट सकें जिसकी वजह से विरोधी टीमें उनसे आतंकित रहती हैं। पाकिस्तान के खिलाफ कुछ खास नहीं कर सके रोहित को भी अच्छी पारी खेलने की उम्मीद होगी। देखना यह होगा कि रविंद्र जडेजा को चौथे नंबर पर उतारा जाता है या दिनेश कार्तिक की जगह ऋषभ पंत को मौका मिलता है। पाकिस्तानी टीम में शाहीन शाह अफरीदी के नहीं होने के बावजूद भारतीय शीर्षक्रम कुछ खास नहीं कर सका। आस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी टीमों के खिलाफ भारत की शुरूआत से ही आक्रामक खेलने की रणनीति की असल परीक्षा होगी। युजवेंद्र चहल और जडेजा को आराम देकर इस मैच में रविचंद्रन अश्विन और रवि बिश्नोई को उतारा जा सकता है।

विराट जैसा बनना चाहते है हांगकांग के कप्तान

दुबई, 30 अगस्त। हांग कांग के कप्तान निजाकत ने भारत के विरुद्ध खेले जाने वाले मुकाबले से पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वह अपने करियर में विराट जैसा ही बल्लेबाज बनना चाहते हैं। निजाकत ने कहा कि वह विराट के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने कहा," मैं विराट कोहली का बहुत बड़ा फैन हूं। हम उन्हें देखकर इंस्पायर होते हैं और हम यही चाहते हैं कि उनकी तरह बनें।उन्होंने अपनी फिटनेस को बरकरार रखा है।उन्होंने अपने खेल से भारतीय क्रिकेट ढांचे को चेंज कर दिया है औरइसलिए वो मेरेआदर्श हैं। हांग कांग के कप्तान ने भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले को लेकर कहा, हमारे लिए यहबहुत बड़ा मैच है और हमने पूरी तैयारी की है।

बांग्लादेश को हराकर सुपर-4 में अफगानिस्तान

शारजाह, 30 अगस्त। अफगानिस्तान ने नजीबुल्लाह ज़ादरान (43 नाबाद) और इब्राहीम ज़ादरान (42 नाबाद) की शानदार पारियों की बदौलत बांग्लादेश को एशिया कप 2022 में बुधवार को सात विकेट से हराकर सुपर-4 में जगह बनायी।

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को एक धीमे विकेट पर 128 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था, लेकिन अफगानिस्तान ने इसे नौ गेंदें रहते हुए हासिल कर लिया। बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाज़ी चुनी थी मगर यह फैसला उनके हित में नहीं रहा और अफगानिस्तान ने एक बार फिर विपक्षी टीम को अपनी फिरकी में फंसाया।

मुजीब उर रहमान ने मोहम्मद नईम (06), अनामुल हक़ (05) और कप्तान शाकिब अल हसन (11) को महज 24 रन के अंदर पवेलियन लौटा गिया। इसके कुछ देर बाद राशिद खान ने मोर्चा संभालते हुए विकेटकीपर मुश्फिकुर रहीम को एक रन के स्कोर पर आउट किया।

अफीफ हुसैन (12) ने महमूदुल्लाह के साथ मिलकर टीम को संभालने का प्रयास किया, लेकिन राशिद खान ने उन्हें आउट कर 53 रन पर आधी बांग्लादेश टीम को पवेलियन लौटा दिया। महमुदुल्लाह भी 27 गेंदों पर 25 रन की विस्मरणीय पारी खेलकर राशिद का शिकार हुए। बांग्लादेश की ओर से सबसे बडी साझेदारी मोसद्देक और मेहदी हसन के बीच सातवें विकेट के लिये 38 रन की हुई। मोसद्देक ने 31 रन पर चार चौकों और एक छक्के की बदौलत 48 रन की सराहनीय पारी खेली, जबकि मेहदी हसन ने रनआउट होने से पहले 14(12) रन बनाये।

बीडब्ल्यूएफ ने पैरालंपिक 2024 के क्वालीफिकेशन नियम जारी किये

क्वालालंपुर, 30 अगस्त। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति और विश्व बैडमिंटन संघ ने पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों के लिये क्वालीफिकेशन विनियम मंगलवार को जारी किये। पेरिस पहुंचने के लिये क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत एक जनवरी 2023 को होगी जबकि इसका समापन 31 मार्च 2024 को होगा। एकल और युगल के लिए एथलीटों को दो अप्रैल 2024 को प्रकाशित होने वाली रेस टू पेरिस पैरालंपिक गेम्स सिंगल्स, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स रैंकिंग लिस्ट से पहले कम से कम तीन नामित क्वालीफाइंग आयोजनों में भाग लेना होगा। पुरुष या महिला युगल प्रतियोगिता के लिये क्वालीफाई करने वाली व्हीलचेयर जोड़ी के दोनों खिलाड़ी स्वचालित रूप से अपनी-अपनी एकल प्रतियोगिता में प्रवेश प्राप्त कर लेंगे और उन आयोजनों में खेलने के लिए बाध्य होंगे। मिश्रित युगल प्रतियोगिता में पहुंचने वाले सभी पुरुष एवं महिला एसएल3, एसएल4, एसयू5 और एसएच6 खिलाड़ी स्वचालित रूप से अपने संबंधित एकल इवेंट में प्रवेश प्राप्त कर लेंगे।

ऑस्ट्रेलिया को लगा बड़ा झटका

ऑलराउंडर मार्श टखने की चोट के चलते हुए बाहर

मेलबोर्न, 30 अगस्त। ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर मिशेल मार्श टखने की चोट के चलते जिम्बाब्वे के खिलाफ जारी वनडे सीरीज के साथ न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। टीम का साथ छोड़ मार्श अब पर्थ के लिए उड़ान भरेंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि सितंबर में भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में वह वापसी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को 21 सितंबर से भारत दौरे पर तीन टी20 मैच खेलने हैं। अगर मार्श इस सीरीज तक फिट नहीं होते हैं तो आगामी टी20 वर्ल्ड कप में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की मुश्किलें बढ़ जाएगी।

स्टीव स्मिथ ने कहा कि आगामी टी20 विश्व कप पर ध्यान केंद्रित करते हुए मार्श को ठीक होने के लिए पर्याप्त समय देने पर ध्यान दिया जाएगा।स्मिथ ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा "मार्श ने हाल ही में लिमिटेड ओवर क्रिकेट में काफी अच्छा खेल दिखाया है। जिस तरह से हमने थोक ऑलराउंडरों के साथ अपनी टीम बनाई, वह उसका एक बड़ा हिस्सा था। यह मिच के लिए निराशाजनक है लेकिन कुछ महत्वपूर्ण चीजें सामने आ रही हैं। वह पिछले साल हमारे टी20 विश्व कप अभियान का बड़ा हिस्सा था और मुझे यकीन है कि इस साल उसके लिए बड़ी योजनाएं हैं।

प्राथमिकता उसे उसके लिए सही करना है।"विकेटकीपर-बल्लेबाज जोश इंगलिस को टीम में मार्श के रिप्लेसमेंट के रूप में तैयार किया गया है और वह जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड सीरीज के दौरान टीम के साथ रहेंगे।इंगलिस लंदन स्पिरिट का हिस्सा हैं, जो द हंड्रेड 2022 के फाइनल में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं। वह ग्लेन मैक्सवेल के स्थान पर स्पिरिट में शामिल हुए थे और राष्ट्रीय टीम में बुलाए जाने से पहले उन्होंने इस टूर्नामेंट में एक ही मैच खेला था।

मेदवेदेव, किर्गियोस दूसरे दौर में, सितसिपास बाहर

न्यूयॉर्क, 30 अगस्त। यूएस ओपन के वर्तमान चैंपियन डेनिल मेदवेदेव ने यूएस ओपन के पहले दौर में अमेरिका के स्टेफान कोज़लोव को 6-2 से मात देकर अपने अभियान की शुरुआत की। ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता के पिछले आयोजन में नोवाक जोकोविच को हराकर अपना पहला प्रमुख खिताब जीतने वाले मेदवेदेव ने सोमवार को कोज़लोव को 6-2, 6-4, 6-0 से मात देकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मेदवेदेव ने हार्ड कोर्ट पर अपनी लय जल्दी हासिल करते हुए नियमितता के साथ ग्राउंडस्ट्रोक खेले और कोज़लोव के खिलाफ अपने पहले मुकाबले में दो घंटे एक मिनट बाद जीत दर्ज की। 26 वर्षीय मेदवेदेव यूएस ओपन में अब 21-4 का रिकॉर्ड बना चुके हैं।

हैंडबॉल खिलाड़ी ने आनंदेश्वर पांड्ये पर लगाया यौन शोषण का आरोप

लखनऊ, 30 अगस्त। हैंडबाल की राष्ट्रीय खिलाड़ी सीमा शर्मा ने भारतीय ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश हैंडबाल एसोसियेशन के सचिव आनंदेश्वर पांडेय के खिलाफ यौन शोषण का मामला दर्ज कराया है।

सीमा ने हरियाणा के भिवाड़ी जिले में 28 अगस्त को महिला थाना में दर्ज करायी गयी एफआईआर में आरोप लगाया कि हैदराबाद में मार्च के अंत में खेली गयी 50वीं राष्ट्रीय महिला हैंडबाल प्रतियोगिता के लिये वह विभाग की तरफ से ट्रायल देने 12 मार्च को केडी सिंह बाबू स्टेडियम गयी थीं, जहां पांडेय ने टीम में चयन का प्रलोभन देते हुये अपने कक्ष में उनके साथ अश्लील हरकत की।

सीमा ने दावा किया कि पांडेय ने विरोध करने पर खिलाड़ी का करियर बर्बाद करने की धमकी दी। खिलाड़ी ने कहा कि लोकलाज

एलिजाबेथ की डबल हैट्रिक से रॉयल रेंजर्स की बड़ी जीत

नयी दिल्ली, 30 अगस्त। केन्या की कियोको एलिजाबेथ कटुंगवा की डबल हैट्रिक की मदद से रॉयल रेंजर्स ने दिल्ली महिला प्रीमियर लीग में जगुआर एफसी को 12-0 से रौंदकर पूरे अंक अर्जित किए। प्लेयर ऑफ द मैच का सम्मान हालांकि एक गोल करने वाली रक्षा पंक्ति की खिलाड़ी वाणी कलूचा को दिया गया। नेहरू स्टेडियम में खेले गए एकतरफा मुकाबले में बाकी गोल अखला जमीर, अंजलि, परवीन ,नैना मुखीजा और माला ने बांटे। दूसरी ओर, जानकी देवी मेमोरियल कालेज में खेले जा रहे महिला चैम्पियनशिप के मुकाबलों में दिल्ली एफ़सी ने उत्तरांचल हीरोज को 19-0 से और अहबाब ने ड्रीम टीम को 5-0 से बुरी तरह हराया। दिल्ली एफसी की रज़िया और रूचि ने डबल हैट्रिक जमाई। सलोनी, तारा, आशी और निशा ने एक एक गोल किए। अहबाब के लिए समिता ने दो, रोजाना, दीपसना और देबीका ने एक एक गोल बांटे।

यूएस ओपन के दूसरे दौर में विलियम्स

न्यूयॉर्क, 30 अगस्त। ग्रैंड स्लैम आयोजन यूएस ओपन की छह बार की विजेता सेरेना विलियम्स ने अपने करियर के आखिरी टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए पहले दौर में मॉन्टेनेग्रो की डान्का कोविनिक को मात दी। विलियम्स ने सोमवार को आर्थर एश स्टेडियम में डान्का को सीधे सेटों में 6-3, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में कदम रखा। इस जीत के साथ यूएस ओपन के पहले दौर में सेरेना का रिकॉर्ड 21-0 का हो गया और वह अपनी बहन वीनस विलियम्स, मार्टिना नवरातिलोवा और जापान की किमिको डेट की सूची में शामिल हो गयीं। इस जीत के साथ विलियम्स ओपन एरा में 20, 30 और 40 की उम्र में मुकाबले जीतने वाली सिर्फ चौथी महिला खिलाड़ी भी बन गयीं। 40 वर्षीय विलियम्स ने यूएस ओपन में 107 मुकाबले जीते हैं, जिनमें से 102 जीत आर्थर एश स्टेडियम में हासिल हुई हैं। विलियम्स ने जीत के बाद कहा, "जब मैं कोर्ट में आयी तो स्वागत वास्तव में जबरदस्त था। यह इतना जोरदार था कि मैं इसे अपने सीने में महसूस कर सकती थी। यह वास्तव में एक अच्छा एहसास था। यह एक ऐसा एहसास है जिसे मैं कभी नहीं भूलूंगा। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता था।" उन्होंने कहा, "मैं बस सोच रही थी, क्या यह सच है? वास्तव में? साथ ही, मैं यह भी सोच रही थी, मुझे अभी भी एक मैच खेलना है।

बर्मिंघम टीम के सफर में एक अहम क्षण : एक्का

बेंगलुरु, 30 अगस्त। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी दीप ग्रेस एक्का का मानना है कि यह पदक हासिल करना टीम के सफर में एक महत्वपूर्ण क्षण था।

भारतीय टीम इस समय भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के बेंगलुरु कैंपस में प्रशिक्षण के लिये एकत्र हुई है, जिसमें एक्का भी शामिल हैं।

एक्का ने बर्मिंघम 2022 के पदक के बारे में कहा, हम निश्चित रूप से बर्मिंघम में फाइनल खेलना पसंद करते, लेकिन कांस्य जीतना हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। पोडियम पर खड़ा होना एक ऐसा पल है जिसे हम कभी नहीं भूल पाएंगे। यह पूरी टीम के लिए मनोबल बढ़ाने वाला है।

भारतीय महिलाओं ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में चौथा स्थान हासिल करने से लेकर बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांसे का तमगा जीतने तक एक यादगार सफर किया है और अब उनका ध्यान स्पेन के वालेंसिया में 10 दिसंबर से होने वाले महिला हॉकी नेशन्स कप पर होगा। भारत की प्रमुख डिफेंस खिलाड़ी एक्का को उम्मीद है कि टीम आगे भी इसी प्रदर्शन को बनाए रख सकती है। उन्होंने बेंगलुरु में राष्ट्रीय शिविर में लौटने पर कहा, हमने बर्मिंघम में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन अब वह बीता हुआ समय है। हमने अच्छा ब्रेक लिया है और अब हमें मैदान पर वापस जाना है। मुझे यकीन है कि मुख्य कोच जेनेके शोपमैन हमारे पिछले प्रदर्शन का आकलन करेंगी और उसी के अनुसार शिविर में आने वाले दिनों की योजना बनाएंगी।

उन्होंने कहा, हमें स्पेन में एफआईएच महिला हॉकी नेशन्स कप में अच्छा प्रदर्शन करना है और इसके लिए तैयारी आज से शुरू हो रही है। यह आसान नहीं होगा, लेकिन कठिन प्रशिक्षण और हमारे सत्रों के दौरान बार-बार सही चीजें करना ही एकलौता उपाय है। स्पेन में एक सप्ताह तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में विजेताओं को एफआईएच हॉकी प्रो लीग (महिला) में पदोन्नत किया जाएगा। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 सीज़न में अपने पहले अभियान में तीसरे स्थान पर रही थी।

एक्का ने कहा, स्पेन में हमारा उद्देश्य एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग में प्रगति करना होगा और इसके लिए हमें नेशन्स कप जीतना होगा। हमारा लक्ष्य हमारे सामने है, अब यह हम पर निर्भर है कि हम सही दिशा में काम करें।

रवि, बजरंग, दीपक ने विश्व चैम्पियनशिप में जगह बनाई

लखनऊ, 30 अगस्त। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने वाले रवि कुमार दहिया, बजरंग पूनिया और दीपक पूनिया ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2022 के लिये भारतीय दल में जगह बना ली है।

भारतीय कुश्ती संघ के सह-सचिव विनोद तोमर ने मंगलवार को बताया कि लखनऊ और सोनीपत में 29 और 30 अगस्त को आयोजित चयन ट्रायल में चुने गये पहलवान 10-18 सितंबर के दौरान सर्बिया में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। रवि (57 किग्रा), बजरंग (65 किग्रा) और दीपक पूनिया (86 किग्रा) के अलावा पंकज (61 किग्रा), नवीन (70 किग्रा), सागर जगलान (74 किग्रा), दीपक (86 किग्रा), विक्की (92 किग्रा), विक्की (97 किग्रा) और दिनेश (125 किग्रा) ने विश्व चैंपियनशिप की फ्रीस्टाइल श्रेणी में जगह बनायी है।

दूसरी ओर, भारत की ग्रेको रोमन टीम में अर्जुन हलकुरकी (55 किग्रा), ज्ञानेंद्र (60 किग्रा), नीरज (63 किग्रा), आशू (67 किग्रा), विकास (72 किग्रा), सचिन (77 किग्रा), हरप्रीत सिंह (82 किग्रा), सुनील कुमार (87 किग्रा), दीपांशू (97 किग्रा) और सतीश (130 किग्रा) शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि विनेश फोगट (53 किग्रा), सुषमा शौकीन (55 किग्रा), सरिता मोर (57 किग्रा), मानसी अहलावत (59 किग्रा), सोनम मलिक (62 किग्रा), शेफाली (65 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा), रीतिका (72 किग्रा) और प्रियंका (76 किग्रा) सोमवार को हुए महिला ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके पहले ही भारतीय दस्ते में शामिल हो चुकी हैं।

जीनजीन को हराकर दूसरे दौर में गफ

न्यूयॉर्क, 30 अगस्त। अमेरिका की युवा सनसनी कोको गफ़ ने यूएस ओपन अभियान की विजयी शुरुआत करते हुए पहले दौर में फ्रांस की लियोलिया जीनजीन को मात दी। गफ़ ने सोमवार को खेले गये मुकाबले में जीनजीन को 6-2, 6-3 से मात दी। इस मुकाबले में गफ़ की चुस्ती और फुर्ती के आगे उनकी फ्रेंच प्रतिद्वंदी पस्त नज़र आयीं। गफ़ ने 91 प्रतिशत सर्व पॉइंट जीते, और एक भी ब्रेक पॉइंट नहीं दिया। युवा अमेरिकी खिलाड़ी ने जीत के बाद कहा, "मैं वास्तव में घबराई हुई थी। मैं दबाव महसूस कर रहा थी। (फ्रेंच ओपन) फाइनल के बाद यह घर में मेरा पहला ग्रैंड स्लैम है। स्पष्ट रूप से, मुझे नहीं लगता था कि मैं आज (आर्थर) ऐश स्टेडियम में मुकाबला करूंगी।

जापान ओपन के दूसरे दौर में प्रणय

ओसाका, 30 अगस्त। एच एस प्रणय ने अपने प्रतिद्वंदी हांग कांग के एनजी का लॉन्ग एंगस के चोटिल होने के बाद मंगलवार को जापान ओपन के दूसरे दौर में जगह बनायी। प्रणय मैच के पहले गेम में 11-10 से आगे चल रहे थे, तभी एनजी चोट के कारण रिटायर हो गये। प्रणय अब दूसरे दौर में पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन यू का सामना करेंगे। दूसरी ओर, अश्विनी भट्ट और शिखा गौतम की महिला युगल जोड़ी कोरिया की बैक हा ना और ली यु लिम से 15-21, 09-21 से हारकर बाहर हो गयीं। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 के विजेता लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और साइना नेहवाल बुधवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। एमआर अर्जुन एवं ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी और त्रिशा जॉली एवं गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी भी बुधवार को ही अपना पहला मैच खेलेगी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु के चोटिल होने के कारण साइना नेहवाल महिला एकल में भारत की एकलौती प्रतिनिधि होंगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रमंडल खेल 2022 के महिला एकल फाइनल के दौरान सिंधु के टखने में चोट लग गयी थी। सिंधु ने इस मैच में कनाडा की मिशेल ली को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

स्लॉग ओवरों में 'पावर हिटर्स' की कमी पूरा कर सकत है किरण प्रभु और हेमलता : हरमनप्रीत

बेंगलुरू, 30 अगस्त। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने मंगलवार को कहा कि इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे के लिए पहली बार टीम में चुनी गई किरण प्रभु नवगीरे और दयालन हेमलता स्लॉग ओवरों में 'पावर हिटर्स' की कमी को पूरा कर सकते हैं। किरण प्रभु ने मई में महिला टी20 चैलेंज में सबसे तेज अर्धशतक जमाया था। उन्हें तीन टी20 मैचों के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है। ऑफ स्पिन ऑलराउंडर हेमलता ने घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन के दम पर दो साल बाद टीम में वापसी की है। उन्हें इंग्लैंड दौरे की टी20 और वनडे दोनों टीम में चुना गया है।

हरमनप्रीत ने टीम की रवानगी से पहले मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा," हमने टीम में दो नई बल्लेबाज किरण और हेमलता को जोड़ा है। हम इन दो खिलाड़ियों के विशेष कौशल का उपयोग कर सकते हैं। वे टीम के लिए काफी उपयोगी हो सकती हैं।" उन्होंने कहा, "उनके पास ताकत है, उनके पास कौशल है। हम उनके कौशल को निखारने में मदद कर सकते हैं जिससे टीम उस कमी की भरपाई कर सकती है जो कि अभी उसमें दिखती है।" महाराष्ट्र की किरण घरेलू स्तर पर नगालैंड की तरफ से खेलती हैं। उन्होंने सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ नाबाद 162 रन बनाकर लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था। इसके बाद उन्हें महिला टी20 चैलेंज के लिए वेलोसिटी की टीम ने लिया था।

हेमलता ने भारत की तरफ से अपना आखिरी टी20 मैच 2019 में खेला था। उन्होंने घरेलू प्रतियोगिताओं में टी20 में 272 रन बनाए। हरमनप्रीत ने कहा," उन्होंने घरेलू स्तर पर जिस तरह की बल्लेबाजी की है उसे मैंने देखा है। यह उनके लिए कुछ खास करने का सही मंच है जिसकी टीम में अभी कमी है। आप किसी भी प्रारूप में खेल रहे हो आपको कम से कम छह बल्लेबाजों की जरूरत पड़ती है।"

उन्होंने कहा, "हमारी टीम में इस तरह के बल्लेबाजों की कमी थी लेकिन अब हमने दो अतिरिक्त बल्लेबाज (किरण और हेमलता) को टीम से जोड़ दिया है। हम उन्हें मौका देना चाहते हैं।" भारत के इंग्लैंड दौरे की शुरुआत 10 सितंबर को होगी और इसमें तीन टी-20 और इतने ही वनडे मैच खेले जाएंगे। अगले साल फरवरी में टी-20 विश्व कप है और हरमनप्रीत ने कहा कि इसे देखते हुए टीम प्रबंधन प्रत्येक खिलाड़ी को अधिक से अधिक मौका देना चाहता है।

उन्होंने कहा,"मैं वास्तव में युवा खिलाड़ियों को मौका देना को लेकर उत्साहित हूं जिन्होंने अभी टीम में जगह बनाई है। सभी खिलाड़ियों को समान मौका देना महत्वपूर्ण है। हमारे पास 30 खिलाड़ियों का अच्छा समूह है।" हरमनप्रीत ने कहा," विश्व कप से पहले अगर उन खिलाड़ियों को समान मौके मिल सकते हैं तो फिर आपके पास टीम चयन के लिए उचित आइडिया होगा। हम निश्चित तौर पर नहीं चीजों को आजमाएंगे और साथ ही एक अच्छी टीम तैयार करने के लिए समान मौके भी देंगे।"

राजस्थान कोर्फ बॉल सीनियर व सब जूनियर टीम घोषित

जयपुर, 30 अगस्त। 34वीं सीनियर व 18वीं सब जूनियर राष्ट्रीय कोर्फ बॉल प्रतियोगिता जो 1 से 4 सितंबर तक सोलन, हिमाचल प्रदेश में आयोजित होने जा रहे है के लिए राजस्थान कोर्फ बॉल टीम का प्रशिक्षण शिविर 28 से 30 अगस्त तक अपेक्स यूनिवर्सिटी, अचरोल, जयपुर में आयोजित हो रहा है, इसमें से चयनित खिलाड़ियों की सूची निम्न प्रकार है :

सीनियर टीम :- पुरुष : मुकेश कुमार सैनी (कप्तान), रजत कुमार सैनी, विशाल कुमार, मनीष कुमार मीना (जयपुर) नितिन कुमार (अजमेर), दिनेश जानी (चूरू), शैतानाराम चौधरी (जोधपुर)। **महिला :** कु. हुमेरा (पाली), सिमरन रावत (अमजेर), मनीषा कुमारी, भारती मीणा (जयपुर), स्वाती (चूरू), वर्षा गोदारा व संगीता कुमारी (जोधपुर), टीम कोच प्रेमचंद सैनी व सिमरन मल्हौत्रा मैनेजर।

सब-जूनियर टीम :- बालक : सर्वश्री हार्दिक सैनी (कप्तान), यॉस घायल (जयपुर), ऋषिराज सिंह (नागौर), चेतन कुमार व धीरज कुमार (झुंझुनूं), करण सिंह 9अजमेर), अमन पठान (बॉरा)। **बालिका :** कु. कुमकुम (नागौर), अलविना (बॉरा), खुशबू (पाली), कृष्णा (जोधपुर), रिद्यम गुप्ता व खनक गुप्ता (जयपुर)। टीम कोच इन्द्र प्रकाश टिक्कीवाल एवं मैनेजर कु. नीलम योगी।

हर साल हजारों लोग अफ्रीका के सबसे ऊँचे पर्वत माउन्ट कीलीमंजारो के शिखर पर चढ़ने का प्रयास करते हैं। अब, एक नई हाईस्पीड इन्टरनैट सेवा की बदौलत, तंजानिया के 19341 फुट ऊंचे पहाड़ पर चढ़ते हुए लोग फोटो शेयर कर पाएंगे और ई-मेल चैक करने के साथ -साथ इन्टरनैट सार्फिंग कर सकेंगे। आगामी कुछ समय तक, चढ़ते समय 12205 फीट की ऊंचाई तक वाई फाई सेवा मिलेगी और सरकार को उम्मीद है कि वर्ष के अंत तक शिखर पर भी इन्टरनैट सेवा उपलब्ध हो जाएगी। तंजानिया के सूचना व प्रसारण मंत्री ने बताया कि, तंजानिया के दूर संचार निगम ने यहां फाइबर -ऑप्टिक ब्रॉडबैंड नेटवर्क स्थापित किया है। हाईस्पीड इंटरनैट सर्विस से पर्वतारोहण ज्यादा सुरक्षित हो जाएगा क्योंकि अब यात्रियों को आसानी से मदद मिल सकेगी। कीलीमंजारो पहला पर्वत शिखर नहीं है जहां इंटरनैट सेवा है। इससे पहले वर्ष 2020 में माउन्ट एवरैस्ट पर भी 5 जी नैटवर्क शुरु किया गया था। तंजानिया के सूचना प्रसारण मंत्री ने कहा कि, पूर्व में इन्टरनैट के बिना यहां चढ़ाई करना खतरनाक होता था। ज्ञातव्य है कि, माउन्ट कीलीमंजारो तंजानिया की आय का बड़ा जरिया है और वर्ष 2019 में राज्य की कुल जी.डी.पी. का 17 प्रतिशत इसी की देन थी। हर वर्ष लगभग 50,000 लोग, पहाड़ की तलहटी में स्थित कीलीमंजारो नैशनल पार्क घूमने आते हैं और करीब 35,000 लोग इस पर्वत शिखर पर चढ़ने का प्रयास करते हैं। कीमीमंजारो की खास बात यह है कि, यह किसी पर्वत श्रृंखला का अंग नहीं है, बल्कि तंजानिया व कीनिया के मैदानों से उठने वाला विश्व का सबसे बड़ा "फ्री स्टैण्डिंग माउन्टेन" है। इसका शिखर बर्फीले ग्लेशियर्स से घिरा हुआ है। लेकिन वैज्ञानिकों की भविष्यवाणी है कि, जलवायु परिवर्तन की वजह से अगले दशक तक ये ग्लेशियर पिघल जाएंगे।

सी.बी.आई. ने मनीष सिसोदिया के बैंक लॉकर की तलाशी ली

मनीष सिसोदिया ने कहा कि, सी.बी.आई. ने मेरे खिलाफ पूरा जोर लगा लिया, लेकिन कहीं कुछ नहीं मिला

- **सी.बी.आई. ने दिल्ली की नई शराब नीति में हुये कथित भ्रष्टाचार के मामले में एक बार फिर मनीष सिसोदिया के खिलाफ छापा मारने की कार्रवाई की है।**
- **इससे पहले गत 19 अगस्त को भी सी.बी.आई.ने सिसोदिया के घर एवं उनसे जुड़े परिसरों पर भी छापे मारे थे।**

नई दिल्ली, 30 अगस्त (वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया के पंजाब नैशनल बैंक के लॉकर की मंगलवार को तलाशी ली।

सी.बी.आई. सूत्रों ने बताया कि जांच एजेंसी ने नई आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं को लेकर बैंक की गाजियाबाद शाखा का दौरा किया।

तलाशी के कुछ घंटे पहले सिसोदिया ने ट्वीट किया, सी.बी.आई. हमारे बैंक लॉकर को देखने आ रही है। गत 19 अगस्त को मेरे घर पर 14 घंटे की छापेमारी में कुछ नहीं मिला।

सिसोदिया ने दावा किया,लॉकर में भी कुछ नहीं मिलेगा। सी.बी.आई. आपका स्वागत है। मेरा परिवार जांच में पूरा सहयोग देगा। लॉकर में मेरी पत्नी और बच्चों के गहने और कुछ अन्य सामान हैं।

गौरतलब है कि सी.बी.आई. ने 19 अगस्त को सिसोदिया के आवास पर छापा मारा था। जांच एजेंसी ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि उन्हें उसके घर से कोई सबूत मिले या नहीं।

विशेष सत्र के दौरान दिल्ली विधानसभा में उपमुख्यमंत्री के आवास पर सी.बी.आई. की छापेमारी का मुद्दा भी गूंज उठा। सिसोदिया ने सदन को बताया कि भारतीय जनता पार्टी सी.बी.आई. के छापे से उन्हें डराने की कोशिश कर रही है।

सत्र के दौरान दिल्ली विधानसभा में भाजपा विधायकों ने हंगामा किया और सिसोदिया को उनके पद से बर्खास्त करने की मांग की जबकि आप विधायकों ने विधानसभा परिसर में देर रात तक विरोध प्रदर्शन किया तथा उपराज्यपाल के खिलाफ सी.बी.आई.-ई.डी. जांच की मांग की।

सिसोदिया ने विधानसभा के दो दिवसीय सत्र के पहले दिन कहा,भाजपा नई आबकारी नीति को लागू करने में करोड़ों रुपये के घोटाले का दावा कर रही है जबकि मेरे घर तलाशी के लिए आए सी.बी.आई. अधिकारियों ने बताया कि यह सिर्फ एक करोड़ रुपये की जांच है।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि, हमने भाजपा के सभी सवालों का जवाब दिया अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा की बारी है, वह तीन घोटालों पर देश को सवालों का जवाब दें।

सिसोदिया ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में तीन सवाल किए। उन्होंने कहा कि हमने भाजपा के सभी सवालों का जवाब दिया अब उनकी बारी है, वह तीन घोटालों पर देश को सवालों का जवाब दें। दूध-दही जैसी चीजों पर जीएसटी लगाकर प्रधानमंत्री के दोस्तों के लाखों-करोडो के कर्ज क्यों माफ़ किए गए? इसकी केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच क्यों नहीं हुई। पूरे देश में विधायकों को खरीदने के लिए भाजपा के पास 6300 करोड़ रूपये कहां से आए? दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना के ऊपर खादी ग्रामोद्योग का चेयरमैन रहते हुए नोटबंदी के समय हुए 1400 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच कब होगी?

उन्होंने कहा कि भाजपा के पास अब कोई सवाल नहीं बचे तो उनके नेता अपने द्वारा बोले गए झूठी बातों का जबाव मांग रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक्साइज में भाजपा के नेता पहले आठ हजार करोड़ रुपये के घोटाले का राग अलाप रहे थे वो झूठ साबित हुआ तो 1.5 लाख करोड़ के भ्रष्टाचार का जुमला गाने लगे। उसके बाद बोले नहीं 1100 करोड़ का भ्रष्टाचार हुआ है। इसके बाद 144 करोड़ के भ्रष्टाचार की बात करने लगे। भाजपा के नेता इस फर्जी साजिश के पहले दिन से ही अपनी बातों को झूठा साबित कर रहे हैं और अपने झूठ का जबाब मांग रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा के सारे सवाल झूठे और मनगढ़ंत हैं। मेरे घर सीबीआई भेजी गई, 14 घंटे तक सीबीआई ने खोजबीन और पूछताछ की।

दिल्ली एन.सी.आर. देश का सबसे अधिक दुर्घटनाओं वाला क्षेत्र

दिल्ली में दुर्घटनाओं की दर देश में सर्वाधिक 20.03 प्रतिशत है इसके बाद 18.2 प्रतिशत के साथ मुंबई दूसरे स्थान पर है

- **इको इंडैक्स सर्वे-2022 के अनुसार देश के अधिकांश हिस्सों, विशेषतः चेन्नई में सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण आवारा जानवर हैं।**

नई दिल्ली, 30 अगस्त (वार्ता)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र- दिल्ली-एन.सी.आर. देश में सबसे ज्यादा दुर्घटना संभावित शहरों में से एक है, जहाँ सबसे ज्यादा संख्या में दुर्घटनाएं होती हैं। वाणिज्यिक राजधानी मुंबई दूसरे स्थान पर है।

हाल में किये गये एक सर्वेक्षण के अनुसार अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं वाहन चालकों की लापरवाही से हुईं। हालांकि जानवरों का सड़क पार करना, उबड़खाबड़ सड़क, गड्ढे, रैश ड्राईविंग और नशे में वाहन चलाना दुर्घटना के अन्य कारण हैं।

एको एक्सीडेंट इंडेक्स 2022 के अद्धवार्षिक सर्वेक्षण में बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, और मुंबई सहित मुख्य मेट्रो शहरों में हुई दुर्घटनाओं का विवरण दिया गया है। दिल्ली में दुर्घटना की दर 20.3 प्रतिशत है जबकि मुंबई में दुर्घटना दर 18.2 प्रतिशत है। इन दुर्घटनाओं के कारण भी दोनों शहर में एक समान हैं।

सभी मेट्रो शहरों में, बेंगलुरू में स्थिति सबसे अच्छी थी और यहां दुर्घटना दर 16 प्रतिशत है। इसके अलावा, चेन्नई में दुर्घटना की दर 18.6 प्रतिशत और हैदराबाद में दुर्घटना की दर 18.5 प्रतिशत है।

सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण आवारा जानवर है। खासकर चेन्नई में जानवरों के कारण सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं तीन प्रतिशत दर्ज हुईं। दिल्ली और बेंगलुरु में यह दो प्रतिशत थी। मेट्रो शहरों में कुत्तों के कारण 58.4 प्रतिशत दुर्घटनाएं हुईं, जिसके बाद 25.4 प्रतिशत दुर्घटनाएं गाय के कारण हुईं। आश्चर्यजनक बात यह है कि चूहों के कारण 11.6 प्रतिशत दुर्घटनाएं हुईं।

भारतीयों के लिए भी अन्तर्राष्ट्रीय ड्राइविंग लाइसैंस प्राप्त करना सुलभ होगा

देश के सभी राज्यों में जारी होने वाले ड्राइविंग लाइसैंस एवं ड्राइविंग परमिट भी एकसमान होंगे

- **इस मामले में केन्द्र सरकार ने गत 26 अगस्त को अधिसूचना जारी कर दी है।**
- **इंटरनैशनल परमिट जारी करने में भारत के समक्ष कोई अड़चन नहीं है, क्योंकि 1949 में ही जिनेवा कन्वैंशन में भारत इससे संबंधित करार पर हस्ताक्षर कर चुका है।**

नई दिल्ली, 30 अगस्त (वार्ता)। सरकार अपने नागरिकों को ज्यादा सुविधा प्रदान करने के लिए पूरे देश में एकीकृत ड्राइविंग लाइसेंस जारी कर जिनोवा समझौते के तहत अन्तर्राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट-आई.डी.पी. जारी करेगी।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने नागरिकों यह सुविधा देने के लिए आई.डी.पी. जारी करने की अधिसूचना गत 26 अगस्त को जारी की है।

भारत पहले ही 1949 के अन्तर्राष्ट्रीय सड़क यातायात कन्वेंशन यानी जिनेवा कन्वेंशन पर हस्ताक्षर कर चुका है इसलिए अन्य देशों के साथ पारस्परिक आधार पर इसे स्वीकार करने के लिए इस सम्मेलन की शर्त के अनुसार आई.डी.पी. जारी करना आवश्यक है। हमारे यहां अभी विभिन्न राज्यों के आई.डी.पी. का प्रारूप, आकार, पैटर्न और रंग एक नही है। इस कारण देश के अनेक नागरिकों को अन्य देशों में अपने-अपने आई.डी.पी. के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

मंत्रालय ने कहा कि इस संशोधन से पूरे देश में एक जैसी आई.डी.पी. जारी कर जिनेवा कन्वेंशन के अनुपालन में मानकीकृत किया गया है। आई.डी.पी. को ड्राइविंग लाइसेंस से जोड़ने के लिए क्यू.आर. कोड का भी प्रावधान किया गया है। नियामक प्राधिकरणों की सुविधा के लिए विभिन्न कन्वेंशनों और केंद्रीय मोटर वाहन नियमावली,1989 में वाहन श्रेणियों की तुलना को भी शामिल किया गया है। हेल्पलाइन नंबर और ईमेल भी उपलब्ध है।

माइक्रोचिप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बन गया है।

ताईवान अत्याधुनिक चिप का विश्व का सबसे बड़ा निर्माता है और इसके ब्लॉकेड से माइक्रोचिप्स का निर्यात रुक सकता है जिसकी जरुरत मोबाइल फोन व ड्रोन के निर्माण में पड़ती है। इसके अलावा सुपर कम्प्यूटर्स, सैलुलर नैटवर्क्स और नए हथियारों के निर्माण में भी चिप की आवश्यकता होती है।

विश्व भर की टैक्नॉलजी कम्पनियां अत्याधुनिक चिप की आपूर्ति के लिए ताईवान सेमी कंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी (टी.एस.एम.सी.) पर ही निर्भर है। यह वॉशिंगटन और चीन दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। न्यूयॉर्क टाइम्स कहता है कि सैन्य टकराव हुआ तो विश्व के डिजीटल इन्फ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान होगा।

यह निर्भरता शांति बहाली में मदद कर सकती है। ताईवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी और ताईवान की अन्य चिप निर्माता कम्पनियों पर चीन की निर्भरता कम्युनिस्ट पार्टी को ताईवान पर हमला करने से रोकेगी। और अमेरिका की निर्भरता उसे ताईवान को और ज्यादा मदद देने को प्रोत्साहित कर सकता है। ताईवान के लोग इस कम्पनी "सेक्रड माउण्टेन" देश का रक्षक कह सकते हैं। चिप के लिए ताईवान पर निर्भरता खत्म करने के लिए चीन सेमीकंडक्टर्स पर भारी निवेश किया है पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग नतीजों से खुश नहीं है।

अगर गहलोत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वे वसुंधरा, गहलोत की बेहद नजदीकी मित्र हैं।

अगर गांधी परिवार चाहता है कि राजस्थान में उनकी सरकार बनी रहे तथा तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सत्ता में कांग्रेस की वापसी हो जाये, तो गांधी परिवार को राजनैतिक रूप से सख्त कदम उठाने की जरूरत होगी।

के.सी.आर. नीतीश कुमार से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रवादी मुद्दे को चुना और गलवान घाटी में शहीद हुए सैनिकों के परिवारों के साथ कुछ अपना कुछ समय बिताया तथा उन्हें कुछ वित्तीय सहायता भी प्रदान की।

लेकिन, जब वे बिहार जाने को हैं तो उनके मन में साफतौर पर केवल राजनीति ही है। जैसा कि ज्ञात ही है कि बिहार में इस समय विभिन्न दलों का गठबन्धन सरकार है, जो लोकसभा चुनावों के लिये एकजुट विपक्ष के लिये सम्भावित व्यवस्था को प्रदर्शित कर रही हैं।

तेलंगाना सी.एम.ओ. द्वारा जारी सरकारी प्रैस-विज्ञप्ति में भी कहा गया है, "इस अवसर पर दोनों मुख्यमंत्री राष्ट्रीय राजनीति पर चर्चा करेंगे।" के.सी.आर. ने एक जनसभा में तेलंगाना की जनता से कहा कि वे 2024 में "भाजपा मुक्त भारत" बनाने का संकल्प लें।

वस्तुतः नीतीश कुमार को एन.डी.ए. छोड़ने तथा भाजपा को पटखनी देने के खेल में, पर्दे के पीछे से के.सी.आर. की युक्तियों का सहयोग मिल रहा था। यह सब उनके द्वारा एक ऐसे राजनैतिक गठबन्धन को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा था, जो गठबन्धन उस भाजपा को टक्कर दे सके, जो किसी तरह रूकती दिखाई नहीं दे रही।

इस साल के शुरू में, आर.जे.डी. नेता तथा इस समय बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कुछ समय तेलंगाना के मुख्यमंत्री के साथ हैदराबाद में गुजारा था। अगर टी.आर.एस. के सूत्रों का विश्वास किया जाये तो यह भी माना जा सकता है कि उस समय के.सी.आर. ने नीतीश कुमार से भी बातचीत की थी।

प्रसंगवश बता दें कि के.सी.आर. और उनकी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति संसद में मोदी सरकार का समर्थन कर रहे थे, लेकिन जब उन्हें महसूस हुआ कि उनके अपने मैदान पर भाजपा उन पर हमलावर होती जा रही है, तो उन्होंने एकाएक यू-टर्न ले लिया था। एक आक्रामक विपक्षी नेता की भूमिका का निर्वहन करते हुये, के.सी.आर. ने मोदी के उन बयानों की सत्यता की जांच की और प्रधानमंत्री पर तीखे हमले किए। प्रधानमंत्री के पुराने बयानों को ढूंढ निकालने के बाद, के.सी.आर. ने मीडिया कॉन्फ्रेंसों में उनकी रिकॉर्डिंग सुनाते हैं। उन्होंने रूपये की गिरती हुईकीमत, पेट्रोल तथा डीजल की कीमतों में वृद्धि के सम्बन्ध में भी प्रधानमंत्री से सवाल पूछे।

भाजपा, ने 2019 के लोकसभा चुनावों में 4 सीटें जीती थी तथा हाल ही में हुए हैदराबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा था। इस आधार पर, भाजपा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों तथा लोकसभा चुनावों के लिये स्वयं को चुनौती देने वाली प्रमुख पार्टी मानने लगी है। भाजपा तेलंगाना में अपना प्रभाव एवं पहुँच बढ़ाने के लिये, अन्य राजनैतिक पार्टियों के नेताओं को अपनी ओर खींच रही है तथा इसके साथ ही, तेलुंगू फिल्म स्टारों तथा खेलों से जुड़ी सुप्रसिद्ध हस्तियों को पार्टी में लाने की कोशिश कर रहीं है।

रिकॉर्ड के लिये बता दे कि के.सी.आर. बिहार के उन 12 श्रमिकों के परिवारों वित्तीय मदद भी करेंगे, जो अभी हाल ही में एक अग्नि दुर्घटना में हैदराबाद में मर गये थे। वे मृतकों के पारिवारिक सदस्यों को 5 लाख रूपये के चैक प्रदान करेंगे। प्रत्येक शहीद सैनिक के परिवार को के.सी.आर. 10 लाख रू. के चैक देंगे। इसी प्रकार की कवायद के अन्तर्गत, के.सी.आर. तथा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने गलवान पार्टी के संघर्षो में शहीद हुये दो जवानों के परिवारों के सदस्यों को 10-10 लाख रू. के चैक प्रदान किये थे।

कश्मीर के 64 नेताओं ने एक साथ कांग्रेस से इस्तीफा दिया

- **आज़ाद ने दावा किया है कि, कश्मीर कांग्रेस के 95 प्रतिशत नेता उनके साथ हैं।**

जम्मू, 30 अगस्त (वार्ता)। कांग्रेस के करीब एक दर्जन वरिष्ठ नेताओं के पार्टी से त्यागपत्र देने के एक दिन बाद जम्मू कश्मीर में पूर्व उप मुख्यमंत्री तारा चंद सहित 64 कांग्रेस नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद के समर्थन में पार्टी से त्यागपत्र दे दिया है।

तारा चंद और कांग्रेस नेताओं के करीबी वरिष्ठ नेता बलवान सिंह ने यहां पत्रकारों को बताया कि परिस्थितियों और कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व संकट के कारण इन लोगों ने त्यागपत्र दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान के आसपास की एक मंडली के लोग पार्टी को बर्बाद कर रहे हैं।

पूर्व विधायक ने जम्मू प्रांत के 64 नेताओं और वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा हस्ताक्षिरत संयुक्त त्याग पत्र को पढ़ते हुए कहा, हम सभी का दशकों से चली आ रही पार्टी के साथ बहुत लंबा जुड़ाव था और हमने अपनी सारी ऊर्जा और संसाधनों को जम्मू और कश्मीर में पार्टी के विस्तार के लिए समर्पित कर दिया। लेकिन दुर्भाग्य से हमारे साथ जो व्यवहार किया गया वह अपमानजनक था।

पत्र में कहा गया है कि पाटी अध्यक्ष सोनिया गांधी को हमारे नेता और संरक्षक गुलाम नबी आजाद ने एक पत्र में पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। हमारा मानना है कि हमें भी कांग्रेस से बाहर आकर सकारात्मक राजनीतिक समाज के निर्माण में कुछ सार्थक योगदान देना चाहिए जहां लोगों को सुना जाता है और जवाब दिया जाता है।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने पांच दशक से अधिक समय के बाद कांग्रेस पार्टी से त्यागपत्र दे दिया। उन्होंने दावा कि जम्मू-कश्मीर में पार्टी के 95 फीसदी कार्यकर्ता, पंचायत सदस्य और कांग्रेस के जिला विकास परिषद सदस्य उनके साथ आ गए हैं।

गुलाम नबी आजाद के पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पर हमले जारी हैं। उनका कहना है कि राहुल संगठन के लिए ठीक नहीं है, बल्कि वह केवल धरना के लिए बेहतर हैं। खास बात है कि शुक्रवार को अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के नाम लिखे पत्र में भी आजाद ने वायनाड सांसद पर जमकर सवाल उठाए थे।

बाबरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की एक वृहद बैंच अयोध्या मामले में फैसला सुना चुकी है इसलिए अब इस मामले में कुछ नहीं बचा है। बैंच ने कहा कि "जो बात खत्म हो गई है उसे आप लगातार नहीं उछाल सकते है। हम सिर्फ एक पुराने मामले को उठा रहे है कुछ मामले बने रहते है कुछ खत्म हो जाते है। इसका प्रमुख विवाद 5 जजों की बैंच निपटा चुकी है। याचिकाकर्ता की भी मृत्यु हो चुकी है। प्रतिवादी के खिलाफ दायर याचिका भी खत्म हो गई है।

गरीब सवर्णों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीठ ने मंगलवार को तय कर दिया कि आर्थिक मानदंडों के आधार पर उच्च शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में इकॉनॉमिकली वीकर सैक्शंस (ई.डब्ल्यू.एस.) अर्थात गरीब सवर्णों को दिये गये आरक्षण की संवैधानिक वैधता पर निर्णायक सुनवाई 13 सितम्बर से शुरू होगी।

यह बैंच निर्देशों के लिये संबंधित मामलों की सूची 6 सितम्बर को बनायेगी। बैंच में अन्य जज हैं- न्यायमूर्ति दिनेश महेश्वरी, एस. रवीन्द्र भट्ट, बेला एम. त्रिवेदी तथा जमशेद बी. पार्दीवाला।

इस सुनवाई में, 2019 में 103वें संविधान संशोधन अधिनियम की संवैधानिक वैधता कसौटी पर रहेगी। सी.जे.आई. ने घोषणा की कि जनहित अभियान की याचिका उस प्रकरण की अगुआई करेगी, जिसमें 2019 के अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। इसके साथ ही, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के उस निर्णय के खिलाफ दायर किये गये मुकदमे की सुनवाई चलेगी, जिस निर्णय में आंध्र सरकार के उस निर्णय को रद्द कर दिया गया है जिसमें 2005 राज्य के मुस्लिम समुदाय के लिये उच्च शिक्षा एवं सरकारी नौकरी में आरक्षण दे दिया गया था।

ताईवान ने पहली बार चीन के खिलाफ फायरिंग की

- **ताईवान के सुरक्षाबलों ने चीन के ड्रोन पर फायरिंग कर दी। हालांकि यह फायरिंग केवल "वॉर्निंग शॉट्स" के तौर पर ही थी।**

ताइपे, 30 अगस्त। ताइवान की सेना ने मंगलवार को चीन के ड्रोन पर फायरिंग कर दी। ताइवानी सैन्य प्रवक्ता का कहना है कि यह वॉर्निंग शॉट्स थे। इसके साथ ही चीन और ताइवान के बीच तनाव का स्तर और बढ़ना तय है। यह पहली बार हुआ है जब ताइवान की सेना ने इतना आक्रामक कदम उठाया है। सैन्य प्रवक्ता के मुताबिक यह ड्रोन ताइवानी नियंत्रण वाले एक द्वीप पर चीनी सीमा के करीब उड़ान भर रहा था। बताया जाता है कि ताइवानी सेना की फायरिंग के बाद ड्रोन वापस चीन की तरफ मुड़ गया। बता दें कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी के ताइवान दौरे के बाद से ही हालात लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। पेलोसी के दौरे के समय ही चीनी विमान ताइवान के आसमान पर उड़ान भरने लगे थे। वहीं चीन अमेरिका को भी अंजाम भुगतने की धमकी देता रहा है। नैंसी पेलोसी के दौरे के बाद अमेरिकी सांसदों का एक दल भी ताइवान के दौरे पर पहुंचा था। इसके बाद चीन का गुस्सा और ज्यादा भड़क उठा था।

अगला डेढ़ महीना निर्णायक साबित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **कांग्रेस के लिये एक अच्छी अफवाह यह है कि, नया अध्यक्ष राहुल गांधी को पार्टी के रोजमर्रा के कामकाज से मुक्त कर देगा व राहुल अपने नेतृत्व प्रदान करने की भूमिका बेखटके निभा सकेंगे।**
- **पर एक सच यह भी है कि, राहुल व प्रियंका ने सोनिया गांधी का मन व सोच बनवा दिया है कि, अगर युवा नेतृत्व को मौका नहीं दिया गया तो, पार्टी में दोबारा जान फूंकना संभव नहीं हो पायेगा, अतः पार्टी के समक्ष दो ही विकल्प हैं या तो युवा नेतृत्व को मौका दें या पुराने नेताओं को ही ढोते रहें, जिनका जनता से संपर्क बहुत ढीला पड़ चुका है।**

सिद्धारमैया जैसे प्रदेश कांग्रेस नेता भी गुलाम नबी की तर्ज पर अपनी खुद की पार्टी शुरू कर पार्टी को पुनर्जीवित करने की गांधी परिवार की योजना को अप्रभावी कर सकते हैं।

पूर्व विदेश मंत्री शशि थरूर जैसे नेता सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि पार्टी के चुनाव जनता में उसके प्रति फिर से दिलचस्पी पैदा करेंगे। पार्टी अध्यक्ष का चुनाव होने की स्थिति में थरूर भी चुनाव लड़ने की घोषणा के साथ अपने दावेदारी ठोक सकते हैं।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशांक गहलोत, जिन्हें पार्टी के शीर्ष पद के लिए गांधी परिवार की पसन्द बताया जा रहा है, इस मुद्दे को लेकर दोहरा रूख रखे हुए हैं। वह ना तो इस बात से इन्कार कर रहे हैं और ना ही स्वीकार कर रहे हैं कि वे पार्टी अध्यक्ष पद का चुनाव लड़कर अपने से उम्र में काफी छोटे सचिन पायलट के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने को तैयार हैं।

यह कहा जा रहा है कि गांधी परिवार के सदस्य चाहते हैं कि गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष बने क्योंकि इससे पायलट के साथ किए गए उनके वादे को निभाने में मदद मिलेगी और गहलोत भी पार्टी में उनके लिए चुनौती नहीं बन सकेंगे। आज के भारत में जहां परस्पर संशय का वातावरण बढ़ रहा है, उसमें पार्टी को लोकतांत्रिक बनाने के गांधी परिवार के प्रयास को ना केवल आंशिक संशय बल्कि पूर्ण संशय के साथ देखा जा रहा हैं।

वास्तविकता यह है कि, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और कुछ युवा नेता सोनिया गांधी को यह समझाने में सफल रहे हैं कि कांग्रेस को विस्तार करने का जरूरत हैं, क्योंकि अधिकांश सीनियर नेता ज़मीनी वास्तविकता से रूबरू नहीं हैं और पार्टी इसीलिए अपना आधार खोती रही हैं।

तर्क यह है कि पार्टी यदि देश के युवा को आकर्षित करने में विफल रहती है तो कांग्रेस अंत ना पंत एक भूतकाल की वस्तु बनकर रह जाएगी।

बताया जाता है कि सोनिया गांधी इस तर्क से सहमत है और कांग्रेस ने इसीलिए ऐसे कदम उठाने शुरू कर दिए है: जिनके परिणामस्वरूप पार्टी की संभावनाएं ऐसे वक्त में बढ़ सकती है जबकि वह एक ऐसे राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी का मुकाबला कर रही है जो यह सुनिश्चित करना चाहता है कि देश कांग्रेस मुक्त हो जाए और जिसे अपने इन प्रयासों को कमजोर ना होने देने के लिए येन-केन प्रकारेण कोई भी साधन-अपनाने से कोई गुरेज नहीं है।

अगला डेढ महीना कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्टी के कुछ नेता जो विरोधियों के सम्पर्क में है निश्चित रूप से गांधी परिवार के पार्टी को मजबूत करने के प्रयासों को कमज़ोर करने का प्रयास करेंगे।

गांधी परिवार की कोशिश है कि कांग्रेस को इतना मजबूत बनाया जाए कि वह महात्मा गांधी के दौरान उभरी भारत की अवधारणा को नष्ट कर रहे संघ-भाजपा गठजोड़ का आक्रामकता से मुकाबला क सके।

कांग्रेस के नेताओं, कार्यकर्ताओं, उसके समर्थकों के विकल्प सीमित हैं या तो वे राहुल-प्रिंयका की पार्टी के पुनर्निमाण की कार्य योजना के तहत युवा व ऊर्जावान नेता को चुने या फिर उन्हें जो पार्टी वे राजनैतिक विरोधियों के साथ मिले हुए है। आगामी दिनों में कड़ा संघर्ष दिखेगा जो या तो कांग्रेस को फिर से उभार देगा या फिर खत्म कर देगा।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908